जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 31 संख्याः 272 प्रभात उदयपुर, रविवार 4 अगस्त, 2024 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ नया फ्रंट खोला, चुनाव में वोटिंग प्रतिशत में हेराफेरी का

कांग्रेस का आरोप है, लोकसभा चुनाव में भाजपा 79 सीटें मतदान प्रतिशत में हेराफेरी करके जीती है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अगस्त। कांग्रेस पार्टी ने नरेन्द्र मोदी सरकार पर लोडेड मिसाइल दागी है और मतों में हेराफेरी करके फर्जी जीत हासिल करने का आरोप लगाया है।

यह आरोप लगाते हुए कि 2024 आम चुनावों में, कुल मतदान संख्या में हेराफेरी करके भाजपा ने 79 सीटों पर विजय हासिल की है, कांग्रेस ने आज भारतीय चुनाव आयोग से, प्रारंभिक तथा फाइनल मतदान आंकड़ों में बहुत अधिक अंतर के बारे में स्पष्टीकरण मांगा है।

वोटर फॉर डैमॉक्रेसी (वी.एफ.डी.) की एक रिपोर्ट को उद्धृत करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता व पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने आज एक प्रेस कॉन्फ्रैंस में कहा कि, चुनाव आयोग ने शुरु में जो कहा और अंत में जो आंकड़े दिए उसमें समग्र अंतर औसतन 4.7 प्रतिशत है, लेकिन पूरे राष्ट्र में मिलाकर ये 5 करोड़ वोट होते हैं।

- **कांग्रेस के अनुसार, 2019 में मतगणना प्रारम्भिक रूप से घोषित मतदान प्रतिशत व फाइनल वोटिंग परसैन्टेज में केवल एक प्रतिशत का फर्क था, पर, 2024 में प्रारम्भिक मतदान प्रतिशत व फाइनल घोषित मतदान प्रतिशत में औसतन 4.7 प्रतिशत का फर्क था, जो जायज नहीं लगता।**
- **कांग्रेस के अनुसार, ओडीशा व आंध्र, जहाँ भाजपा को मतदान प्रतिशत में अप्रत्याशित सफलता मिली है, वहाँ, प्रारम्भिक व फाइनल में, 12.5 प्रतिशत का फर्क है और लक्षद्वीप में तो यह फर्क 25 प्रतिशत है।**
- **कांग्रेस का यह भी कहना है कि मतदान के बाद चुनाव आयोग द्वारा परिणाम घोषित करने में इतना अधिक समय लगाना भी संदेह उत्पन्न करता है। क्योंकि, आधुनिक टैक्नोलॉजी से तो मतगणना के समय हर दो घंटे में वोटों की संख्या अपडेट होती है, पर, चुनाव के प्रथम चरण के वोटिंग के आंकड़े देने में चुनाव आयोग को 11 दिन लगे थे।**

वी.एफ.डी. रिपोर्ट का हवाला देते हुए दीक्षित ने खुलासा किया कि ओडीशा तथा आंध्र प्रदेश जैसे कुछ राज्य, जहाँ भाजपा व उसके सहयोगी दलों का प्रदर्शन अप्रत्याशित रूप से बहुत अच्छा रहा, प्रारंभिक तथा फाइनल मतदान आंकड़ों में अंतर 12.5 प्रतिशत का, जो कि बहुत बड़ा अंतर है तथा चुनाव आयोग को इसका, जवाब देना चाहिए।

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने कहा कि एक प्रतिशत का अंतर तो समझ में आता है, लेकिन 12.5 प्रतिशत का भारी अंतर तथा लक्ष्यद्वीप जैसी जगहों पर 25 प्रतिशत तक का अंतर गंभीर प्रश्नों को जन्म देता है।

रिपोर्ट का हवाला देते हुए दीक्षित ने कहा कि रिपोर्ट ने विशेष रूप से उन 79 निर्वाचन क्षेत्रों को चिन्हित किया है जहाँ भाजपा जीती है, वहाँ पर अंतिम मतदान प्रतिशत, चुनाव आयोग द्वारा दिए गए प्रारंभिक आंकड़ों से बहुत ज्यादा बढ़ गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

2023 में 2.16 लाख भारतीयों ने नागरिकता छोड़ी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अगस्त। कांग्रेस ने आज भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार पर भारतीयों द्वारा नागरिकता छोड़े जाने के मुद्दे पर कटाक्ष किया और कहा कि मौजूदा सरकार के तहत जो भय का माहौल बना है उसकी वजह से ऐसा हो रहा है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि सरकार के अपने आंकड़े जो उसने राज्यसभा में जारी किए हैं, बताते हैं कि वर्ष 2023 में 2.10 लाख भारतीयों ने नागरिकता छोड़ी है जोकि 2016 में 1.23 लाख भारतीयों का दोगुना है।

- **राज्यसभा में प्रस्तुत इस सरकारी आंकड़ें पर कांग्रेस ने भाजपा को घेरा और कहा कि भय के माहौल व कर प्रणाली के कारण भारतीय नागरिकता छोड़ रहे हैं।**

उन्होंने दावा किया कि जिन भारतीयों ने नागरिकता छोड़ी है वे कुशल एवं उच्च शिक्षित हैं और देश के कुशल श्रम आपूर्ति की कमी के समय इनके देश छोड़ने से भारत की अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा।

रमेश ने कहा कि इनमें से कई लोग आर्थिक रूप से सम्पन्न भी है। इस साल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वित्तीय बाज़ार में कमला हैरिस की बढ़ती साख ने ट्रम्प की चिंता बढ़ाई

मीडिया प्लेटफॉर्म ''ट्रुथ सोशल में ट्रम्प की भागीदारी की वैल्यू 900 मिलियन डॉलर घट गई है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अगस्त। अमेरिका में राष्ट्रपति पद की दौड़ में डैमोक्रेटिक पार्टी की नई प्रत्याशी कमला हैरिस को वित्तीय बाजार बड़ी गंभीरता से ले रहे हैं। डॉनल्ड ट्रम्प के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ''ट्रुथ सोशल'' की वैल्यू में आयी भारी कमी से इसका संकेत मिल सकता है।

ट्रुथ सोशल में ट्रम्प की भारीदारी की मार्केट कैपिटल में 900 मिलियन डॉलर तक की कमी आई है। बाइडन के कमला हैरिस के पक्ष में पीछे हटने से पहले तक ट्रम्प की भागादारी 4 अरब डॉलर तक थी अब यह घटकर 3.1 अरब डॉलर रह गई है।

ऐसा माना जाता है कि अगर ट्रम्प राष्ट्रपति बन गए तो यह मंच उनकी सोशल मीडिया पोस्टिंग का जरिया बन जाएगा और इसी वजह से इसकी वैल्यू बढ़ गई थी।

लेकिन कमला हैरिस के डैमोक्रेटिक पार्टी के प्रत्याशी के रुप में राष्ट्रपति पद की दौड़ में सामने आने के बाद से ट्रुथ सोशल के साथ ट्रम्प के जुड़े होने की वैल्यु वित्तीय बाजार में कम हो रही है। वो राष्ट्रपति पद के लिए जो बाइडन की तुलना में ज्यादा मजबूत उम्मीदवार के रुप में सामने आई हैं, यह बात ट्रम्प की जीत की संभावना के खिलाफ जा रही है।

- **जब से डैमोक्रैटिक प्रत्याशी के रूप में कमला हैरिस का नाम सामने आया है, वित्तीय बाजार में ट्रम्प की साख कम हो रही है।**
- **इससे ट्रम्प काफी हताश हो रहे हैं। हाल ही में अश्वेत पत्रकारों से वार्ता करते हुए ट्रम्प कई बार आपा खो बैठे, जिससे उनकी हताशा के संकेत मिल रहे हैं।**

कमला हैरिस ने डैमोक्रेटिक अभियान में और सभी प्रमुख डैमोक्रेटिक नेताओं में जोश भर दिया है। जो पहले हैरिस के खिलाफ थे वे भी उनके पक्ष में आ गए हैं। कुछ श्वेत समूह भी कमला हैरिस को समर्थन दे रहे हैं।

हैरिस को इन दिनों बड़ी सफलता मिली जब युनाइटेड ऑटो वर्कर्स, जो कि अमेरिका का सबसे बड़ा श्रमिक संगठन है, ने कमला हैरिस की दावेदारी का समर्थन किया।

अपने अभियान के लिए फंड जुटाने में भी हैरिस काफी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। अमेरिका में फंड जुटाने को प्रत्याशी की लोकप्रियता और जीत का पैमाना माना जाता है। इस सप्ताह के आरंभ में ट्रम्प ने अश्वेत पत्रकारों से बात करते हुए अपने चुनाव अभियान को लेकर हताशा के संकेत दिए। कई सवालों के जवाब में तो वे काफी गुस्सा हो गए थे।

मौजूदा प्रशासन के बारे में भी ट्रम्प ने अपने ही अंदाज में बोला।

रुस में अमेरिकन बंदियों की बहुप्रतीक्षित रिहाई की सफल वार्ता के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र के चुनाव की गहमा-गहमी चरम पर पहुंची

उद्धव ठाकरे ने अमित शाह को टारगैट बनाते हुए कहा कि शाह, अहमद शाह अब्दाली के राजनैतिक उत्तराधिकारी हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अगस्त। महाराष्ट्र में होने वाले आगामी चुनावी युद्ध की रेखाएं खिंच गई हैं, शिव सेना (यू.बी.टी.) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने आज गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि वे अहमद शाह अब्दाली के 'राजनीतिक वंशज' हैं।

शिव सेना (यू.बी.टी.) ने आज भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि वह सत्ता में बने रहने के लिए 'राजनैति जिहाद'' में संलिप्त है तथा इसके लिए वह राजनीतिक दलों में तोड़फोड़ कर रही है।

पुणे में पार्टी के कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए ठाकरे ने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर हमला बोला और उन्हें ''औरंगजेब फैन क्लब'' का अध्यक्ष बताया।

ठाकरे ने शाह की आलोचना की और शाह को ''अहमद शाह अब्दाली'' का 'राजनीतिक उत्तराधिकारी' बताया।

- **असल में अमित शाह ने कुछ अर्सा पूर्व ठाकरे को औरंगज़ेब फैन क्लब का प्रमुख कहा था, इसके जवाब में ठाकरे ने शाह को अब्दाली का वंशज बताया। अहमद शाह अब्दाली अफगान शासक था जिसने पानीपत के युद्ध में मराठों को हराया था।**
- **पुणे में शिव सेना कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ठाकरे ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा और कहा कि सत्ता के बने रहने के लिए भाजपा राजनैतिक ''जिहाद'' कर रही है और विभिन्न दलों को तोड़ रही है।**

अब्दाली अफगान शासक था, जिसने मराठों को पानीपत के युद्ध में हराया था।

ठाकरे ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार द्वारा क्रियान्वित की गईं 'मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना' की आलोचना करते हुए कहा कि वह मतदाताओं में ''रेवड़ी'' बांटकर उन्हें रिश्वत देने का कार्य कर रही है।

ठाकरे ने कहा ''जब हमने मुस्लिमों को हमारे हिन्दुत्व के बारे में बताया तो वो हमारे साथ हो गए, इस पर (भाजपा ने) हमें औरंगजेब फैन क्लब कहा। तो जो आप कर रहे हो, वह सत्ता के लिए जिहाद है।''

21 जुलाई को जब शाह महाराष्ट्र के पुणे में भाजपा के एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे, उस समय उन्होंने महा विकास अघाड़ी गठबंधन को ''औरंगजेब फैन क्लब'' कह कर उसकी आलोचना की थी और आरोप लगाया था कि ठाकरे इस क्लब के नेता हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कोचिंग इन्स्टिट्यूट्स की बढ़ती संख्या के लिए नीति बनाई जाए'

-सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3अगस्त। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि भारत में तेजी से बढ़ते हुए कोचिंग संस्थानों के लिए एक समग्र नीति समाधान लाने की जरूरत है और कहा पाठ्यक्रम की समीक्षा की जानी चाहिए तथा सभी परीक्षा आयोजकों के पास अधिक संसाधनों की आवश्यकता है और शिक्षा गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए निवेश की जरूरत है।

- **कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि वर्ष 2019 से 2024 के बीच कोचिंग संस्थाओं से होने वाली जी.एस.टी. वसूली 2,241 करोड़ रूपए से बढ़कर 5,517 करोड़ रूपए हो गई है। कोचिंग इन्स्टिट्यूट्स की बढ़ती संख्या के समाधान की जरूरत है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट के ''कोटा में कोटा'' देने वाले निर्णय से राजनैतिक वातावरण बहुत गर्माया

कुछ लोग कह रहे हैं कि इससे आरक्षण के माध्यम से सोशल जस्टिस करने के प्रयास पर प्रश्न चिन्ह लग जाता है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3अगस्त। सर्वोच्च न्यायालय का वह निर्णय, जिसमें राज्यों को यह अनुमति दे दी गई है कि वे अनुसूचि जाति एवं अनुसूचित जनजाति की आरक्षित श्रेणियों में ''कोटा के अन्दर कोटा'' निर्धारित कर सकते हैं, ने एक बवाल खड़ा कर दिया है। एन.डी.ए. के दो घटक दलों ने इस सम्बन्ध में अपनी चिन्ताएं व्यक्त कर दी हैं। केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान ने घोषणा कर दी है कि उनकी लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) इस निर्णय पर पुनर्विचार के लिये सर्वोच्च न्यायालय में अपील करेगी। आर.पी.आई. नेता रामदास अठावले ने भी एस.सी./एस.टी. में क्रीमी लेयर की शर्त को लागू करने की कोशिशों का विरोध किया है। अठावले भी केन्द्रीय मंत्री है।

सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले को पसन्द करने वाले लोगों का कहना है कि क्रीमी लेयर को चिन्हित करके उसे आरक्षण से बाहर करने के दरवाजे खुल जाने से सामाजिक न्याय की मौजूदा नीतियों को एकदम सटीक बनाने के रास्ते की लम्बे समय से चली आ रही बाधायें दूर हो गई हैं। इससे भिन्न एक विचार यह है कि सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय के परिणाम स्वरूप, एस.सी. और एस.टी. श्रेणियों के बीच एक राजनैतिक लड़ाई जन्म लेगी तथा एस.सी./एस.टी. के नौकरी में गारन्टीड आरक्षण राजनैतिक हितों की सनकों पर निर्भर हो जायेगा। एक ताकतवर विचार यह भी है कि इस आदेश के चलते, आरक्षण को पूरी तरह खत्म करने की प्रक्रिया की दिशा में एक शुरुआत हो जायेगी।

- **''कोटा में कोटा'' देने की शुरुआत सबसे पहले बिहार में नीतीश कुमार ने की थी, जब उन्होंने दलितों में ''महादलित'' वर्ग चिन्हित किया था।**
- **एन.डी.ए. के दो घटक दलों के नेताओं, चिराग पासवान और रामदास अठावले ने इस फैसले का विरोध किया व सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करने की बात कही है। चिराग का कहना है कि सदियों से छूआछूत झेल रही जातियों के उत्थान का उद्देश्य इससे पूरा नहीं होगा।**
- **सुप्रीम कोर्ट के फैसले का समर्थन करने वाले वर्ग का कहना है कि इससे सामाजिक हकदारों को सामाजिक न्याय उपलब्ध कराने की राह में जो भी बाधाएं हैं, सब दूर हो जाएंगी, क्योंकि क्रीमी लेयर आरक्षण से बाहर हो जाएगी और वास्तविक जरूरतमंद को ही आरक्षण को लाभ मिलेगा।**

प्रसंगवश बता दें कि सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा अपनाई गई प्रतिक्रियाओं के अनुरूप हैं। नीतीश कुमार ने ''महादलित'' श्रेणी को चिन्हित करके, उसे दलित श्रेणी की तुलना में सकारात्मक कार्यवाही का कहीं ज्यादा पात्र बताया था। किन्तु कुछ पर्यवेक्षकों का विचार है कि इन मुद्दों का सम्बन्ध केवल नौकरी से ही नहीं है। ऐसा कहा जा रहा है कि इस फैसले के बाद, राज्य सरकारों के लिये यह सम्भव हो सकता है कि वे ''सफाई कर्मचारी'' वाली जातियों को क्रीमी लेयर श्रेणी में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

21 साल से कम उम्र और 40 फीसदी से कम अंक वालों की नियुक्ति पर रोक

जयपुर, 3 अगस्त (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने कनिष्ठ लेखाकार और तहसील राजस्व लेखाकार भर्ती-2023 में उन अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने पर रोक लगा दी है, जिनकी उम्र एक जनवरी, 2024 को 21 साल से कम थी। इसके अलावा आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को छोडकर उन अभ्यर्थियों को भी नियुक्ति नहीं देने को कहा है, जिनके भर्ती की लिखित परीक्षा में चालीस फीसदी से कम अंक हैं। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में प्रमुख

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने कनिष्ठ लेखाकार और तहसील राजस्व लेखाकार भर्ती 2023 के संबंध में दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए यह फैसला दिया।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पश्चिमी देशों में भारतीय मूल के जाने-माने राजनीतिज्ञ, भारत के लिये खास मददगार साबित नहीं होते!

वे सदा भारी दबाव में रहते हैं, अपने नये ''घर'' (नये देश) के प्रति अपनी वफादारी साबित करते रहें और इस जिम्मेवारी में दबे हुए वे सबसे पहले अपने पुराने देश (मातृभूमि) के हितों का बलिदान करते रहते हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 अगस्त। विदेशों में भारतीय मूल के राजनेताओं के उदय से वहां के भारतीय समुदाय के प्रभाव और सफलता का पता चलता है, लेकिन यह भारत को आवश्यक लाभ नहीं पहुंचाता। ये नेता अपने राजनीतिक सिस्टम के भीतर ही काम करते हैं और अपने नए देश के हितों को ही प्राथमिकता देते हैं। अपनी दोहरी पहचान के कारण इन नेताओं पर कड़ी नज़र रहती है, इसलिए ये भारतीय हितों की अपेक्षा अपने गृहीत देश की नीतियों का अधिक अनुसरण करने के बाद अपना रूख तय करते हैं।

कमला हैरिस का अमेरिका के उपराष्ट्रपति पद तक आरोहण और अमेरिका के आगामी राष्ट्रपति चुनाव में डॉनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ उनका डैमोक्रेटिक पार्टी का प्रत्याशी बनना एक ऐतिहासिक क्षण है, जिसका भारतीय और भारतीय अमेरिकन, दोनों जश्न मना रहे हैं। भारतीय मां की पुत्री होने के नाते अमेरिका की राजनीति में उनकी यह उपलब्धि भारतीय अमेरिकियों के लिए एक मील का पत्थर है। तथापि, डैमोक्रेटिक पार्टी के प्रगतिशील एजेण्डे के कारण बनी उनकी राजनीतिक स्थिति प्राय: भारतीय हितों के अनुकूल नहीं रही है।

उदाहरण के तौर पर, हैरिस की भतीजी मीना हैरिस ने भारत के कृषि कानूनों की आलोचना कर एक कूटनीतिक मुद्दा छेड़ दिया। सोशल मीडिया पर उनकी अलंकारिक भाषा, जिसका उद्देश्य संभवत: प्रगतिशील लोगों का समर्थन जुटाना था, ने उन लोगों को आलोचना की सामग्री प्रदान कर दी ,जो भारत में सुधारों का विरोध कर रहे थे। यहां तक कि अमेरिका की सरकार ने भी उक्त सुधारों का समर्थन किया था। इससे समझ में आता है कि उनके बयान को कमला हैरिस की स्वीकृति थी।

पश्चिमी देशों में भारतीय मूल के राजनेता अपने गृहीत देशों के हितों को नैसर्गिक रूप से प्राथमिकता देते हैं। आज के ध्रुवीकृत वैश्विक राजनीतिक माहौल में, वे अपने नए देशों के प्रति अपनी निष्ठा को साबित करने के लिए प्राय: स्वयं को बाध्य महसूस करते हैं और कभी-कभी तो ऐसा भारत के हितों की कीमत पर होता है। इसका एक उल्लेखनीय उदाहरण है, अमेरिकी कांग्रेस की प्रमिला जयपाल द्वारा कश्मीर से धारा 370 हटाने के बाद व्यक्त किए गए विचार। भारत की

- **उदाहरण के लिये, आर्टिकल 370 को सस्पैंड करने के बाद, जब हिन्दुस्तान ने इन्टरनैट पर प्रतिबंध लगाया था, आंतकवादियों को संगठित होकर वारदातें करने से रोकने के लिये, तब अमेरिका की जानी-मानी भारतीय मूल की कांग्रेस मैन प्रमिला जयपाल ने वहाँ की संसद में प्रस्ताव पारित कराने की कोशिश की भारत के खिलाफ। शायद उनका मकसद अमेरिका के विदेश मंत्रालय को ''इम्प्रैस'' करना था।**
- **इसी तरह का आचरण निक्की हैली, प्रीत भरारा, बॉबी जिंदल व सुएला ब्रोवरमैन का रहा है। बॉबी जिंदल, पहले भारतीय-अमेरिकी थे, जो अमेरिका में गवर्नर बने, अपनी भारतीय विरासत से दूरी बनाकर, ईसाई धर्म अपनाया, अपनी अमेरिकी पहचान को और मजबूत करने के लिए और इसका उन्हें राजनीतिक लाभ भी मिला, रिपब्लिकन पार्टी में जल्दी से जल्दी एक के बाद एक उच्च पद व जिम्मेवारी पाने में।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'मृत कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति क्यों नहीं'

जयपुर, 3 अगस्त (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने शिक्षा विभाग के अधीन कार्यरत रहे कर्मचारियों के निधन के बाद उनके आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति नहीं देने के दो अलग-अलग मामलों में प्रमुख शिक्षा सचिव और माध्यमिक शिक्षा निदेशक सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश जितेन्द्र गुर्जर व राहुल गुप्ता की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

- **हाई कोर्ट ने शिक्षा विभाग में कार्यरत कर्मचारियों की मृत्यु के बाद आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति नहीं देने के दो मामलों में प्रमुख शिक्षा सचिव व माध्यमिक शिक्षा निदेशक को नोटिस जारी किये।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

धैर्य कड़वा होता है, पर उसका फल मीठा होता है। –रूसो

आयुर्वेदोक्त भोजन से जरा-व्याधि-मुक्त भारत की परिकल्पना साकार हो सकती है

आयुर्वेद में आहार का विज्ञान बहुत विशाल है जो, रसायन और औषधियों के साथ मिलकर, हमें स्वस्थ रखने और रोगों को दूर करने में मदद करता है। आधुनिक वैज्ञानिक शोध से अब यह बात स्पष्ट हो चुकी है कि शरीर में फ्री-रेडिकल्स के बढ़ने से होने वाला ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, यह दो बाते हैं जो अंततः मानव शरीर के नाश का कारण बनती हैं। अतः यदि इन दोनों को नियंत्रित कर लें तो जरा व्याधि से मुक्ति मिल सकती है। शोध से यह भी सिद्ध हो चुका है कि आयुर्वेद-सम्मत भोजन और रसायन यही दोनों काम-एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटीइन्फ्लेमेटोरी कार्य-बेहद मज़बूत तरीके से करते हैं।

वर्ष 2016 का चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार जापानी जीवविज्ञानी योशीनोरी ओहसुमी को जिस शोध के लिये मिला है उससे एक संभावना और उभरी है कि आयुर्वेदोक्त भोजन और रसायन, ऑटोफैगी नामक प्रक्रिया को बढ़ावा देने का कार्य भी करते हैं। ऑटोफैगी एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें हमारे शरीर की कोशिकायें स्वयं को खाकर द्रव्यों का पुनर्चक्रण कर लेती हैं। इस प्रक्रिया के बाधित होने पर पार्किनसन और मधुमेह जैसी बीमारियां हो सकती हैं। ऑटोफैगी एक मौलिक प्रक्रिया है जिसका हमारे स्वास्थ्य एवं बीमारियों के सन्दर्भ में महत्वपूर्ण स्थान है।

महर्षि चरक के अनुसार आयुर्वेद के दो मूल उद्देश्य हैं (च.सं., सू.स्था., 30.26): स्वस्थस्य स्वास्थ्यरक्षणम् आतुरस्य विकारप्रशमनम्। अर्थात, स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और पीड़ित व्यक्ति के विकार का शमन। आचार्य सुश्रुत द्वारा दी गयी स्वास्थ्य की परिभाषा के अनुरूप उपयुक्त आहार हमारे शरीर के दोष, अग्नि, धातु, व मलक्रिया को सम करता है एवं प्रसन्नता प्रदान करता है: समदोषः समाग्निश्च समधातु मलक्रियः। प्रसन्नात्मेन्द्रियमनाः स्वस्थइत्यभिधीयते।। (सु.सं.,सू.स्था.,15.41)। जिस व्यक्ति के दोष, अग्नि, धातु, और मल-त्याग सन्तुलित हों, इन्द्रिय, आत्मा एवं मन प्रसन्न हो, वही स्वस्थ कहलाता है। आहार से संतुष्टि, तत्क्षण शक्ति, और संबल मिलता है, तथा आयु, तेज, उत्साह, याददाश्त, ओज, एवं पाचन में वृद्धि होती है: आहारः प्रीणनः सद्योबलकृद्देहधारकः। आयुस्तेजःसमुत्साहस्मृत्योजोऽग्निविवर्द्धनः।। (सु.सं., चि.स्था. 24.68)।

यहाँ भोजन से प्राप्त होने वाला ओज जीने के लिये बहुत महत्वपूर्ण है, जैसा कि आचार्य चरक ने लिखा है (च.सं., सू.स्था., 17.73-74): बिभेति दुर्बलोऽभीक्ष्णं ध्यायति व्यथितेन्द्रियः। दुश्छायो दुर्मना रूक्षः क्षामश्चैवौजसः क्षये।। हृदि तिष्ठित यच्छुद्धं रक्तमीषत्सपीतकम्। ओजः शरीरे संख्यातं तन्नाशान्ना विनश्यति।। सार यह है कि ओजस के क्षय हो जाने से भय, दुर्बलता, चिंता, अकर्मण्यता, पीड़ा, निरुत्साह, निस्तेज इन्द्रियाँ, शरीर की चमक में फीकापन, मन में दुःख, चेहरे में शुष्कता, और दमदार आवाज में कमी आ जाती है। ओजस हृदय में पाया जाता है और ओजस का नाश होने से शरीर विनष्ट हो जाता है। तथाकथित-व्यंजनों के नाम पर बाज़ार में उपलब्ध कचरा-भोजन या जंक-फूडके भरोसे ओजस का सत्यानाश हो रहा है। साफ़ बात यह है कि यदि हम आयुर्वेद में दी गयी सलाह के अनुसार अपना भोजन लें तो ओजस को नष्ट होने और अंततः शरीर को नष्ट होने से बचा सकते हैं। इस दिशा में सात बातें महत्वपूर्ण हैं।

सबसे पहली बात यह है कि भोजन करने के पूर्व शरीर के समस्त आवेग शान्त हों। मन प्रसन्न व निर्मल हो। अपने स्वाभाविक भोजन-समय से बहुत पहले या बाद में भोजन करना अनुचित रहता है। रात में भोजन नहीं करना चाहिये। आधुनिक विज्ञान में हुये शोध, अनुभवजन्य ज्ञान एवं शास्त्रोक्त विचारों को एकीकृत करते हुये वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यह मान लेना उचित होगा कि ग्रीष्मकाल में रात्रि 8.00 बजे, शरदऋृतु में 7.00 बजे एवं वर्षा ऋृतु में सूर्यास्त के पूर्व ही भोजन करना हितकारी होगा। यथासंभव जमीन पर सुखासन या पालथी लगा कर, अपनों के साथ, प्रसन्न मन से संतुलित, पोषक और स्वादिष्ट भोजन करने का अपना आनंद है।

दूसरी बात यह है कि भोजन हितकारी, पोषक और संतुलित हो तथा अपनी पाचन शक्ति को देखते हुये ही ग्रहण किया जाये। भोजन में छः रसों—मधुर, अम्ल, लवण, कटु, तिक्त, व कसाय-का होना आवश्यक है। आहार की मात्रा व प्रकार, और इन दोनों के संदर्भ में शरीर की क्षमता, ये तीनों बहुत महत्वपूर्ण संकेतक हैं। उदाहरण के लिये, शालि व साठी चावल, मूंग आदि भले ही शीघ्र पचने वाले होते हैं परंतु इन्हें भी ठूँस-ठूँस कर खा लिया जाये तो पाचन में कठिनाई होती है। इसके विपरीत रोटी, पूड़ी, हलवा, गुड़, चीनी, दूध से बनी रबड़ी, खोवा, तिल, उड़द आदि स्वभाव से गरिष्ठ होते हैं, किन्तु समुचित या अल्प मात्रा में ग्रहण करने पर यह भी पच जाते हैं। लघु या हलके तथा सुपाच्य खाद्य पदार्थ वायु व अग्नि गुण प्रधान होने के कारण पाचकाग्नि को प्रदीप्त करने वाले स्वभाव के होते हैं और इन्हें तृप्तिपूर्वक खा लेने पर भी बहुत अधिक दोष उत्पन्न नहीं होते। किंतु गुरू या गरिष्ठ द्रव्य पृथ्वी तथा सोम गुण की अधिकता होने के कारण अग्नि को उदीप्त नहीं कर पाते, अतः जब तक कठोर व्यायाम से अग्नि-बल बढ़ा न लिया गया हो, तब तक इन्हें तृप्तिपूर्वक खाते ही दोष खड़े होने लगते हैं। अतः गरिष्ठ भोजन खाने से पूर्व अपने अग्नि-बल की हैसियत का खयाल रख लेना चाहिये। आचार्य चरक ने कहा है कि गरिष्ठ भोजन को पेट के आधे भाग की तृप्ति तक ही लेना चाहिये। लघु पदार्थों को भी उचित मात्रा में ही खाना चाहिये, क्योंकि समुचित मात्रा में किया गया भोजन ही हमें बल, वर्ण, सुख तथा आयु प्रदान करता है। पीठी की तरह गूंथे गये आटे व उड़द आदि की पीठी से बना हुआ भोजन भी गरिष्ठ होता है। अतः भोजन करने के पश्चात् पीठी से निर्मित व्यंजन, चावल या चेवड़ा आदि को अत्यल्प मात्रा में ही खाना चाहिये। असल में बहुत तेज भूखे होने पर ही इस प्रकार के खाद्य पदार्थों का लेना उचित रहता है। सुखाई हुई सब्जियाँ, कमल की जड़, कमल की नाल आदि भी गुरू द्रव्य हैं, अतः इनका सेवन भी निरंतर नहीं करना चाहिये। दही या छाछ के साथ दूध को पका कर या फटे हुये दूध से बनाये गये बनाये गये व्यंजन एवं छैना, दही, उड़द, ज़ई आदि को भी लगातार प्रतिदिन नहीं खाना चाहिये।

आयुर्वेदोक्त भोजन और रसायन, ऑटोफैगी नामक प्रक्रिया को बढ़ावा देने का कार्य भी करते हैं। ऑटोफैगी एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें हमारे शरीर की कोशिकायें स्वयं को खाकर द्रव्यों का पुनर्चक्रण कर लेती हैं। इस प्रक्रिया के बाधित होने पर पार्किनसन और मधुमेह जैसी बीमारियां हो सकती हैं। ऑटोफैगी एक मौलिक प्रक्रिया है जिसका हमारे स्वास्थ्य एवं बीमारियों के सन्दर्भ में महत्वपूर्ण स्थान है।

तीसरी बात यह है कि आयुर्वेद में भोजन व्यक्ति-व्यक्ति की स्थिति, प्रकृति, एवं ऋृतुओं के आधार पर तय होता है। उदाहरण के लिये, सूखे मेवे, आलू, टमाटर, सेब, मटर, चना आदि वात को कुपित करते हैं, इसलिये वात प्रकृति के लोगों को इन पदार्थों को कभी-कभार ही लेना चाहये। जबकि मीठे फल, जैसे अंगूर, केला, संतरा, नारियल, व लाल चावल वात प्रकृति के लोगों के लिये लाभकारी हैं। इसी प्रकार अधिक मसालेदार भोजन, मूंगफली का तेल, खट्टे फल, केला, पपीता, टमाटर, लहसुन आदि पित्त दोष को कुपित करते हैं। जबकि, आम, संतरा, नाशपाती, हरी सलाद आदि पित्त दोष को शान्त करते हैं। इसी प्रकार केला, नारियल, खजूर, पपीता, अनन्नास व विभिन्न दुग्ध-उत्पाद कफ को कुपित करते हैं, जबकि सूखे मेवे, अनार, सफ़ेद चावल, अंकुरित अनाज आदि कफ प्रकृति के लोगों के लिये उपयोगी रहते हैं।

चौथी बात, शालिधान्य, गेहूं, जौ, साठी चावल, वनों में मिलने वाले खाद्य, हरड़, आमला, दाख-मुनक्का, परवल, मूंग, खांड, घी, वर्षा का स्वच्छ जल, दूध, मधु, अनार, सैन्धव लवण, और आँखों की ताक़त बढ़ाने के लिये रात में मधु और घी के साथ त्रिफला का सेवन किया जाना चाहिये। इसके साथ ही स्वास्थ्य की रक्षा के लिये या रोगों से मुक्ति के लिये जो भी उपयोगी आहार हो उसे लिया जा सकता है। अनुभव के अनुसार जिन पदार्थों के सेवन से स्वास्थ्य ना बिगड़े या कोई नया रोग उत्पन्न नहीं हो, उन्हें खाया जा सकता है। नियमित भोजन में ऐसे द्रव्यों को भी थोड़ी मात्रा में शामिल किया जा सकता है जो आहार, रसायन और औषधि, तीनों ही प्रकारों में वर्गीकृत हैं। विविध प्रकार व विविध रंगों के स्थानीय मौसमी फल, खजूर, द्राक्षा, मुनक्का, बादाम, तिल, आँवला, लहसुन, सोंठ, कालीमिर्च, पिपली, हल्दी, केसर, जीरा, धनिया, शहद, गुड़, एवं त्रिफला आदि ऐसे द्रव्य हैं जिनका थोड़ा सेवन उपयोगी रहता है। वर्षा से संग्रहित किया हुआ साफ जल ही सबसे उत्तम माना जाता है। भोजन के अंत में पानी पीना हानिकारक है। जरूरी हो तो अत्यल्प मात्रा में ही लेना चाहिये।

पांचवीं बात यह है कि कुछ खाद्य पदार्थ पकाने के बाद देर तक रख देने पर, बासी हो जाने पर या स्वरुप बदल जाने के बाद नहीं खाए जाने चाहिये। सूची तो बड़ी लम्बी है, पर सारांश में देखें तो ठंडा होने पर पुनः गर्म किया हुआ भोजन, सूख जाने के बाद पानी मिलाकर पुनः गीला किया हुआ भोजन, व कांसे के पात्र में कई दिनों तक रखा हुआ घी नहीं खाना चाहिये। अधपका, दुर्गन्धयुक्त, जला हुआ, स्वाभाविक रंग से भिन्न या रंग बदला हुये, पानी छोड़ चुके, बहुत नमक-युक्त, या बार-बार गरम किया हुआ बासी भोजन खाना हानिकारक है। गरम की हुई शहद, या शहद लेने के बाद गरम पानी पीना, रात्रि में दही या अधिक मिठाई, भोजन के अंत में मीठा और शुरुआत में तिक्त और कटु पदार्थ, गर्म पेय के तुरंत बाद ठंडा जल वर्जित हैं।

छठी बात यह है कि कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे भी हैं जो प्रायः एक दूसरे के साथ नहीं चलते। दही व छाछ के साथ केला; नमक के साथ दूध; गुड, पिप्पली, शहद व कालीमिर्च के साथ पूड़ी; उड़द की दाल के साथ मूली; दही व दूध के साथ मूली; बासी या सूखी मूली; खट्टे फलों के साथ दूध; खीर, खोया, मलाई, व दूध के साथ खिचड़ी और अल्कोहल; खीर के साथ छाछ; दही के साथ खजूर; कमल-ककड़ी के साथ अंकुरित अनाज; शहद के साथ खजूर और दारू; और बराबर मात्रा में घी को शहद के साथ, या शहद, घी, वसा, तेल और जल को एक साथ मिलाकर नहीं खाना चाहिये। शोध में पाया गया है कि ग्रीन चाय के साथ दूध, चाय के साथ लहसुन, अनार-रस के साथ अंगूर-रस, हरे टमाटर और आलू के साथ अल्कोहल नहीं लेना चाहिये।

और अंत में, आयुर्वेद के इतिहास में 5000 वर्षों के दौरान लिखे किये गये अनेकानेक ग्रंथों को खंगाल डालने पर कहीं भी पिज्ज़ादिवर्ग, बर्गरादिवर्ग, कुर्कुरादिवर्ग, फिंगरचिप्सादिवर्ग, या मैग्यादिवर्ग जैसे आहार द्रव्यों का वर्णन नहीं प्राप्त होता। अतः आयुर्वेद के जन्मदाता समाज के मध्य इनका उपयोग वर्ष में एकाध दो बार स्वाद बदलने के लिये ही किया जाना हितकारी हो सकता है!

–अतिथि संपादक
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

खाद्य मिलावट के जहर से स्वास्थ्य पर कहर

अविनाश जोशी

खाद्य पदार्थों में मिलावट एक गंभीर मुद्दा है जो पीढ़ियों से हमारे भोजन की गुणवत्ता और सुरक्षा को प्रभावित कर रहा है। अब समय आ गया है कि इस प्रथा को समाप्त किया जाए और मांग की जाए कि हमारा भोजन हानिकारक प्रदार्थो से मुक्त हो। पिछले एक दशक में, दुनिया के विभिन्न हिस्सों में खाद्य पदार्थों में मिलावट के मामलों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

खाद्य अपमिश्रण से आखों की रोशनी जाना, हृदय संबन्धित रोग, लीवर खराब होना, कुष्ठ रोग, आहार तंत्र के रोग, पक्षाघात व कैंसर जैसे हो सकते हैं। अनेक स्वार्थी उत्पादक एवं व्यापारी कम समय में अधिक लाभ कमाने के लिए खाद्य सामाठी में अनेक सस्ते अवयवों की मिलावट करते हैं, जो हमारे शरीर पर दुष्प्रभाव डालते हैं। नए रोगों के चलते डाक्टरों के यहां लगी रोगियों की लंबी कतारें काफी हद तक मिलावटी खाद्य पदार्थों का ही नतीजा हैं। सबसे विकट स्थिति उपभोक्ता के सामने होती है, जो ज्यादातर मामलों में असली सामान की पहचान करने की सलाहियत नहीं रखते।

हम सब अपने खाने-पीने को लेकर इतने सजग होते हैं कि भोजन में जरा भी गड़बड़ होने पर उसे छोड़ देना बेहतर समझते हैं। मगर इस बात का पता शायद ही हमें कभी चल पाता है कि बाजार में जितने भी खाद्य पदार्थ मिल रहे हैं, उनमें कितने मिलावटी हैं और वे हमारे शरीर को कितना नुकसान पहुंचा रहे हैं। मगर इस बीच आम लोगों के बीच मिलावटी खाद्य पदार्थों को लेकर थोड़ी जागरूकता बढ़ी है।

भारत सरकार ने खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम सहित कई कानून बनाकर इस मुद्दे की गंभीरता को स्वीकार किया है। हालाँकि, खाद्य अपमिश्रण की प्रकृति हर राज्य में अलग-अलग होती है, और बदलते पर्यावरणीय कारकों या बेहतर उत्पादन और खेती के तरीकों के परिणामस्वरूप नए मिलावटखोर पैदा हो सकते हैं। सामान्यतः बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों में मिलावट का संशय बना रहता है। दालें, अनाज, दूध, मसाले, घी से लेकर सब्जी व फल तक कोई भी खाद्य पदार्थ मिलावट से अछूता नहीं है। आज मिलावट का सबसे अधिक कुप्रभाव हमारी रोजमर्रा के जीवन में प्रयोग होने वाली जरूरत की वस्तुओं पर ही पड़ रहा है। शरीर के पोषण के लिए हमें खाद्य पदार्थों की प्रतिदिन आवश्यकता होती है। शरीर को स्वस्थ रखने हेतु प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन तथा खनिज लवण आदि की पर्याप्त मात्रा को आहार में शामिल करना आवश्यक है तथा ये सभी पोषक तत्व संतुलित आहार से ही प्राप्त किये जा सकते हैं। यह तभी संभव है, जब बाजार में मिलने वाली खाद्य सामठी, दालें, अनाज, दुग्ध उत्पाद, मसाले, तेल इत्यादि मिलावट रहित हों। खाद्य अपमिश्रण से उत्पाद की गुणवत्ता काफी कम हो जाती है। खाद्य पदार्थों में सस्ते रंग इत्यादि की मिलावट करने से उत्पाद तो आकर्षक दिखने लगता है, परंतु पोषकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिससे ये स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं।

अब से तीन दशक पहले सुनने को मिलता था कि दूध सिंथेटिक हो सकता है। मगर काफी समय से यह यूरिया, अन्य रसायनों आदि के प्रस्ताव के बाद और जाने क्या-क्या मिलाकर तैयार किया जा रहा है। पनीर, केमिकल और पानी से और मावा मिल्क पाउडर से तैयार किया जा रहा है। हल्दी, लाल मिर्च, धनिया हींग, जीरा, काली मिर्च, सरसों का तेल, रिफाइंड तेल इसके अलावा अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट की खबरें आम हो गई हैं, मगर इस पर नजर रखने वाले महकमे शायद तब तक नींद में रहते हैं, जब तक कोई बड़ी घटना सामने नहीं आ जाते है या फिर उसके बारे में लोगों को पता नहीं चल जाता।

मुश्किल यह है कि अगर कभी जांच-पड़ताल होती है और जिन दुकानदारों के खाद्य पदार्थों के नमूने फेल होते हैं, उनके मामले निचले स्तर के अधिकारियों या अदालतों में जाते हैं, जहां मामूली प्रक्रिया अपनाने के बाद उन्हें और बख्श दिया जाता है। जबकि केवल नकली मावे को ही देखें तो देश के कुछ इलाकों में यह कुटीर उद्योग का रूप ले चुका है।ऐसे कारोबारियों से केवल जुर्माना लेकर छोड़ देने से अब स्थिति संभलने वाली नहीं है। दरअसल, कड़ी कार्रवाई की जरूरत इसलिए भी है कि मिलावटी खाद्य पदार्थ को खाने की वजह से किसी व्यक्ति की सेहत खराब हो जा सकती है, बल्कि स्थिति बिगड़ने से मौत भी हो सकती है। इसलिए अगर मिलावटखोरों के खिलाफ हत्या के प्रयास से संबंधित कानूनी धारा का इस्तेमाल करने की मांग की जाती है तो इसमें कोई हैरानी बात नहीं है।

सामान्य रूप से किसी खाद्य पदार्थ में कोई बाहरी तत्व मिला दिया जाए या उसमें से कोई मूल्यवान पोषक तत्व निकाल लिया जाए या भोज्य पदार्थ को अनुचित ढंग से संग्रहीत किया जाए तो उसकी गुणवत्ता में कमी आ जाती है। इसलिए उस खाद्य सामग्री या भोज्य पदार्थ को मिलावटयुक्त कहा जाएगा। भारत सरकार द्वारा खाद्य सामग्री की मिलावट की रोकथाम तथा उपभोक्ताओं को शुद्ध आहार उपलब्ध कराने के लिए सन् 1954 में खाद्य अपमिश्रण अधिनियम (पीएफए एक्ट 1954) लागू किया गया। उपभोक्ताओं के लिए शुद्ध खाद्य पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित करना स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की जिम्मेदारी है। इसको ध्यान में रखते हुए उपरोक्त खाद्य अपमिश्रण रोकथाम अधिनियम बनाया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य जहरीले एवं हानिकारक खाद्य पदार्थों से जनता की रक्षा करना,घटिया खाद्य पदार्थों की बिक्री की रोकथाम एवम धोखाधड़ी प्रथा को नष्ट करके उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना।

जब से कुछ लोगों ने इस पर गौर करना शुरू किया है, तब से कई हकीकतें उजागर होने लगी हैं। मिलावटखोरों ने ऐसे हालात पैदा कर दिए हैं कि सही माल बेचने वाले दुकानदारों को भी लोग अब शक की नजर से देखने लगे हैं। हालांकि मिलावटखोर केवल खाद्य पदार्थों में ही नहीं, अन्य सामानों की ओर भी अपने पैर फैला चुके हैं। हैरानी की बात यह है कि जब कभी कोई मामला सामने आता है, उसके बावजूद सरकार इस काम में लगे लोगों के खिलाफ सख्त कदम नहीं उठाती। जबकि जरूरत सख्त कार्रवाई करने की है।यों हमारे आसपास हर रोज दुकानदार से लेकर किसी खाद्य पदार्थ का कारोबार करने वाले लोगों को मिलावटी सामान बेचने में जरा भी हिचक नहीं होती कि इसका इस्तेमाल करने वाले लोगों की सेहत पर इसका क्या असर पड़ेगा! मसलन, रोजमर्रा के इस्तेमाल में आने वाले दूध की गुणवत्ता को लेकर अक्सर खबरें आती रहती हैं कि इसके सेवन से घातक रोग हो सकते हैं।

अव्वल तो इसे लेकर प्रशासन गंभीर नहीं होता और जब कभी संबंधित महकमों के लोग मिलावट की गतिविधियों में लगे लोगों को पकड़ते हैं, तब भी कोई बड़ी और याद रखने वाली कार्रवाई नहीं होती। फिर कुछ दिनों बाद ऐसा धंधा करने वाले कारोबारी बेफिक्र अपना कारोबार चलाते रहते हैं। किसी पर्व-त्योहार के मौके पर बाजार में खुले तौर पर मिलावटी सामान बिकते रहते हैं, मगर कोई ऐसा तंत्र नहीं दिखता जो इन पर लगाम लगा सके।कभी शिकायत होने पर या औचक निरीक्षण में ऐसे लोग पकड़े भी जाते हैं तो कार्रवाई किसी ठोस अंजाम तक नहीं पहुंचता, ताकि अन्य लोग मिलावटी खाद्य पदार्थ न बेचें। एक ओर खाद्य पदार्थों में मिलावट कई बार सेहत पर गहरा जोखिम पैदा करता है, दूसरी ओर खाद से लेकर आम उपयोग के ज्यादातर सामानों के नकली संस्करण बाजार में मौजूद होते हैं। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि नवजात शिशु दूध भी शुद्ध पी रहा है, इसकी कोई गारंटी नहीं है।

व्यापारी वर्ग की भी जिम्मेदारी है कि वे उपभोक्ताओं के जीवन का खयाल रखने के लिए शुद्ध सामग्री की बिक्री करें। मिलावटखोरों के खिलाफ अगर खुद कारोबारियों की ओर से ही आवाज उठेगी, तब लोगों का भरोसा भी बाजार पर बढ़ेगा। अगर कारोबार-जगत से इस मसले पर सहयोग मिलता है और वे मिलावट के विरुद्ध ठोस जमीन तैयार करा पाते हैं, तो यह एक अच्छी बात होगी।

–अविनाश जोशी,
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

अजीतगढ़ किले की दीवार गिरने का मंडराया खतरा, दरकने लगे दीवारों के पत्थर

तलवास के जागरुक युवाओं ने दीवारों के दरकते पत्थरों और पर्यटकों की सुरक्षा पर चिंता जताई

बून्दी, (निसं)। तलवास के ऐतिहासिक अजीतगढ़ किले के मुख्य दरवाजे की दीवार गिरने का खतरा मंडराने लगा है। तलवास के जागरुक युवाओं ने दीवारों के दरकते पत्थरों और आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि वन विभाग द्वारा ट्रैकिंग के लिए बनाए गए कच्चे रास्ते का निर्माण किले के मुख्य दरवाजे से होकर न किया जाकर प्राचीन पत्थर के परकोटे से होकर किया गया है।

युवाओं ने बताया कि ट्रैकिंग हेतु कच्चे रास्ते के निर्माण करते समय लापरवाही पूर्वक जेसीबी के किए गए उपयोग से किले की दीवार की जड़ें न सिर्फ कमजोर हुई हैं अपितु मशीन के कंपन से दीवारों के कमजोर होने से इसके गिरने का खतरा बढ़ गया है। इन्होंने कहा कि ट्रैकिंग रूट में मुख्य दरवाजे का उपयोग नहीं होने से यह ऐतिहासिक दरवाजा भी अनुपयोगी हो गया है।

तलवास के युवा सूर्यकुमार पंचौली, सांवरा बिहारी जोशी, शम्भू बाबरिया, मुरली नागर, चंद्रशेखर तिवाडी, ऐश्वर्य शर्मा, अक्षय शर्मा, शिवम, आनंद शर्मा, देवराज गोचर ने बारिश में पानी के रिसाव व बहाव के कारण होने वाले हादसे की संभावना जताते हुए इस पर चिंता जताई और जिला कलेक्टर सहित वन विभाग के उच्चाधिकारियों से जल्द से जल्द इस विषय पर आवश्यक रूप से ठोस कार्यवाही करने की माँग की है। इन्होंने कहा कि बारिश में पानी के रिसाव व बहाव के कारण होने वाले किसी भी हादसे की सम्पूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन सहित वन विभाग के सभी अधिकारियों की होगी।

आरवीआईआर के उप क्षेत्र निदेशक संजीव शर्मा ने बताया कि पूर्व में भी ट्रैकिंग रूट के निर्माण के समय संबंधित रेंजर को किले की दिवार की मरम्मत के प्रस्ताव तैयार करवने को कहा गया था। उनके द्वारा प्रस्ताव भिजवाए जाते उसके पहले ही उनका स्थानान्तरण हो गया। ऐसे में पुनः दीवार की मरममत के प्रस्ताव मंगवाए गए हैं। जल्दी ही बारिश के बाद रिटेनिंग वॉल का निर्माण करवा कर किले की दीवारों की मरममत करवाई जाएगी।

मशीन के कंपन से किले की दीवारों के कमजोर होने से इसके गिरने का खतरा बढ़ गया है।

लावारिस बालक को संप्रेषण गृह भिजवाया

चूरू, (कासं)। चाइल्ड हेल्प लाइन की चूरू टीम ने शनिवार को दिल्ली से बीकानेर जाने वाली एक्सप्रेस सवारी गाड़ी में बिना टिकट और लावारिस हालत में मिले नाबालिग बालक को संप्रेषण गृह भिजवाया।

जिला परियोजना अधिकारी पन्नेसिंह ने बताया कि दिल्ली से बीकानेर जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन में सहायक उप निरीक्षक राजेश कुमार व सुमंत कुमार को गाड़ी को चेक करने के दौरान साधारण कोच में लगभग 14 वर्षीय बालक गुमसुम हालत में बैठा मिला। रेलवे पुलिस प्रभारी ने बालक को रेलवे चौकी लाकर चाइल्ड हेल्प लाइन टीम को सूचना दी। चाइल्ड हेल्पलाइन की चूरू टीम ने रेलवे पुलिस चौकी पहुंचकर बालक को चाइल्ड हेल्प लाइन को सुपुर्द किया। काउंसलर वर्षा कंवर द्वारा बातचीत करने पर बालक ने बताया कि उसका नाम लोकेश डांगी है। वह उदयपुर जिले के आंजना गांव का रहने वाला है। उसके पिता का नाम प्रकाशचंद डांगी व माता का नाम केशर बाई है। बालक ने बताया कि वह दो तीन दिन से स्कूल नहीं जा रहा था। घर से स्कूल बैग और साइकिल लेकर निकल जाता था। यह सूचना स्कूल प्रिंसिपल ने घर वालों को दी तो इस बात का पता चलने पर वह भय के कारण घर से निकल गया।

शिक्षा विभाग की नई व्यवस्था, अब राजस्थान के हर स्कूल की प्रोफाइल बनेगी

बीकानेर, (निसं)। प्रत्येक सरकारी स्कूल की शाला दर्पण पोर्टल पर प्रोफाइल तैयार की जाएगी। इस प्रोफाइल पर स्कूल संबंधित सभी प्रकार के डाटा ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। माध्यमिक शिक्षा निदेशक बीकानेर आशीष मोदी ने सभी सीडीइओ, डीइओ, सीबीईओ व संस्था प्रधानों को एक परिपत्र जारी कर निर्देशित किया है। परिपत्र में शाला दर्पण पोर्टल के डाटा के समुचित उपयोग करने के बाद विद्यालय प्रोफाइल के प्रत्येक भाग में लास्ट अपडेट डाटा आवश्यक रूप से अंकित करने को कहा गया है।

शिक्षा विभाग के अनुसार बेसिक प्रोफाइल के अन्तर्गत विद्यालय का नाम, भौगोलिक जानकारी, माध्यम, बोर्ड मान्यता क्रमांक, लोकसभा, विधानसभा, भौगोलिक सूचना, तृतीय भाषा, संचालित संकाय एवं विषय इत्यादि की सूचना अपलोड करनी होगी। सह शैक्षणिक गतिविधियों के तहत संस्था प्रधान, शाला दर्पण प्रभारी का विवरण सहित विद्यालय में संचालित एनसीसी, गाइड, स्काउट, बुलबुल, मीना मंच, यूथ एवं इको क्लब, बाल संसद के संचालन आदि की जानकारी दर्ज करनी होगी। क्रमोन्नति संबंधित जानकारी में क्रमोन्नति का वर्ष, क्रमोन्नति क्रमांक एवं क्रमोन्नति का माध्यम आदि की जानकारी अपलोड की जाएगी। विद्यालय के पास या अन्य विद्यालयों का विवरण और उसकी दूरी आदि का विवरण भी दर्ज करना होगा।

शिक्षा विभाग श्रीगंगानगर सीडीइओ पन्नालाल कड़ेला ने कहा शिक्षा विभाग अब हर सरकारी स्कूल की शाला दर्पण पोर्टल पर एक प्रोफाइल तैयार करवा रहा है। इसमें हर स्कूल का डाटा मिलेगा। विभाग की गाइड लाइन के अनुसार इस पर कार्य चल रहा है। निकटतम अन्य नागरिक सेवा संस्थानों आदि की सूचना भी दर्ज करनी होगी।

राशिफल रविवार 4 अगस्त, 2024

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, रविवार, विक्रम संवत 2081, पुष्य नक्षत्र दिन 1:26 तक, सिद्धि योग दिन 10:38 तक, नाग करण सायं 4:43 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि और रविपुष्य योग सूर्योदय से दिन 1:26 तक है। आज देव पितृकार्य अमावस्या, हरियाली अमावस्या, चितलगी अमावस्या है। आज सरान माधुरी जयन्ती है और नक्त व्रत आरम्भ होंगे। आज फ्रेंडशिप डे है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:36 से 9:15 तक, लाभ-अमृत 9:15 से 12:33 तक, शुभ 2:14 से 3:51 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:57, सूर्यास्त 7:09

मेष
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

वृष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। नये-पुराने मित्रों से संपर्क हो सकता है और मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मिथुन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कर्क
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

सिंह
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि हो सकती है।

कन्या
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। परिवार में आपसी वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कुंभ
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

महानाट्य 'कुशल वीरांगना रानी दुर्गावती' का मंचन आज

उदयपुर, (कासं)। शिल्पग्राम के दर्पण सभागार में पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर एवं सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में मासिक नाट्य संध्या 'रंगशाला' में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत महानाट्य 'कुशल वीरांगना रानी दुर्गावती' का मंचन रविवार को किया जाएगा।

निदेशक फुरकान खान ने बताया कि माह के प्रथम रविवार को आयोजित होने वाले मासिक नाट्य संध्या रंगशाला के तहत नई दिल्ली से सांस्कृतिक स्त्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा 'कुशल वीरांगना रानी दुर्गावती' महानाट्य प्रस्तुत किया जाएगा। यह महानाट्य महानायिका की 500 वीं जयंती के अवसर पर एक श्रद्धांजलि होगी। इस महानाट्य की संकल्पना एवं निर्देशन डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर, अध्यक्ष सीसीआरटी, निमार्ण प्रमुख राजीव कुमार, निदेशक सीसीआरटी, लेखक जुलेशा सिद्धार्थ, सीसीआरटी अध्येता है। दर्पण सभागार शिल्पग्राम में रविवार सायं 7 बजे होने वाले इस महानाट्य में आमजन का प्रवेश निःशुल्क रहेगा। यह कहानी महान वीरांगना रानी दुर्गावती की है। रानी दुर्गावती ने साहस और कुशल नेतृत्व से मुगल साम्राज्य की ताकत का सामना किया।

आतंकवादी हमले व बंधक बनाने की स्थिति से निपटने का किया पूर्वाभ्यास

उदयपुर, (कासं)। रणनीतिक दूरदर्शिता और तत्परता से हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड जिंक स्मेल्टर देबारी में राजस्थान पुलिस एटीएस के सहयोग से मॉक ड्रिल का आयोजन किया। राजस्थान पुलिस एटीएस उदयपुर के साथ आतंकवादी हमले और बंधकों को छुडाने के लिए जिंक स्मेल्टर देबारी सुरक्षा, बचाव, चिकित्सा और अन्य ईएमआर के साथ संयुक्त मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण अभ्यास में आतंकवादी हमले और बंधक बनाने की स्थिति से निपटने को पूर्वाभ्यास किया गया। इसे जिंक स्मेल्टर देबारी के कर्मियों और प्रमुख हितधारकों की सुरक्षा उपायों और प्रतिक्रियो क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए सावधानीपूर्वक किया गया।

लगभग 2 बजकर 35 मिनट पर अपराधियों द्वारा अचानक सूचना दी गयी कि संयंत्र में आतंवादियों ने घुसपैठ की हैं। इसके बाद वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं वेदांता समूह के मुख्य सुरक्षा अधिकारी गोपाल प्रसाद चैधरी एवं देबारी एसबीयू हेड, अमीत वाली को मुख्य सुरक्षा अधिकारी अनूप के आर ने अंकिता साहू, रितु अरोडा और शिवम तिवारी के साथ संभावित खतरों की विस्तृत जानकारी दी। सीसीटीवी निगरानी के

हिन्दुस्तान जिंक में एटीएस के साथ आतंकवादी हमले और बंधको छुडाने की मॉक ड्रिल की गई।

माध्यम से घुसपैठ का पता चलने पर, नियंत्रण कक्ष ने तेजी से आपातकालीन संचार प्रोटोकॉल सक्रिय किया, सीएसओ और आपातकालीन प्रतिक्रिया दल, ईआरटी को सूचित किया। 2.45 मिनट पर स्थानीय पुलिस को सूचित किया गया, जिन्होंने मामले को एटीएस उदयपुर और अन्य संबंधित एजेंसियों को भेज खुफिया टीम, सीएसओ और पुलिस ने एटीएस को विस्तृत जानकारी दी। सुरक्षा दल ने एटीएस टीम को गंभीर खतरे से अवगत कराया। इसके बाद एटीएस की 20 कमांडो की टीम ने कैलाश और भानु प्रताप के नेतृत्व में मॉक ड्रिल के उद्देश्यों और योजना को रेखांकित किया। एचएसई हेड दिगंबर पाटिल, मणिकंदन, श्री राहुल और श्री अब्दुल की टीम के मार्गदर्शन में परिधि

- **एटीएस के साथ आतंकवादी हमले और बंधको छुडाने की मॉक ड्रिल**

को सुरक्षित करने के लिए तत्काल घेरा स्थापित किया गया, जबकि एटीएस ने सामरिक बंधक बचाव योजना तैयार करने के लिए सभी एजेंसियों के साथ समन्वय किया। दो अलग अलग टीम बना कर रणनिती बनाते हुए अलग अलग स्थानों से बंधक बनाने वाले स्थान पर प्रवेश किया गया। जहां से बचाव अभियान दल सभी बंधकों को सुरक्षित रूप से निकालने और बिना किसी हताहत के खतरे को बेअसर करने में सफल रही। ऑपरेशन के बाद, संयुक्त डीब्रीफिंग सत्र आयोजित किया गया, जिसके दौरान एटीएस उदयपुर ने बहुमूल्य जानकारी और प्रतिक्रिया प्रदान की। इस मॉक ड्रिल से प्राप्त जानकारी से जिंक स्मेल्टर देबारी द्वारा एटीएस उदयपुर और सभी भाग लेने वाली टीमों को उनके समर्पण और व्यावसायिकता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान सीएमओ सुमीत सिरोया और टीम के नेतृत्व में साइट पर मेडिकल टीम उपस्थित थी।

सार-समाचार

श्री देवेंद्र धाम में किया पौधरोपण

उदयपुर, (कासं)। भुवाणा मार्ग पर सेलिब्रेशन मॉल के सामने स्थित श्री देवेंद्रधाम परिसर में शनिवार को राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी अभियान हरियालो राजस्थान तथा एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधरोपण कार्यक्रम जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल के आतिथ्य में हुआ। जैनाचार्य श्री देवेंद्र मुनि शिक्षण एवं चिकित्सा शोध संस्थान ट्रस्ट तथा बैंक ऑफ बड़ौदा रिटायरीज ऑफिसर्स एसोसिएशन (यंग ग्रुप) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में जिला कलक्टर श्री पोसवाल ने प्रकृति की उपादेयता बताते हुए अधिक से अधिक लोगों को पौधरोपण अभियान में जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान धाम परिसर में विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाए गए। इस दौरान ट्रस्ट की कार्यकारी अध्यक्ष रजनी डांगी, प्रकाश जगड़ावत, सुरेश बड़ाला, हिम्मत मेहता, गर्वित सिसोदिया, अर्पित बड़ाला, हर्षित सिंघवी, यंग ग्रुप के प्रकाश जैन,हरीश पालीवाल, डालचंद सिंघवी, सुरेश भादविया, जी सी शर्मा, विनोद धर्मावत, अनादि भट्ट, मुकुट पोखरना आदि उपस्थित रहे।

370 अपराधी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर पुलिस की 120 टीमों ने विभिन्न स्थानों पर दबीश देकर तीन सौ सत्तर अपराधियों को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अपराधों की रोकथान एवं अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, अंजना सुखवाल जिले के सभी पुलिस उप अधीक्षक के सुपरविजन में जिले के सभी थानाधिकारियों के नेतृत्व में 120 टीमों का गठन कर जिसमें 600 पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों ने शनिवार तडके 5 बजे से 7 बजे तक अपने अपने सीमा क्षेत्र में 700 स्थानों पर दबीश दी। इस दौरान आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एकट, आबकारी अधिनियम, हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, डकैती, स्थाई वारंटी एवं वांछित कुल 370 अपराधों को गिरफ्तार किया। जिनमें जगन्य अपराधों के 4, स्थाईी वारंटी 26, वांछित 29 अपराधियों को गिरफ्तार किया तथा 310 बदमाशों को पाबबंद कराया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने जिले में अपराधियों के खिलफ सख्त कार्यवाही करने के लिए लगातार अभियान जारी रहने जानकारी दी।

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

उदयपुर, (कासं)। ग्रीन पीपुल्स सोसायटी के तत्वावधान में शनिवार को पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक राजस्थान एस.के.वर्मा के 90वें जन्मदिन के अवसर पर फतहसागर संजय पार्क में पौधरोपण किया गया। वर्मा ने पौधा लगाकर स्वच्छ पर्यावरण, झीलों की स्वच्छता एवं उदयपुर की ऐतिहासिक विरासत को संजोकर रखने का संदेश दिया। उन्होंने सज्जनगढ़ में नए बन रहे सर्प-गृह एवं लायन सफारी के संबंध में विशेष जानकारी ली। उदयपुर संभाग के मुख्य वन्य संरक्षक सुनील छेत्री, उपवन संरक्षक मुकेश सैनी एवं उपवन संरक्षक डी.के. तिवारी ने वर्तमान मे चल रहे विकास कार्यो की जानकारी दी। ग्रीन पीपल सोसायटी के अध्यक्ष राहुल भटनागर ने वर्मा का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। कार्यक्रम में जीपीएस के शरद श्रीवास्तव, सुहेल मजबूर, यासीन पठान, इस्माइल अली दुर्गा, एसके वशिष्ठ, अरुण सोनी, प्रतापसिंह चुंडावत, गौरव त्रिवेदी, ललित जोशी, इंद्रजीत माथुर एवं वीएस राणा आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों के कुल 50 पौधे लगाए गए।

नुक्कड़ नाटक का आयोजन

उदयपुर, (कासं)। सामुदायिक चिकित्सा विभाग, गीतांजलि मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ने भारतीय अंगदान दिवस के अवसर पर अंगदान के प्रति जागरूकता के लिए नुक्कड नाटक का आयोजन किया। नाटक के माध्यम से जीएमसीएच के प्रशिक्षुओं ने बताया कि अंगदान एक बहुत ही नेक कार्य है और इससे कई लोगों की जान बचती है। विभागाध्यक्ष डॉ. मुकुल दीक्षित ने बताया कि अंग दान के बारे में जागरूकता लोगों के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान सामुदायिक चिकित्सा विभाग से डॉ. अंजना वर्मा, डॉ. मेधा माथुर, डॉ. ज्योति जैन, डॉ. भगराज चौधरी, डॉ.अमित कुमार, डॉ. जितेंद्र हिरानी विचित्र और डॉ. मनीष उपस्थित थे।

काव्य गोष्ठी का आयोजन आज

उदयपुर, (कासं)। भारतीय लोक कला मण्डल में रविवार को काव्य गोष्ठी का आयोजन होगा। निदेशक डॉ. लईक हुसैन ने बताया कि भारतीय लोक कला मण्डल "काव्य गोष्ठी" में मुख्य शायर देश के प्रसिद्ध एवं नामी शायर रोशन निजामी चंदौसी, उत्तर प्रदेश होगे इसके साथ ही दीपक नगायच रोशन, इकबाल हुसैन इकबाल, डॉ. इस्हाक फुर्कत, कविश टण्डन, अमृता बोकडिया, रामदयाल मेहर, सागर मल सरार्फ, जगवीर सिंह कानावत, कैलाश सोनी, मनीष सेवक जैसे प्रसिद्ध कवि एवं शायर प्रस्तुति देंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम भारतीय लोक कला मण्डल के ग्रामीण संचार हॉल में रात्रि 8 बजे से होगा जिसमें आमजन का प्रवेश निःशुल्क रहेगा।

एल्युमिनाई मीट का आयोजन

उदयपुर, (कासं)। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विवि, उदयपुर के संगठक लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की ओर से शनिवार को महाविद्यालय के 59 वें स्थापना दिवस पर एल्युमिनाई मीट 2024 का आयोजन महाविद्यालय के सभागार में किया गया। पुरातन छात्र परिषद सम्मेलन आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का आरंभ एलुमनाई अध्यक्ष विजय राज शक्तावत के स्वागत उद्बोधन से हुआ महाविद्यालय के विविध विभागों से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके 200 से अधिक पूर्व प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति में आयोजित एलुमनाई मीट की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने कहा कि पूर्व छात्र संस्था की विरासत एवं धरोहर है। पुरातन छात्रों धवल आमेटा,धीरेन्द्र सिंह, नरेश , अर्जुन विश्नोई, भगवान सुखवाल, ने। अपने प्रशिक्षण के अनुभवों को साझा करते हुए लोकमान्य तिलक शिक्षक महाविद्यालय, डबोक को वर्तमान सेवाकाल के दौरान संस्कारों से संवर्द्धन में योगदान को अधिरेखांकित करते हुए मूल्यों की तपोभूमि बताया। एलुमनाई छात्र अपनी परंपरागत वेषभूषा में भी पहुंचे और राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को

एलुमनाई मीट को कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने संबोधित किया।

महाविद्यालय परिसर में जीवंत किया। महाविद्यालय के वर्तमान प्रशिक्षणार्थियों ने आगंतुकों के स्वागत में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। पुरातन छात्रों को अपने प्रशिक्षकों से पुनः मिलाने व स्मृतियों को तरोताजा करने के उद्देश्य से महाविद्यालय से सेवानिवृत शिक्षक प्रशिक्षकों प्रो. प्रवीण चंद्र दोशी, डॉ. देवेन्द्रा आमेटा, डॉ किरण घेरा,प्रो. शशि चित्तौडा, डॉ. वृन्दा शर्मा , डॉ मनीष सक्सेना, को भी इस आयोजन में विशेष रूप से आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सम्मिलित प्रत्येक एलुमनाई को उपरणा एवं स्मृति चिन्ह भेंट सम्मानित किया। कार्यक्रम में पुरातन छात्रों के लिए आयोजित स्नेह भोज में कुलपति कर्नल प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हरीश चौबीसा ने तथा धन्यवाद की रस्म प्राचार्य प्रो. सरोज गर्ग ने अदा कि। अंत में अगले सत्र में पुनः मिलने के वादे के साथ पुरातन छात्र सम्मेलन समाप्त हुआ। इस मौके पर डॉ बलिदान जैन, डॉ. अमी राठौड़, डॉ. हीना खान, डॉ. सुनीता मुर्डिया , डॉ. सपना श्रीमाली, डॉ. नीरू राठौड़, डॉ. हेमंत साहू, डॉ. अपर्णा श्रीवास्तव, डॉ. हरीश मेनारिया, डॉ. पुनीत पांडिया, डॉ. अमित दवे आदि मौजूद रहे।

एक्सपर्ट टॉक का आयोजन

उदयपुर, (कासं)। गीतांजली इन्स्टिटियूट ऑफ टेक्नीकल स्टडीज (गिट्स) डबोक, उदयपुर में विद्यार्थियों को इण्डस्ट्री रेडी बनाने के लिए इलेक्ट्रोनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन इञ्जिनिरिंग विभाग के तत्वाधान में स्ट्रेटीज फॉर सक्सेस इन कॉर्पोरेट वर्ड पर एक्सपर्ट टॉक का आयोजन किया गया।

संस्थान के निदेशक डॉ. एन. एस. राठौड ने बताया कि कॉर्पोरेट रणनीति एक व्यापक योजना हैं जो किसी कम्पनी के दीर्घकालिक लक्ष्यों एवं प्रतिस्पर्धात्मक लाभों को प्राप्त करने के निर्णयों में मार्गदर्शन करती हैं। इण्डस्ट्री में आज की मांग के अनुसार विद्यार्थियों को तैयार रहना होगा। अपने कार्यात्मक कौशल को व्यवसायिक कौशल में बदलना होगा। प्रॉब्लम सॉलविंग, लर्निंग एडॉप्टब्लिटी, नवाचार एवं रचनात्मकता को बढावा देना होगा। इन सब बातों से विद्यार्थियों को अवगत कराने के लिए सिक्योर मीटर की प्रोसेस एक्सीलेंस मैनेजर ऐश्वर्या शर्मा को मुख्य वक्ता के तौर पर आमंत्रित किया । बतौर मुख्य वक्ता शर्मा ने विद्यार्थियों से कहा कि आप सभी को डेटा एनालिसिस पर ध्यान देने की जरूरत हैं। सभी के अन्दर कुछ न कुछ अद्वितीय गुण होते हैं बस उसे निखारने की जरूरत हैं।

कार्यकारिणी की घोषणा

डूंगरपुर, (निसं)। संस्कार भारती इकाई डूंगरपुर की साधारण सभा में चुनाव अधिकारी संदीप पण्ड्या, प्रांत मंत्री तथा महामंत्री सतीश आचार्य के मार्गदर्शन में कार्यकारिणी की घोषणा की गई। जिसमें अध्यक्ष का दायित्व ओमप्रकाश जेठवा ,उपाध्यक्ष डॉ.चंद्र प्रकाश पंवार (प्रथम) कोष प्रमुख जगदीश वैष्णव के नाम व दायित्व की घोषणा की गई।

क्रीडा मंडल की बैठक आयोजित

उदयपुर, (कासं)। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौधोगिकी विवि उदयपुर के क्रीडा मण्डल सदस्यों एवं संघटक महाविद्यालयों के खेल प्रभारी अधिकारियों की एक बैठक छात्र कल्याण निदेशालय में रखी गयी।

जिसमें सत्र 2024-25 में आयोजित होने वाली खेलकूद से सम्बन्धित छात्र गतिविधियों के विभिन्न बिन्दूओं पर विस्तृत चर्चा की गई। छात्र कल्याण निदेशालय के छात्र कल्याण अधिकारी एवं अध्यक्ष, क्रीडा मण्डल डॉं. मनोज कुमार महला ने सभी का स्वागत करते हुए आगामी सत्र 2024-25 के संदर्भ में आयोजित की जाने वाली गतिविधियों एवं खेल सुविधाओं में बढोतरी के साथ-साथ छात्रों के लिए प्रवेश पश्चात् खेलों में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए महाविद्यालय एवं विवि स्तर पर वार्षिक कैलेण्डर बनाये जाने की बात रखी। साथ ही डॉ. महला ने खेल सुविधाओं में बढोतरी एवं खैल मैदानों के रखरखाव के साथ वर्तमान उपलब्ध सुविधाओं के संदर्भ में भी विस्तृत चर्चा करते हुए छात्रों को दिये जाने वाले दैनिक भत्ते, किट, खेल सामग्री, निर्णायकगणों को दिये जाने वाले मानदेय के साथ क्रीडा मण्डल वं महाविद्यालयों में खैलों के बजट का भी निर्धारण विश्वविद्यालय स्तर पर करने की बात कही।

600 से अधिक लोगों ने ली अंगदान की शपथ

उदयपुर, (कासं)। राष्ट्रीय अंगदान दिवस के उपलक्ष्य में रविन्द्रनाथ टैगोर आयुर्विज्ञान महाविद्यालय के तत्वावधान में सवाल आपके जवाब हमारे जन जागरूकता कार्यक्रम शनिवार को आरएनटी परिसर स्थित न्यू ऑडिटोरियम में आयोजित हुआ। इसमें अंगदान के महत्व पर चर्चा करते हुए अधिक से अधिक लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित 600 से अधिक लोगों ने अंगदान की शपथ ली। कार्यक्रम के दौरान आरएनटी

- **आरएनटी के विशेषज्ञ पैनल ने लीवर, ब्रेन, हार्ट सहित अन्य विषयों पर लोगों के सवालों के जवाब दिए**

के विशेषज्ञ पैनल ने लीवर, किडनी, ब्रेन, हार्ट सहित अन्य विषयों पर लोगों के सवालों के जवाब दिए।

कार्यशाला के प्रारंभ में प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ विपिन माथुर ने स्वागत करते हुए अंगदान की आवश्यकता और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति अंगदान के माध्यम से 7 से 8 लोगों को नया जीवन दे सकता है। अंगदान ही एक मात्र ऐसा विकल्प है जिसमें मरने के बाद भी जिन्दा रह सकते हैं। उन्होंने महर्षि दधीचि के

आरएनटी के प्रथम अंगदाता के परिवारजन का अभिनंदन करते प्राचार्य।

देहदान का जिक्र करते हुए कहा कि विश्व में अंगदान का प्रथम उदाहरण महर्षि दधीचि हैं। उनकी अस्थियों से ही वज्र जैसा शस्त्र बना जिससे दुष्टों का विनाश किया गया। उन्होंने कहा कि भारत में अंगदान को लेकर जागरूकता की है, इससे कई आवश्यकता वाले मरीजों को जरूरत अंग नहीं मिल पाते। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य व नियंत्रक एवं सीनियर गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ विपिन माथुर, गैस्ट्रो सर्जन डॉ डीके शर्मा, कार्डियोलॉजिस्ट डॉ मुकेश शर्मा, डॉ विनय नाथानी, न्यूरो फिजिशियन डॉ तरुण रलोत, न्यूरो सर्जन डॉ गौरव जायसवाल, यूरोलॉजिस्ट डॉ वरुण लड्ढा एवं ट्रांसप्लांट व ऑर्गन रिट्रीवाल के नोडल ऑफिसर यूरोलॉजिस्ट डॉ सुनील गोखरू ने विभिन्न सवालों के जवाब दिए। विशेषज्ञों ने हेल्दी लाइफ स्टाइल के बारे में बताया। साथ ही बीमारी होने पर विशेषज्ञों से संपर्क करने तथा डॉक्टर की सलाह के बिना इलाज बंद नहीं लेने की बात कही। उन्होंने बताया कि कई बार बिना परामर्श के दवाओं का सेवन करने से शहर के महत्वपूर्ण अंगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। पैनल ने अंगदान ट्रांसप्लांट व ब्रेन डेथ के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन सर्जन डॉ राजवीर सिंह व सीनियर नर्सिंग ऑफिसर एवं ट्रांसप्लांट कोऑर्डिनेटर हरीश चौबीसा ने किया।

कार्यक्रम में आरएनटी मेडिकल कॉलेज स्टाफ, मेडिकल स्टूडेंटस्, नर्सिंग स्टूडेंटस्, समाजसेवी सहित करीब 600 से अधिक लोग मौजूद रहे। सभी ने अंगदान की शपथ ली।

सार-समाचार

हरियाली अमावस्या का मेला आज से

उदयपुर, (कासं)। लेकसिटी में फतहसागर की पाल से सहेलियों की बाड़ी तक लगने वाला हरियाली अमावस्या का मेला रविवार को लगेगा। दो दिवसीय इस मेले में बड़ी संख्या में गांव व शहरी क्षेत्र के लोग मेले का लुत्फ लेने पहुंचते है। 125 साल पुराने इस मेले का झील के भरने के खुशी में लगाया गया था जिसके बाद से यह अनवरत जारी है। इसमें मुख्यतः बात यह है कि मेले का दूसरा दिन महिलाओं के नाम रहता है और केवल महिलाएं ही इस मेले में आती है और दूसरे दिन पुरूष का प्रवेश वर्जित रहा है। हरियाली अमावस्या के मेले को लेकर शहर के सहेलियों की बाड़ी से यूआईटी पुलिया तक स्टॉल्स शनिवार को सज गई। रविवार को मेलार्थी मेले का आनंद लेंगे। मेलार्थियों को आकर्षित करने के लिए फतहसागर की पाल पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। मेले का आगाज फतहसागर पाल से होकर देवाली छोर तक रहता है। रविवार अवकाश का दिन होने से इस मेले में इस बार अधिक संख्या में मेलार्थियों के पहुंचने की संभावना है। इधर, निगम सांस्कृतिक समिति अध्यक्षा चंद्रकला बोल्या ने बताया कि विश्व भर में अपनी अलग पहचान बनाने वाले हरियाली अमावस्या के मेले की तैयारियों का शनिवार को महापौर गोविंद सिंह टाक एवं उप महापौर पारस सिंघवी के निर्देश पर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मेले में प्रवेश एवं प्रस्थान में किसी भी तरह से कोई समस्या ना रहे इस हेतु विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। 24 घंटे आपातकाल सेवाएं हेतु नगर निगम की फायर ब्रिगेड टीम एवं फतेह सागर पाल पर गोताखोरों को अलर्ट रखने के भी निर्देश दिए जिससे किसी भी आशंका से तुरंत निपटा जा सके। हरियाली अमावस्या मेले के दौरान फतेह सागर की पाल पर पश्चिमी सांस्कृतिक केंद्र द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, वही सोमवार को मेले के दूसरे दिन केवल महिलाओं का प्रवेश रहेगा।

लाखों की नकदी हड़पी

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरणमगरी थाना पुलिस ने लाखों का माल खरीद कर भुगतान नहीं करने वाले दो आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार अधिषा फास्फेट कंपनी उमरड़ा के अधिकृत प्रतिनिधी मनीष पुरोहित पुत्र कुंजबिहारी पुरोहित निवासी गणपति नगर बोहरागणेश प्रतापनगर ने दो अलग अलग मामले में आरोपी सिद्धार्थ जायसवाल पुत्र कैलाशचंद्र जायसवाल निवासी एसआर ट्रेडर्स बिसकोहर रोड़ ईटावा बाजार सिद्धार्थनगर यूपी के खिलाफ एवं जितेन्द्र कुमार शुक्ल पत्र शिव कुमार शुक्ल निवासी बरती बानसी मैन रोड़ सिद्धार्थनगर युपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि मेरी कंपनी कृषित खाद बनाने का काम करती है। आरोपी सिद्दार्थ को 18 लाख 56 हजार 583 रूपये का माल बेचा बदले में आरोपी ने चैक दिया जो बैंक में प्रस्तुत करने पर अनादतिर हो गया। इसके बाद रूपयों की उगाही करने पर आरोपी ने केवल 2 लाख रूपये का भुगतान किया। शेष नकदी हडपी ली। संपर्क करने पर कोई संतोष प्रद जवाब नहीं दिया। इसी तरह जितेन्द्र को 19 लाख 21 हजार 156 रूपये का माल बेचा था। बदले में आरोपी ने चैक दिया जो बैंक में प्रस्तुत करने पर अनादरित हो गया। संपर्क करने पर कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

दुष्कर्म का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। । नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म कर गर्भवती करने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित ने आरोपी पियूष पुत्र बाबुलाल अहारी निवासी कातरवास के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि 9 मई 2024 को आरोपी मेरी नाबालिग पुत्री को बहला फुसला कर अपने घर ले गया। जहां उसने उसके साथ दुष्कर्म किया। जिसके चलते तीन माह का गर्भ हो गया। इसका पता चलने पर आरोपी ने मेरी पुत्री को घर से निकाल दिया। वहां से घर लौट कर परिजनों को आपबीती बताई। पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया।

ई-मित्र दुकान से नकदी चोरी

उदयपुर, (कासं)। जिले के पाटिया थाना क्षैत्र में स्थित ईमित्र दुकान से चोर नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित राजहंस पुत्र पन्नालाल कलाल निवासी कनबई पाटिया ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि 1 अगस्त रात में आए चोर दुकान के पिछवाड़े में लगी जाली तोड़ अंदर घुस गल्ले में रखे 80 हजार रूपये चुरा ले गए। दूसरे दिन दुकान पर पहुंचने पर वारदात का पता चलने पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया।

प्रवेशोत्सव को लेकर बैठक

डूंगरपुर, (निसं)। विद्यालय प्रवेशोत्सव को लेकर बैठक को श्री गौरीशंकर उपाध्याय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय-डूंगरपुर में प्राचार्य लता भट्ट की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इस दौरान सभी छात्रावास अधीक्षक गणमान्य नागरिकों के साथ विद्यालय प्रवेशोत्सव, उपस्थित एवं ठहराव, पौधरोपण और वर्तमान समय में बढती अपराध प्रवृत्तियों के रोकथाम के लिए चर्चा की गई।

राजस्थान-सरकार
कार्यालय खनि अभियन्ता खान एवं भू-विज्ञान विभाग, राजसमन्द खण्ड द्वितीय
खनिज भवन, आर.के.हॉस्पीटल के सामने, भीलवाड़ा बाई पास रोड़, राजसमन्द
ईमेल-me.rajsamand2@rajasthan.gov.in
क्रमांक:खअ/राज-2/सीसी-II/एम.एल.263/1996/85 दिनांक:2.8.24
आम सूचना नोटिस
खनन पट्टा संख्या 263/1996 निकट ग्राम उपली ओडन तहसील नाथद्वारा जिला राजसमन्द (राज.) वास्ते खनिज लाईमस्टोन (चिप्स)एण्ड मैसेनरी स्टोन श्री जगदीश पालीवाल पुत्र श्री राम किशन पालीवाल निवासी उपली ओडन तहसील नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.) के पक्ष में अवधि दिनांक 20.05.1998 से 50 वर्ष तक के लिये स्वीकृत है। चूंकि खनन पट्टाधारी श्री जगदीश पालीवाल की मृत्यु दिनांक 24.06.2024 को हो जाने से उक्त खनन पट्टे का नामान्तरण उनके पुत्र श्री पंकज पालीवाल पुत्र स्व.श्री जगदीश पालीवाल निवासी-उपली ओडन तहसील नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.) के पक्ष मे नामान्तरण के संबंध में किसी व्यक्ति को आपत्ति/परेशानी हो तो 15 दिवस में उपर अंकित अनुसार कार्यालय पत्ते पर लिखित में आपत्ति दर्ज करावें।
आज्ञा से
खनिज अभियन्ता, राजसमन्द खण्ड द्वितीय

COLLEGE OF TECHNOLOGY AND ENGINEERING
Maharana Pratap University of Agriculture and Technology UDAIPUR – 313001 (Rajasthan)
No.: CTAE/Acctts/Tender/2024/3404 Date: 31-07-2024
NOTICE INVITING e-TENDERS
Single stage, unconditional bids for supply of various **Hostel mess Services** are invited through online bid submission to **https://eproc.rajasthan.gov.in**; and **Electric maintenance services** are invited through bid submission in hard copy. The last date of bid submission is up to **4:00 PM of 03-09-2024.** The Bids can also be downloaded from the websites **www.mpuat.ac.in** or **http://sppp.rajasthan.gov.in.** In future any corrigendum related to the bids will be available on the above websites only.
UBN:ATU2425SLRC00117 to 119 and ATU2425SSRC00116 **DEAN, CTAE**

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
देबारी शाखा, भंवर प्लाजा, ट्रान्सपोर्ट नगर के पास उदयपुर, राजस्थान 313024, फोन नं. : 8875878617
ई-मेल: debari@bankofbaroda.com
प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV [नियम 8(1) देखें]
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)
जबकि
निम्नहस्ताक्षरकर्ता **बैंक ऑफ बड़ौदा** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का अधिनियम संख्यांक 54) के अंतर्गत और धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में, प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित, ऋणी **श्री राम चन्द्र रेगर पुत्र श्री वरदीचंद रेगर, श्री धर्मराज आर्य पुत्र श्री राम चन्द्र रेगर** एवं **श्रीमती लीला आर्य पत्नी श्री राम चन्द्र रेगर** पर **मांग सूचना दिनांक 22.05.2024** पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर **दिनांक 19.05.2024 को बकाया राशि रू. 33,69,404.70 (रूपये तैंतीस लाख उनहतर हजार चार सौ चार एवं पैसे सत्तर मात्र) (दिनांक 19.05.2024 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई।
ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने **दिनांक 01, माह अगस्त, वर्ष 2024** को उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के साथ पठित उस पर प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति को कब्जे में ले लिया है।
ऋणी को विशेष एवं आम जनता को एतद्वारा सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ किया गया कोई भी संव्यवहार **दिनांक 19.05.2024 को बकाया राशि रू. 33,69,404.70 (रूपये तैंतीस लाख उनहतर हजार चार सौ चार एवं पैसे सत्तर मात्र) (दिनांक 19.05.2024 तक ब्याज शामिल करते हुए) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए **बैंक ऑफ बड़ौदा, देबारी शाखा, भंवर प्लाजा, ट्रान्सपोर्ट नगर के पास, उदयपुर, राजस्थान 313024** के प्रभार के अधीन होगा।
कर्जदार का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुडाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।
अचल सम्पत्ति का वर्णन
सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्री राम चन्द्र रेगर पुत्र श्री वरदीचंद रेगर के नाम साम्यिक बंधक दिनांक 04.04.2022 आवासीय मकान नं. 697/1 (पश्चिम भाग) खसरा नं. 6 से 23, 25, 107, 600/107, 601/107, 602/106, 108, 123, 134/1, 135/1, 136 से 150, 151/1, 151/2, 152 से 157, 160, 161, 162 से 201, 204, 207, 208, 209, 212, 214, 220 से 229, 231, 232, 603/163/2 राजस्व गांव झरनों की सराय, खसरा नं. 3, 6 से 22, 29, 30, 31 राजस्व गांव डांगियों की पंचौली एवं खसरा नं. 1545 से 1551, 1552एमआई, 1553, 1554एमआई राजस्व गांव धोली मगरी, उदयपुर, राजस्थान 313024 पर स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 1000 वर्ग फीट है। सीमाएं- उत्तर: रोड़ 30 फीट, दक्षिण: प्लॉट नं. 699, पूर्व: मकान 697 का शेष भाग, पश्चिम: प्लॉट नं. 696
स्थान: उदयपुर हस्ता.
दिनांक: 01.08.2024 मुख्य प्रबन्धक एवं प्राधिकृत अधिकारी

गाय को बचाने के चक्कर में एसयूवी कार पलटी, चार लोगों की मौत

पांच लोग घायल, तीन को किशनगंज अस्पताल व दो को बारां जिला अस्पताल में भर्ती कराया

कोटा, (निसं)। बारां जिले के भंवरगढ़ से किशनगंज के बीच भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। हादसे में मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच जने घायल हो गए। मृतक और घायल एक एसयूवी बोलेरो में सवार थे। हादसा इतना भीषण था कि इसमें गाड़ी भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

बताया जा रहा है कि नेशनल हाईवे-27 पर भंवरगढ़ से किशनगंज के बीच देर रात को ये भीषण सड़क दुर्घटना हुई है। इसमें मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई। सूचना मिलने पर जिला कलेक्टर रोहिताश कुमार सिंह तोमर और एसपी राजकुमार चौधरी ने भी जिला अस्पताल पहुंचकर हालात का जायजा लिया। मृतकों के शवों को मोर्चरी में शिफ्ट करवाया गया। घायलों को त्वरित उपचार के निर्देश दिए गए।

एसपी राजकुमार चौधरी ने बताया कि एसयूवी में सवार होकर भंवरगढ़ से बारां की तरफ ये लोग

■ **हादसा इतना भीषण था कि इसमें एसयूवी गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई**

आ रहे थे। भंवरगढ़ ढाबे के नजदीक हाईवे पर ही करीब 10.30 के आसपास इनकी एसयूवी के सामने अचानक से गोवंश आ गया। इसे बचाने का प्रयास चालक ने किया, लेकिन इसके चलते एसयूवी अनियंत्रित हो गई। इसके बाद पलटते हुए सड़क किनारे चली गई। सूचना मिलने पर नेशनल हाईवे की पेट्रोलिंग टीम और एंबुलेंस मौके पर पहुंची और इन्हें बारां जिला अस्पताल भेज दिया गया।

मृतकों में शाहबाद इलाके के रामपुर उपरेटी गांव निवासी लाखन सहरिया, फूलचंद सहरिया व हरिचंद मेहता और मध्य प्रदेश के फतेहगढ़ थाना क्षेत्र निवासी राजू सहरिया शामिल हैं। जबकि दुर्घटना में पांच लोग भी बुरी तरह से जख्मी हुए हैं। जिनमें से तीन का उपचार किशनगंज अस्पताल में करवाया जा रहा है जबकि दो को बारां जिला अस्पताल में भर्ती करवाया है। जानकारी के अनुसार करीब एक सप्ताह पहले ही हाईवे पर बारां के नजदीक ही गोवंश सामने आ जाने के चलते दो बसों की भिड़ंत हो गई थी। इसमें भी एक बस के पलट जाने के चलते दो लोगों की मौत हुई थी व कुछ घायल हुए थे।

सूदखोरों से परेशान होकर अधेड़ ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

मृतक के बेटे ने दो लोगों पर ज्यादा ब्याज मांग कर परेशान करने का आरोप लगाया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र की पटेल नगर कॉलोनी में रहने वाले एक अधेड़ ने सूदखोरों से परेशान होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

मृतक के पुत्र बालसिंह भाटी ने बताया कि पिता देवी सिंह (62) ने भैरूलाल और बबलू नामक दो व्यक्तियों से ब्याज पर पैसा उधार लिया हुआ था, जो ब्याज चुकाने के बावजूद घर पर आकर आए दिन परेशान करते थे। करीब एक माह से चल रहे ब्याज माफियाओं के आतंक से परेशान होकर देवी सिंह ने अपने ही घर के सामने स्थित पेड़ पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस का कहना है कि बुजुर्ग के बेटे की रिपोर्ट पर सूदखोरों के खिलाफ खुदकुशी के लिए मजबूर करने के आरोप में केस दर्ज कर लिया है। मृतक के बेटे बाल सिंह ने बताया कि उसके पिता देवीसिंह को दो लोग बबलू सांसी और भैरू गुर्जर ज्यादा ब्याज मांग कर परेशान कर रहे थे और धमकियां दी जा रही थी। इन्हीं से परेशान

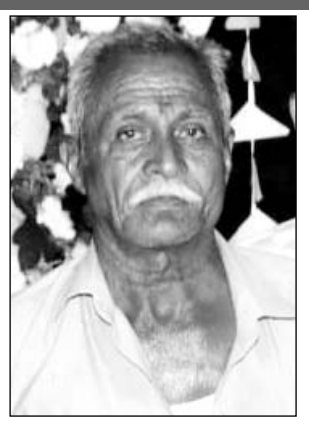

मृतक देवी सिंह।

होकर उसके पिता ने फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

प्रताप नगर थाना प्रभारी गजेंद्र नरूका ने बताया कि बाल सिंह की रिपोर्ट पर बबलू सांसी व भैरू गुर्जर के खिलाफ देवीसिंह को खुदकुशी के लिए मजबूर करने के का मामला दर्ज कर लिया है। बेटे बाल ने बताया कि उसके छोटे भाई की शादी के लिए पिता देवी सिंह ने आरोपित बबलू सांसी से एक लाख और भैरू गुर्जर से 50 हजार रुपये ब्याज पर उधार लिये थे। देवी सिंह ही इस राशि की किश्तें व ब्याज अदा कर रहे थे। बाल सिंह का कहना कि दोनों आरोपित देवी सिंह को ज्यादा ब्याज राशि मांग कर परेशान कर रहे थे। घटना के वक्त सुबह जब उसके पिता का शव फंदे से झूल रहा था, तब भी उनकी जेब में पड़े मोबाइल पर सूदखोर का फोन आ रहा था।

इस दौरान पुलिस भी मौजूद थी। परिजनों ने कॉल रिसीव किया। यह कॉल भैरूलाल गुर्जर का था और वह पैसे की ही मांग कर रहा था। वहीं सूदखोरी के आरोपित बबलु सांसी पर मृतक के बेटे बाल सिंह ने एक और आरोप लगाया कि उसके पिता की बाइक थी, जिसे भी आरोपित छीन ले गया था। यह बाइक आज तक उसने नहीं लौटाई। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए सभी आरोपी की जांच शुरू कर दी है।

कार-बोलेरो की भिड़ंत में एक की मौत, सात घायल

सादुलपुर, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर गांव लसेड़ी के नजदीक शनिवार दोपहर को एक कार और बोलेरो जीप की हुई जबरदस्त भिड़ंत में

■ **कार में सवार लोग अमृतसर पंजाब से श्याम बाबा के दर्शनों के लिए खाटूश्यामजी आ रहे थे**

कार चालक की मौत हो गई तथा सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं घायलों में गंभीर एक महिला सहित दो लोगों को हिसार रैफर किया गया है।

सूचना मिलते ही एस.आई. सुरेंद्र सिंह मय पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे तथा सभी घायलों को दो एंबुलेंस से श्रीनाथ जी अस्पताल में भर्ती करवाया। कार में सवार लोग अमृतसर पंजाब से खाटूश्याम बाबा के दर्शन के लिए जा रहे थे, जबकि बोलेरो में सवार लोग राजगढ़ तहसील के गांव सूरतपुरा से गोठया बडी बैंक में केसीसी के लिए गांव जा रहे थे। जैसे ही हाईवे पर बोलेरो जीप पहुंची। इस दौरान सामने से कार

घायल लोगों को एंबूलेंस की सहायता से अस्पताल पहुंचाया।

आ गई और दोनों में भिड़ंत हो गई। दुर्घटना में कार चालक रघु पुत्र राकेश अरोडा निवासी अमृतसर को चिकित्सकों ने गभीर हालत देखते हुए हिसार रेफर कर दिया था, लेकिन हिसार पहुंचने से पहले रास्ते में ही चालक ने दम तोड़ दिया।

एस.आई. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि कार में सवार लोग अमृतसर पंजाब से खाटूश्याम बाबा के दर्शन के लिए जा रहे थे तथा कार को रघु अरोड़ा चला रहा था। कार में एक वर्षीय बालिका वाणी तथा कार चालक का छह वर्षीय पुत्र अगम अरोड़ा, नीतीश पुत्र जगदीश अरोड़ा, मीनाक्षी पत्नी नीतीश कुमार तथा कार चालक रघु की पत्नी कोमल गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि बोलेरो जीप में तहसील गांव सूरतपुरा निवासी संजय पुत्र बजरंग नाई, कुलदीप पुत्र राजवीर जाट, मंजू पत्नी जगदीश जाट, मनीषा पत्नी कुलदीप जाट जीप में सवार होकर बैंक संबंधी काम के लिए गोठया बड़ी जा रहे थे। उन्होंने बताया कि सभी को गंभीर चोटें लगी है तथा मंजू पत्नी जगदीश व बोलेरो चालक संजय पुत्र बजरंग नाई को गंभीर चोट लगने के कारण हिसार रेफर किया गया है। देर शाम तक मामला दर्ज नहीं हुआ है।

ट्रक में घुसी एसयूवी कार, दो युवकों की मौत

पार्टी कर लौट रहे थे युवक, दो जने गंभीर रूप से घायल

कोटा, (निसं)। शहर के बाहर से गुजर रहे नेशनल हाईवे-27 के बाइपास पर बीती रात भीषण दुर्घटना हो गई। जानकारी के अनुसार पार्टी कर लौट रहे युवकों की एसयूवी कार एक ट्रक में घुस गई। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल है। हादसे में एसयूवी पूरी तरह से चकनाचूर हो गई। दुर्घटना के बाद यहां से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद हाइवे पेट्रोलिंग की एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों व मृतकों को अस्पताल ले गई। शनिवार को दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

अनंतपुरा थाने के सब इंस्पेक्टर लोकेश मीणा ने बताया कि सूचना मिलने पर सबसे पहले वे मौके पर पहुंचे। घायलों को हाईवे पेट्रोलिंग एंबुलेंस के जरिए पहले ही अस्पताल पहुंचा दिया था। चूंकि यह इलाका रामपुर थाने का था, ऐसे में रामपुर पुलिस को सूचना दी गई। रामपुर थाने

■ **हादसे में एसयूवी पूरी तरह से चकनाचूर हो गई**

के सब इंस्पेक्टर भीम सिंह ने बताया कि झालावाड़ जिले के खानपुर निवासी धीरज सिंह और विज्ञान नगर निवासी अरबाज की दुर्घटना में मौत हुई है। फैजल, जयराज और दीप सिंह घायल हैं।

यह सभी लोग बूंदी जिले के बल्लोप स्थित एक रेस्टोरेंट से खाना खाकर हैंगिंग ब्रिज होते हुए बारां रोड की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान यह दुर्घटना हुई। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए इसके चलते ही दुर्घटना हुई है। इसके बाद ही एसयूवी अनियंत्रित होती हुई ट्रक में घुस गई। पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिये हैं।

तीन लाख की रिश्वत लेते अधिकारी गिरफ्तार

जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र प्रतापगढ़ के संयुक्त आयुक्त एवं महाप्रबंधक को गिरफ्तार किया

जयपुर/प्रतापगढ़, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की प्रतापगढ़ टीम ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र जिला प्रतापगढ़ के संयुक्त आयुक्त एवं महाप्रबंधक राजीव गर्ग को परिवादी से तीन लाख रुपये की रिश्वत राशि लेते गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी की प्रतापगढ़ टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि सातवें वेतनमान का स्थिरीकरण, पेंशन प्रकरण का भुगतान एवं एरियर का भुगतान करने की एवज में जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र जिला प्रतापगढ़ का संयुक्त आयुक्त एवं महाप्रबंधक राजीव गर्ग तीन लाख 50 हजार रुपये रिश्वत राशि की मांग कर रहा है।

एसीबी की प्रतापगढ़ टीम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन कर ट्रेप की कार्रवाई करते हुए आरोपित राजीव गर्ग को तीन लाख रुपये की रिश्वत राशि लेते गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि आरोपित द्वारा शिकायत से पूर्व भी परिवादी से 50 हजार रुपये रिश्वत के रूप में वसूल कर लिये थे। एसीबी को कार्रवाई के दौरान आरोपित के जयपुर स्थित मकान एवं एक फ्लेट की तलाशी के लिये पहुंची तो दोनों बन्द मिले जिन्हें सील किया गया है। न्यायालय से आरोपित का रिमांड लिया जाकर उसकी उपस्थिति में ही उक्त ठिकानों की तलाशी ली जायेगी।

जालोर में दो दिन से बारिश का दौर जारी, नदी-नालों में पानी की आवक

बाडमेर जिले के रामसर में सर्वाधिक तीन इंच बरसात हुई, राहत मिली

जालोर, (कासं)। जिलेभर में गत दो दिन से लगातार रूक-रूक कर कभी रिमझिम तो कभी झमाझम बारिश से नदी-नालों में पानी की आवक देखी गई।

■ **जालोर शहर के कई निचले इलाकों में बारिश के चलते पानी नजर आने लगा**

जालोर में शुक्रवार व शनिवार को रूक-रूक कर बारिश का दौर जारी रहने से चारों ओर पानी ही पानी नजर आने लगा है। वहीं जालोर शहर के कलैक्ट्रेट गेट, रोडवेज बस स्टेण्ड गेट के आगे निकासी नहीं होने से पानी भर जाने से आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर के कई निचले इलाकों में लगातार बारिश के चलते पानी नजर आने लगा है। लगातार बारिश का दौर जारी रहने से तापमान में गिरावट देखी गई। जिला कलेक्टर ने भी बारिश के समय नदी-नालों में वाहन नहीं उतारने व पानी के पास नहीं जाने की सलाह दी है। जिले के कई नालों व बांधों में पानी की आवक नजर आई। वहीं मानसून की

जालोर में बारिश के बाद कलेक्ट्रेट गेट के आगे पानी भर गया।

अच्छी बारिश के चलते किसानों के चेहरों पर खुशी देखी गई।

बाडमेर संवाददाता के अनुसार :- प्रचंड गर्मी से धधक रहे बाडमेर पर मौसम विभाग के भारी बारिश के अलर्ट के बीच शनिवार को अलसुबह ही बारिश का दौर शुरू हो गया जो दिनभर कभी तेज तो कभी धीमे होते हुए चलता रहा। मौसम विभाग के यैलो अलर्ट के बाद जिला कलेक्टर ने शनिवार को जिले की सभी स्कूलों और आंगनबाड़ियों का अवकाश घोषित कर दिया। जिले में अच्छी बारिश होने से किसानों के चेहरे पर खुशी छा गई है। उनका मानना है कि ये बारिश फसलों के लिए फायदेमंद साबित होगी। पिछले 24 घण्टों में बाडमेर जिले के रामसर में सर्वाधिक करीब तीन इंच और सबसे कम धोरीमन्ना में 2 एमएम बारिश हुई है। बाडमेर में 38, बाडमेर ग्रामीण में 36, चौहटन में 32, शिव में 10, धोरीमन्ना में दो, धनाऊ में 16 एमएम , रामसर में 80 एमएम, गडरारोड 4.5 एमएम और नोखडा में 18 मिलीमीटर बारिश हुई है। शनिवार सुबह बारिश शुरू होने के बाद जिला कलेक्टर निशान्त जैन ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ शहर के जल भराव वाले इलाकों का जायजा लेकर पानी की निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

झाड़ोल में पौने दो इंच, उदयपुर शहर में रिमझिम बरसात हुई

जिले में केचमेंट सहित कई जगहों पर अच्छी बारिश, झीलों में पानी की आवक शुरू होने की आस बंधी

राजसमंद में मोही कस्बे के बनास नदी एनीकट पर चादर चलने से बहता पानी।

उदयपुर, (कासं)। लेकसिटी में शनिवार को दिनभर रिमझिम बारिश होती रही। जिले में केचमेंट सहित कई जगहों पर अच्छी बारिश के समाचार मिले हैं। शाम पांच बजे तक बीते 12 घंटों में झाड़ोल में सर्वाधिक 40 मिमी (पौने दो इंच) बारिश रिकॉर्ड की गई।

लेकसिटी में आज हो रही बारिश ने झीलों के भरने की आस बंधा दी है। शहर में हालांकि रिमझिम का दौर चला लेकिन केचमेंट के कई हिस्सों में अच्छी बरसात हुई है। पीछोला को भरने वाली सीसारमा नदी और फतहसागर को भरने वाली मदार नहर अभी नहीं चली है लेकिन लेकसिटी में मौसम विभाग के येलो अलर्ट के बीच रविवार को कई हिस्सों में 200 मिमी तक बारिश की संभावना जताई गई है। इधर, सिंचाई विभाग के बाढ़ नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार शाम पांच बजे तक बीते 12 घंटों में सर्वाधिक बारिश झाड़ोल में 40 मिमी, उदयपुर शहर में 6 मिमी, स्वरूपसागर 5 मिमी, उदयसागर 11 मिमी, मदार 23 मिमी, अलसीगढ़ 18 मिमी, वल्लभनगर 11 व ओगणा में 21 मिमी बरसात हुई है।

बाइक सहित नदी की रपट में बहे दो युवक

पाली, (नि.सं.)। पाली के निकट खेरवा बनियावास गांव की नदी पिछले दो दिन से बह रही है। शुक्रवार दोपहर करीब 3:30 बजे दो युवक एक फीट चल रही रपट पर ग्रामीण के मना करने पर भी चले गए। जहां बाइक अनियंत्रित हो गई और बाइक के साथ दोनों पानी में बह गए। गनीमत रही कि नदी में करीब 3 फीट पानी था, जिससे दोनों को ग्रामीणों ने बचा लिया। बानियावास सरपंच प्रतिनिधि सरवन राम ने बताया कि दोनों युवक शराब पिए हुए थे। लोगों के मना करते हुए भी नदी की रपट में बाइक उतार दी थी।

मोही के बनास नदी एनीकट पर चादर चली

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती मोही कस्बे के बनास नदी स्थित एनीकट पर शनिवार को चादर चल रही है। गांव में शुक्रवार को दिनभर हुई बारिश के चलते नदी-नालों में पानी बहने लगा। बनास नदी स्थित एनिकट पर चादर चल रही है। बनास नदी में पानी की आवक को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

ढाई सौ साल पुराने मंदिर की दीवार बारिश से धंसी

राधा-कृष्ण मंदिर की दीवार धंसी, घरों में दरारें आई

चूरू, (कासं)। शहर के सब्जी मंडी पार्क के पास स्थित 250 वर्ष पुराना राधा-कृष्ण भगवान का दिव्य मंदिर का आंगन व चारों तरफ की दीवार गुरूवार को आई बारिश से धंस गई।

जानकारी के अनुसार मंदिर के अंडरग्राउंड में बारिश का पानी भरने से वह धंस गया, जिससे मंदिर को काफी नुकसान हुआ है। यह मंदिर पूर्णतया क्षतिग्रस्त हो गया है। अब यह मंदिर गिरने के कगार पर है और गनिमत यह रही कि इसमें कोई जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। मंदिर धंसने से आसपास के घरों में भी दरारें पड़ गई। मंदिर के पुजारी संजय राज सारस्वत ने बताया कि कई वर्षों पूर्व यह मूर्ति मंदिर

बारिश के कारण दीवार धंस जाने से गिरने के कगार पर पहुंचा मंदिर।

के अंडरग्राउंड में स्थापित थी। उस समय मंदिर की पूजा जगदीश प्रसाद पुजारी करते थे। 100 वर्ष पूर्व मूर्ति स्थापना ऊपर की गई थी।

सायला में दिनभर चला बारिश का दौर

सायला, (निसं)। उपखण्ड मुख्यालय सहित आसपास के गांवों में शनिवार को इन्द्रदेव मेहरबान रहे तथा दिनभर बारिश का दौर जारी रहा। यह बारिश कभी हल्की तो कभी तेज होती रही, जिससे लम्बे समय से अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के चेहरों से एकबारगी चिंता के बादल छट गए।

बारिश के कारण पुराना बस स्टेण्ड, पंचायत समिति मोड़, पीडब्ल्यूडी के आगे, पोस्ट ऑफिस रोड आदि स्थानों पर सड़क पर पानी जमा हो गया, जिससे राहगीरों एवं वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं खेतों में अच्छी बारिश से फसलों को भी संजीवनी मिली है। इधर बारिश के कारण मौसम ठंडा हो गया। अच्छी बारिश होने से किसानों के चेहरे पर खुशी छा गई है। उनका मानना है कि ये बारिश फसलों के लिए फायदेमंद साबित होगी।

बालोतरा में तेज बारिश से मुख्य बाजार में तीन फीट पानी भरा

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा में शनिवार अल सुबह बारिश का दौर शुरू हुआ। बारिश से शहर के मुख्य बाजार में तीन से चार फीट तक पानी भर गया। इससे वाहन चालकों को परेशानी का सामाना करना पड़ा। वहीं कई दुकानों में पानी घुस गया। इधर, मौसम विभाग के अलर्ट के बाद प्रशासन ने स्कूलों की छुट्टी भी घोषित कर दी है। बालोतरा शहर के शास्त्री चौक, घंटाघर मार्केट, गौर का चौक, नयापुरा, नेहरू कॉलोनी सहित आसपास के इलाकों में 20 मिनट की बारिश में जल भराव हो गया, जिससे बाजार की दुकानों के अंदर पानी चला गया, जिससे दुकानदारों व आने-जाने वाले लोगों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ा। इधर नेहरू कॉलोनी भगत सिंह सभा स्थल के पास एक बुजुर्ग व्यक्ति सीवरेज के गड्ढे में गिरकर घायल हो गया। लंबे समय से सीवरेज के चेम्बर पर ढक्कन नहीं लगाया गया है।

न्यायालय उपजिला कलेक्टर महोदय, गंगापुर सिटी
हरिदास बनाम तेजसिंह वगैरहा
दावा विभाजन घोषणा इन्ज्राज दुरुस्ती एवं स्थायी निषेधाज्ञा एवं प्रार्थना पत्र अस्थायी निषेधाज्ञा संख्या 9/2024
मु.नं. 10/2024 विवाधक सम्मन
नोटिस बनाम
तेजसिंह पुत्र स्व. किशोरीलाल जाति जाटव, निवासी मिर्जापुर हाल निवासी गली नम्बर 7, अक्षत विला बिहार सोगरिया रोड कोटा। सम्पो देवी पत्नी मोहनसिंह पुत्री स्व. किशोरीलाल हालनिवासी प्रताप नगर सैक्टर नम्बर 5 तहसील सांगानेर जयपुर, ललिता पत्नी गंगासिंह पुत्री स्व. किशोरीलाल निवासी महलपुर चूरा पोस्ट वंशी पहाडपुर तहसील रुपवास जिला भरतपुर कमला पत्नी हरिचरण पुत्री स्व. किशोरीलाल जाटव निवासी महलपुर चूरा वंशी पहाडपुर तहसील रुपवास जिला भरतपुर, सुरेश पुत्र स्व. नारायण निवासी अम्बेडकर धर्मशाला के पास, गंगापुर सिटी, नरेश पुत्र स्व. नारायण निवासी अम्बेडकर धर्मशाला के पास, गंगापुर सिटी, दिया पत्नी स्व. राजू पुत्र पुत्र स्व. नारायण, हेमु पुत्र स्व. राजू पुत्र स्व. नारायण, कांति पुत्री स्व. नारायण, अक्षय कुमार पुत्र स्व. अशोक, ज्योती पुत्री स्व. अशोक, शोभना पुत्री स्व. अशोक, सोना पुत्री स्व. अशोक, नागेन्द्र पुत्र स्व. ओमप्रकाश निवासीयान अम्बेडकर धर्मशाला के सामने, मिर्जापुर गंगापुर सिटी जिला गंगापुर सिटी, भूरेलाल पुत्र चिरंजीलाल हाल निवासी राठोर बेकरी के पीछे, गली नम्बर 6, पूनम कालोनी, कोटा, मोहनसिंह पुत्र स्व. बुद्धराम, योगेन्द्र सिंह पुत्र बुद्धराम, निवासी गली नम्बर 8 पूनम कालोनी कोटा, मोहनदेवी पुत्री स्व. बुद्धराम निवासी आर.के. पुरम डी. मार्ट के पास, कुसुमलता पुत्री स्व. बुद्धराम निवासी गली नम्बर 8 पूनम कालोनी, कोटा, रतनबाई पत्नी स्व. भीमसिंह, महेन्द्र पुत्र स्व. भीमसिंह, प्रवीण पुत्र भीमसिंह, योगेश पुत्र भीमसिंह, सिद्धार्थ पुत्र स्व. केदार, केसु पुत्र स्व. केदार, कविता पुत्री स्व. केदार, भारती पुत्री स्व. केदार, पूनी पत्नी स्व. सम्पत, तेजसिंह पुत्र स्व. सम्पत निवासी अम्बेडकर धर्मशाला के पास, मिर्जापुर गंगापुर सिटी, गोरधन पुत्र हजारी निवासी नेहरु कालोनी गंगापुर सिटी, धन्नालाल पुत्र कोरीलाल जाति बैरवा निवासी वार्ड नम्बर 18, गंगापुर सिटी, प्रेमबाई पुत्री स्व. चिरंजीलाल पत्नी सोनपाल, जाति जाटव निवासी कन्जौली का पुरा पोस्ट काचरोली तहसील हिण्डोन सिटी, जिला करौली, सावित्री देवी पुत्री स्व. चिरंजीलाल पत्नी रामस्वरुप जाटव निवासी कन्जौली का पुरा, तहसील हिण्डोन सिटी जिला करौली प्रेमलता पुत्री स्व. चिरंजीलाल पत्नी बालेश्वर निवासी थाई के पास जाटव वस्ती हिण्डौन सिटी जिला करौली, शांति पुत्री स्व. चिरंजीलाल पत्नी शांतिस्वरुप, जाति जाटव निवासी थाई के पास जाटव वस्ती हिण्डोन सिटी जिला करौली ज्ञानसिंह पुत्र स्व. नथिया, शेरसिंह पुत्र रतनलाल, किसना पुत्र स्व. रतनलाल, दीपचन्द पुत्र स्व. रतनलाल, सुरेश पुत्र स्व. किशोर, कलावती पत्नी स्व. किशोर, जाति जाटव हाल निवासी अम्बेडकर धर्मशाला के पास, मिर्जापुर गंगापुर सिटी तहसील व जिला गंगापुर सिटी लैण् होल्डर जरिये तहसीलदार गंगापुर सिटी, राजस्थान सरकार जरिये जिला कलेक्टर गंगापुर सिटी सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वादी हरिदास पुत्र सोनी द्वारा न्यायालय में दावा व प्रार्थना पत्र टी.आई. मं. पंजीबद्ध किया है आप इस न्यायालय में तारीक पेशी 07.08.2024 को दिन में 10:30 बजे दावे एवं प्रार्थना पत्र का उत्तर देने के लिए आप न्यायालय में स्वयं या अपने उत्तरदायी या अधिवक्ता के द्वारा उपस्थित/हाजिर होकर अपना पक्ष रख सकते है।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई तारीख को इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होगे तो वाद एवं टी.आई. प्रार्थना पत्र की सुनवाई एवं उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।
मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से आज दिनांक 02.8.24 को जारी किया गया।
मोहर अदालत
आदेशानुसार
रीडर
उप जिला कलेक्टर गंगापुर सिटी (स.मा.)

'हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद स्वामी अवधेशाचार्य और उनके परिवारजनों को मुख्य द्वार से प्रवेश पर पुलिस ने रोका'

गलताजी ठिकाने के स्वामी अवधेशाचार्य ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर राजस्थान हाईकोर्ट के द्वारा 2 अगस्त को जारी आदेश की पालना करवाने की मांग की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। गलता पीठ ठिकाना की संपत्ति व महंत की नियुक्ति पर चल रहे विवाद में एक नया मोड आया है। स्वामी अवधेशाचार्य ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित को शिकायत भेजी है कि, राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद भी पुलिस अधिकारियों ने 2 अगस्त की रात को उन्हें घर के मुख्य द्वार पर ही 3 घंटे रोक लिया। हाईकोर्ट के आदेश की प्रतिलिपि दिखाने के बावजूद भी गलताजी थानाधिकारी और ए.सी.पी. रामगंज ने उनकी बात नहीं सुनी। जब कई बार समझाने पर भी पुलिस अधिकारी नहीं माने तो थक-हारकर स्वामी अवधेशाचार्य व उनके पुत्र राघवेन्द्र को धर्मशाला जाना पड़ा।

स्वामी अवधेशाचार्य ने बताया कि, राजस्थान हाईकोर्ट ने 2 अगस्त आदेश देते हुए कहा था कि "स्वामी अवधेशाचार्य, मामले की अपील के फैसले तक महंत के पद से हटाए जा रहे हैं, वे महंत के पद पर दावेदारी नहीं करें, परंतु वे मंदिर परिसर में बने निवास पर रह सकते हैं और पूजा-अर्चना भी जारी रख सकते हैं।"

स्वामी अवधेशाचार्य की ओर से जयपुर कलेक्टर को लिखे गए शिकायती पत्र में कहा गया है कि, उनके घर के मुख्य द्वार, जो मंदिर परिसर की तरफ खुलते हैं, उसे सील करके बंद कर दिया गया है। इस कारण उन्हें अपने आवास तक आने-जाने के लिए रास्ता नहीं मिल रहा है। उन्हें अपने घर के पीछे बने गायों के बाड़े के रास्ते से घर में आना पड़ रहा है।

राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद पुलिस ने शुक्रवार देर रात गलताजी मंदिर परिसर स्थित आवास पर जाने से स्वामी अवधेशाचार्य और उनके पुत्र स्वामी राघवेंद्र को रोक लिया।

- **शिकायत में अवधेशाचार्य की ओर से कहा गया है कि, "उनके घर के मुख्य द्वार, जो मंदिर परिसर की तरफ खुलते हैं, उसे सील करके बंद कर दिया गया है। इस कारण उन्हें अपने आवास तक आने-जाने के लिए रास्ता नहीं मिल रहा है। उन्हें अपने घर के पीछे बने गायों के बाड़े के रास्ते से घर में आना पड़ रहा है।"**
- **शिकायत में कहा गया है कि, "राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से 2 अगस्त को स्वामी अवधेशाचार्य को मंदिर परिसर में बने अपने निवास पर रहने और आने-जाने के लिए छूट दी है।" उन्होंने इस आदेश की प्रतिलिपि भी पुलिस अफसरों को दिखाई, इसके बावजूद उन्होंने शुक्रवार रात को करीब 3 घंटे तक उन्हें मुख्य द्वार पर रोककर रखा, जो कि हाईकोर्ट के आदेश की सरासर अवहेलना है।**

अवधेशाचार्य ने अपनी शिकायत में कहा कि, "2 अगस्त को रात करीब पौने 9 बजे वह अपने पुत्र के साथ निवास की तरफ जा रहे थे, तो उन्होंने देखा कि मंदिर परिसर की तरफ खुलने वाले उनके घर के मुख्य द्वार को सील कर दिया गया है। इसके अलावा उन्हें और उनके पुत्र को घर के दरवाजे पर तैनात पुलिस अफसरों ने 3 घंटे तक रोककर रखा। मंदिर परिसर में मौजूद ए.सी.पी. रामगंज व गलता थानाधिकारी का कहना था कि, "प्रशासन द्वारा उन्हें आदेश दिए गए हैं कि, इस द्वार से किसी की एंट्री नहीं होने दी जाए। दरवाजे पर सील प्रशासन के आदेशों पर ही लगाई गई है, जिसे खोलने के लिए उन्हें कोई आदेश नहीं मिला है।"

स्वामी अवधेशाचार्य के मुख्य निवास पर प्रशासन द्वारा लगाई गई पेपर सील की फोटो उनके पुत्र स्वामी राघवेंद्र द्वारा साझा की गई।

स्वामी अवधेशाचार्य ने शिकायत में लिखा है कि, पुलिस के दोनों वरिष्ठ अफसरों ने उन्हें घर के द्वार पर रोकते हुए कहा कि आपके पास कोई अधिकार नहीं है सील खोलने का। एस.एच.ओ. ने कहा कि मेरी अतिरिक्त कलेक्टर (एडीएम) से बात हो गयी है, वे यहां पहुंच रहे हैं। रात को करीब 2 घंटे तक स्वामी अवधेशाचार्य व उनके पुत्र राघवेन्द्र, जिला प्रशासन के मौके पर पहुंचने का इंतजार करते रहे, लेकिन कोई नहीं आया। पुलिस द्वारा टोकाटाकी व घर में प्रवेश से रोकने के प्रयास का वीडियो भी स्वामी अवधेशाचार्य की ओर से रिकॉर्ड किया गया है। स्वामी अवधेशाचार्य ने पुलिस अधिकारियों को कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए रोकने से मना भी किया, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं सुना। थानाधिकारी लिखमाराम ने यहां तक कह दिया कि, चाहे कुछ भी हो जाए, लेकिन हम आपको सील खोलकर अंदर जाने नहीं दे सकते।"

स्वामी अवधेशाचार्य ने जिला कलेक्टर को इस पूरे प्रकरण की शिकायत करते हुए लिखा कि, जिला प्रशासन की ओर से ऐसा स्पष्ट आदेश पारित किया जाए, जिससे कि मंदिर परिसर में तैनात सरकारी अधिकारी व पुलिस, राजस्थान हाईकोर्ट के आदेशानुसार उनके घर के मुख्य द्वार पर लगाई गई पेपर सील को हटाए।

आर्यिका निरंजनमती माताजी का यमसल्लेखना पूर्वक समाधि मरण

बिलवा स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में गणिनी आर्यिका नंगमती माताजी के सानिध्य में हुई समाधि।

जयपुर। टोंक रोड के बिलवा स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, सुधर्म नंग अहिंसा ट्रस्ट के परिसर में गणिनी आर्यिका रत्न सुपार्श्वमती माताजी एवं गणिनी आर्यिका रत्न गौरवमती शिष्या आर्यिका निरंजनमती माताजी का यम सल्लेखना पूर्वक सम्यक समाधिमरण गणिनी आर्यिका नंगमती माताजी के सानिध्य में हो गया। जिसके पश्चात जैन परंपराओं के अनुसार ब्रह्मचारी जिनेश भैया के निर्देशन में निरंजनमती माताजी की अंतिम डोल यात्रा निकाली गई और मंत्रोच्चारण के साथ माताजी के शरीर को पंचतत्व में विलीन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्रित हुए और पूज्य माताजी को नम आंखों के साथ विदाई दी।

अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने जानकारी देते हुए बताया कि आर्यिका निरंजनमती माताजी को सर्व प्रथम छुल्लिका दीक्षा 15 फरवरी 2015 को गणिनी आर्यिका रत्न गौरवमती माताजी द्वारा मानसरोवर स्थित वरुण पथ जैन मंदिर पर प्रदान की गई थी, उस समय माताजी को श्रेयांशमती नाम प्रदान किया गया था, क्योंकि उस दिन तीर्थंकर श्रेयांसनाथ भगवान का जन्म एवं तप कल्याणक पर्व था। इसके पश्चात वर्ष 2021 में गणिनी आर्यिका गौरवमती माताजी का देवलोक हो जाने के बाद छुल्लिका श्रेयांशमती माताजी गणिनी आर्यिका नंगमती माताजी के संघ में सम्मिलित हो गई थी, नंगमती माताजी द्वारा 31 जुलाई 2024 को ही आर्यिका दीक्षा प्रदान की गई थी, तब माताजी को निरंजनमती नाम प्रदान किया गया।

राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने शनिवार को दिल्ली में पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरली मनोहर जोशी के आवास पहुंचकर उनसे मुलाकात की। उन्होंने उनसे विभिन्न विषयों पर संवाद किया। राज्यपाल बागडे की जोशी से यह शिष्टाचार भेंट थी।

अधिकारियों के विरुद्ध लंबित प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने राज्य सेवा के अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही एवं अभियोजन स्वीकृति के विचाराधीन विभिन्न प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण किया।

मुख्यमंत्री ने 7 प्रकरणों में सेवारत अधिकारियों को सीसीए नियम 16 एवं 17 के अन्तर्गत दण्डित करने तथा 4 सेवानिवृत्त अधिकारियों पर आरोप के समानुपातिक पेंशन रोकने का निर्णय किया। साथ ही, सेवानिवृत्त अधिकारी के विरूद्ध संचालित एक अन्य प्रकरण में प्रमाणित आरोप का अनुमोदन तथा 2 प्रकरणों में आरोप अप्रमाणित पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को दोषमुक्त किया।

शर्मा ने राज्य सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत भ्रष्टाचार के प्रकरणों में न्यायालय से दोषसिद्धि के 2 प्रकरणों में दोषी चिकित्सकों को राजकीय सेवा से पदच्युत किए जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया तथा भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 के अन्तर्गत प्रस्तुत 3 प्रकरणों में अभियोजन स्वीकृति भी प्रदान की।

मुख्यमंत्री ने सीसीए नियम 34 में प्रस्तुत 3 पुनरावलोकन याचिकाएं संतोषजनक तथ्यों के अभाव में खारिज तथा अनिवार्य सेवानिवृति के 1 प्रकरण में प्रस्तुत अपील अंतर्गत नियम 53(4) को अस्वीकार किया। साथ ही, धारा 17-ए के 2 प्रकरणों में प्रथम दृष्टया कार्यवाही योग्य नहीं होने से परिवाद पंजीबद्ध कर विस्तृत जांच एवं अनुसंधान करने की अनुमति प्रदान नहीं की।

पत्थर से युवक का सिर फोड़ा

जयपुर। शिवदासपुरा थाना इलाके में बाइक सवार दो बदमाशों ने पत्थर से हमलाकर पैदल जा रहे मजदूर का सिर फोड़ दिया और फिर मारपीट कर उससे मोबाइल व नकदी छीनकर ले गए। पुलिस के अनुसार मूलतरू यूपी हाल रामचंद्रपुरा निवासी नाजीमुल ने मामला दर्ज करवाया कि वह पिरामिड कम्पनी में काम करता है। एक अगस्त की दोपहर वह कम्पनी से खाना खाने पैदल ही अपने रुम पर जा रहा था। दुर्लभ कॉलेज के पास पीछे से बाइक सवार दो बदमाश आए और बदमाशों से पत्थर से उसका सिर फोड़ दिया। इसके बाद वह सडक पर गिर गया। बदमाशों ने उसके साथ लात-घूसे से मारपीट की और उससे मोबाइल व जेब में रखे 5200 रुपए निकाल कर ले गए। राहगिरों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद उससे छुट्टी दे दी गई। इसके बाद पीडित ने थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे राज्यपालों के सम्मेलन में शामिल हुए

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने शुक्रवार और शनिवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की अध्यक्षता में आयोजित राज्यपालों के सम्मेलन में भाग लिया।

बागडे राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस सम्मेलन में एक भारत श्रेष्ठ भारत, 'एक वृक्ष मां के नाम' और प्राकृतिक खेती अभियान, राज्यपालों का जनता से सतत संपर्क, राज्यपालों की भूमिका और विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में राज्यपालों की भूमिका जैसे विषयों के विभिन्न सत्रों में शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि इस सम्मेलन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आदि ने संबोधित किया।

पहले 10 ब्लॉक कांग्रेस को भंग किया विरोध पर दो को फिर बहाल किया

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस ने फीडबैक के आधार पर संगठन को पुनर्गठन कर मजबूत करने के लिए अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देश पर 100 ब्लॉक कांग्रेस एवं मंडल कांग्रेस कमेटियों को भंग किया, लेकिन इस काम में गफलत हुई तो दौसा के दो ब्लॉक को भंग करने का आदेश निरस्त भी कर दिया।

प्रदेश कांग्रेस महासचिव एवं प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी के अनुसार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के निर्देशों पर सभी जिला कांग्रेस कमेटियों की बैठक प्रदेश

- **प्रदेश कांग्रेस के आदेशों में हुई गफलत**

पदाधिकारी प्रभारियों द्वारा ली गई थी तथा निष्क्रिय तथा सक्रिय पदाधिकारियों का फीडबैक प्रदेश कांग्रेस को कांग्रेस के जनप्रतिनिधियों, विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव लड़े प्रत्याशियों तथा प्रभारी पदाधिकारियों से प्राप्त हुआ था। इस फीडबैक के आधार पर संगठनात्मक पुर्नगठन के लिए प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा के निर्देशानुसार सिरोही जिले की रेवदर एवं आबूरोड़, करौली जिले की हिण्डौन शहर व हिण्डौन देहात, टोंक जिले की टोडारायसिंह, देवली, अलीगढ़-उनियारा, दौसा जिले के दौसा एवं लवाण तथा हनुमानगढ़ जिले ब्लॉक भादरा शहर के ब्लॉक अध्यक्ष व ब्लॉक कार्यकारिणी एवं मण्डल अध्यक्ष तथा मण्डल कार्यकारणी की नियुक्तियों को तुरन्त प्रभाव से भंग किया गया है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला पदाधिकारी प्रभारियों, जिलाध्यक्षों तथा जिले के प्रमुख कांग्रेस नेताओं से 15 दिवस में प्रस्ताव लेकर इन ब्लॉक एवं मण्डल कांग्रेस कमेटियों का पुनः गठन किया जाएगा। 10 ब्लॉक और मंडल भंग करने के आदेश के तुरंत बाद भूल सुधार करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी दौसा के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दौसा तथा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लवाण के ब्लॉक अध्यक्ष व ब्लॉक कार्यकारिणी एवं मण्डल अध्यक्ष तथा मण्डल कार्यकारिणियों की नियुक्तियों को भंग किए जाने के आदेशों पर तुरन्त प्रभाव से रोक लगायी जाकर यथावत रखा गया है।

पूर्व पत्नी से दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को सजा

जयपुर, (का.सं.)। महानगर द्वितीय की महिला उत्पीडन प्रकरण मामलों की विशेष अदालत ने पूर्व पत्नी के घर में घुसकर उसके साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त पूर्व पति को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर दस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी आशुतोष कुमावत ने अपने आदेश में कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं के साथ इस प्रकृति के अपराध बढ़ रहे हैं। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता। अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक ने बताया की घटना को लेकर पीडिता ने 14 अक्टूबर, 2021 को आमेर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि वह अपने पुत्र और पुत्री के साथ रहती है। उसका अपने शौहर से 9 अप्रैल, 2021 को तलाक हो चुका है। इसके बावजूद वह आए दिन उसे व बच्चों को जान से मारने की धमकी देकर बलात्कार करता है।

चार बैट्रियां चोरी

जयपुर। विद्याधरनगर स्थित परिवहन कार्यालय द्वितीय के नाले के पास वाली दीवार फांदकर चोर अंदर घुसे और ई रिक्शा की चार बैट्रियां खोलकर ले गए। घटना के सम्बंध में जिला परिवहन अधिकारी ने विद्याधर नगर थाने में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस के अनुसार जिला परिवहन अधिकारी संजय शर्मा ने मामला दर्ज करवाया कि जिला परिवहन कार्यालय द्वितीय की नाले के पास वाली दीवार फांदकर चोर अंदर घुसे। एक सीज ई रिक्शा की चार बैट्रियां खोलकर ले गए।

पशुपालकों के सशक्तिकरण के लिए राज्य बजट में दी गई ढेरों सौगातें : भजनलाल शर्मा

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि परिवर्तित राज्य बजट 2024-25 में की गई घोषणाओं से विकसित राजस्थान का सपना साकार होगा। प्रदेश की 8 करोड़ जनता की आकांक्षाएं एवं उम्मीदें इस बजट से पूरी होंगी। उन्होंने कहा कि किसान, पशुपालक, युवा, महिला सहित सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर सिरोही एवं बाली सहित विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से राज्य बजट में की गई घोषणाओं के लिए धन्यवाद देने आए देवासी समाज के प्रतिनिधिमण्डल को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र के सभी वादों को हमारी सरकार पूरा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान है और राज्य की अर्थव्यवस्था में पशुपालकों का अहम योगदान है। इसी को ध्यान में रखते हुए बजट में पशुपालकों के सशक्तिकरण के लिए ढेरों सौगातें दी गई हैं। पशुपालन संवर्द्धन, संरक्षण एवं विकास हेतु 250 करोड़ रुपये से मुख्यमंत्री पशुपालन विकास कोष का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दुधारू पशुओं के नस्ल विकास एवं नर गौवंश की समस्या के समाधान के लिए अनुदान राशि 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 75 प्रतिशत की जाएगी। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में पशु चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के लिए 125 पशु चिकित्सकों तथा 525 पशुधन सहायकों के नये पदों के सृजन, ग्राम पंचायतों में इस वर्ष 500 नवीन पशु चिकित्सा उपकेन्द्र खोले जाने सहित विभिन्न घोषणाएं राज्य बजट में की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न पशु चिकित्सा संस्थानों में चरणबद्ध रूप से आधारभूत सुविधाओं के विकास, भवन निर्माण एवं मरम्मत कार्य व उपकरण आदि के लिए 200 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। साथ ही, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना प्रारम्भ की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऊँटपालकों को दी जाने वाली सहायता राशि को 10 हजार से बढ़ाकर 20 हजार रुपये प्रतिवर्ष किया जाएगा एवं पंजीकृत गौशालाओं को देय अनुदान में 10 प्रतिशत की वृद्धि की जायेगी।

शर्मा ने कहा कि दुग्ध उत्पादकों की सुविधाओं में वृद्धि के लिए भी बजट में कई प्रावधान किए गए हैं। लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से सरदारशहर-चूरू, रानीवाड़ा-सांचौर, झालावाड़, भरतपुर, नागौर तथा बीकानेर में मिल्क प्रोसेसिंग प्लांटस का सुदृढ़ीकरण, 95 करोड़ रुपये की लागत से पाली में 30 मीट्रिक टन क्षमता का अत्याधुनिक मिल्क पाउडर प्लांट तथा 25 करोड़ रुपये से कोटा में केटल फीड प्लांट स्थापित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 2 हजार नये डेयरी बूथ खोले जाएंगे। इस वर्ष शहरी क्षेत्रों में एक हजार सरस मित्र बनाएंगे, 2 वर्षों में 1 हजार 500 नई दुग्ध सहकारी समितियां तथा किसानों को दूध का उचित मूल्य दिलाने हेतु 2 हजार दुग्ध संकलन केन्द्र खोले जायेंगे। इस दौरान पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, जालोर-सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी, देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना, विधायक पुष्पेन्द्र सिंह राणावत, समाराम एवं गोपीचंद मीणा सहित जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में देवासी समाज के लोग उपस्थित रहे।

बजट सौगातों के लिए देवासी समाज के प्रतिनिधियों ने आभार जताते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का अभिनंदन किया। इस दौरान पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, जालोर-सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी, देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना, विधायक पुष्पेन्द्र सिंह राणावत, समाराम एवं गोपीचंद मीणा सहित जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में देवासी समाज के लोग उपस्थित रहे।

- **'राज्य की अर्थव्यवस्था में पशुपालकों का अहम योगदान'**
- **'250 करोड़ रुपये से किया जाएगा मुख्यमंत्री पशुपालन विकास कोष का गठन'**

रोबोटिक फिजियोथैरेपी से मरीज फिर सामान्य हुआ

जयपुर। दो साल पहले 63 वर्षीय संजीव शर्मा (परिवर्तित नाम) को ब्रेन स्ट्रोक हुआ था, जिसके बाद उनके शरीर का दाहिना हिस्सा काम करना बंद कर दिया था। इस घातक घटना ने उनकी जिंदगी को बिस्तर तक सीमित कर दिया। उन्हें सामान्य कार्यों के लिए अपने परिवारजनों पर निर्भर रहना पड़ा। ऐसे में रोबोटिक फिजियोथैरेपी उनके लिए वरदान साबित हुई और उनका जीवन पुनः सामान्य हो सका।

संजीव शर्मा का इलाज जयपुर के सीनियर फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. आशीष अग्रवाल के नेतृत्व में किया गया। डॉ. आशीष अग्रवाल ने बताया कि संजीव शर्मा के शरीर के दाहिने तरफ़ में काफ़ी कमजोरी आ गई थी। सामान्य फ़िज़ियोथेरेपी से ज़्यादा सुधार नहीं आ रहा था। रोबोटिक फ़िज़ियोथेरेपी से पैर की कमजोर मांसपेशियों को सुधारने के लिए लोअर लिंब एंड गैट रोबोट का उपयोग किया गया। यह रोबोट उन्हें खड़ा होने और चलने में सहायता प्रदान करता है, जिससे उनकी गतिशीलता में सुधार हुआ और मरीज़ अब बिना किसी सहारे के चल पा रहा है। स्ट्रोक के बाद, संजीव शर्मा की बोलने की क्षमता भी प्रभावित हुई थी। जिसके लिए मरीज़ के ब्रोकाज एरिया को ब्रेन में नए न्यूरल कनेक्शन बनाने के लिए थ्री टेस्ला ब्रेन स्टिम्यूलेशन की सहायता से स्टिम्यूलेट किया गया, जिससे मरीज़ की बोलने के क्षमता में सुधार हुआ। कंधे एवं हाथ की मांसपेशियों में जीरो पावर होने के कारण वह हाथ नहीं उठा पा रहे थे, उन्हें सक्रिय करने के लिए लूना ईएमजी नेक्स्ट जेनरेशन रोबोट का उपयोग किया गया। डॉ. आशीष ने बताया कि इस तकनीक से मरीज़ जीरो पावर होने पर भी ब्रेन से कमांड देकर एक्टिव एक्सरसाइज करता है जिससे मरीज का दिमाग पहले से बेहतर ढंग से हाथ और पैर को नियंत्रित करने में सक्षम हो सका।

- **2 साल पहले ब्रेन स्ट्रोक से मरीज के शरीर में दाहिने हिस्से ने काम करना बंद कर दिया था।**

सार-समाचार

श्रीजी के किए दर्शन

नाथद्वारा, (निसं)। रिलायंस प्रमुख व मन्दिर मण्डल उपाध्यक्षा कोकीला बेन बेन अबानी व अनील अबानी ने श्रीनाथजी के आरती के दर्शन किए महाप्रभु जी की बैठक मे युवराज विशाल बावा ने उनका फेटा उपरना रजाई प्रसाद प्रदान कर स्वागत किया।

पाइप लाइन क्षतिग्रस्त

डूंगरपुर, (निसं)। नगर परिषद क्षेत्र में आए दिन निजी कंपनियों द्वारा केबल बिछाने के दौरान पाइप लाइनों को क्षतिग्रस्त किया जाता है जिसके कारण पेयजल आपूर्ति की पाइप लाइन क्षतिग्रस्त हो जाती है। इसी तरह शनिवार को भी तहसील चौराहे पर पेयजल आपूर्ति की मुख्य पाइप लाइन क्षतिग्रस्त कर दी, जिसके कारण शनिवार को लाखो लीटर जहां पानी व्यर्थ बह गया। जिसके कारण शनिवार को शास्त्री कॉलोनी, आदर्शनगर लिंक रोड सहित भीतरी शहर में होने वाली पेयजल आपूर्ति नहीं हो सकी। जानकारी मिलते ही जलदाय विभाग के सहायक अभियंता एवं कार्मिक मौके पर पहुंचे तथा पेयजल आपूर्ति की लाइन को ठीक करने का प्रयास किया गया लेकिन पूरी तरह दुरुस्त नहीं होने के कारण रविवार को भी होने वाली पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी। सहायक अभियंता वितरण शंकर लाल रोत ने बताया कि आए दिन नगर परिषद क्षेत्र में केबल डालने तथा सीवरेज लाइन के कार्य के दौरान पाइप लाइनों को तोडा जा रहा है जिसके कारण पेयजल आपूर्ति बाधित हो रही है।

पुलिस उप अधीक्षक का स्वागत

डूंगरपुर, (निसं)। दोवडा में मिनी सचिवालय में व्यापार मंडल दोवडा की तरफ से पुलिस उप अधीक्षक आसपुर हरजीराम चौधरी का व्यापार मंडल की तरफ से देवसोमनाथ मंदिर की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार पाटीदार, महामंत्री कांतिलाल पाटीदार, उपाध्यक्ष प्रेम शंकर पाटीदार, सूर्यवीर सिंह राठौड, जयंतीलाल पाटीदार, विजय कलाल, मणिलाल खटीक, राजेश दर्जी, संजय कुमार पाटीदार आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी डूंगरपुर के महामंत्री मनोज पाटीदार, दोवडा थाना अधिकारी मदन लाल खटीक, सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रिंसिपल हंसमुख पंचाल आदि मंचासीन रहे। कार्यक्रम में सरपंच दोवडा दया शंकर परमार, रघुनाथपुरा गणेश लाल ननोमा, रागेला मांगीलाल ननोमा, वसी पाल वासुदेव कटारा, पूर्व सरपंच फलोज सूरजमल अहारी, ब्लॉक काँग्रेस उपाध्यक्ष रूपदेव ननोमा, पूर्व उप प्रधान वल्लभ राम पाटीदार, सिंह नितिन आदि उपस्थित रहे।

विद्युत खंभों में दौड़ा करंट

डूंगरपुर, (निसं)।शहर की बिगडती विद्युत व्यवस्था को लेकर कई बार जिला प्रशासन सहित निगम के अधिकारियों को अवगत कराया जाता है लेकिन इसके बावजूद न तो भीतरी शहर की लाइनों को व्यवस्थित किया जाता है और न ही इस पर कोई कार्यवाही होती है जिसके चलते आए दिन भीतरी शहर के विद्युत पोलो के करंट दौडना सामान्य बात हो गई है। जिसके कारण पिछले दिनों घाटी क्षेत्र में करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई थी। शनिवार को माणक चौक से लगाकर पुराना अस्पताल तक विद्युत पोलो के करंट दौडने लगा लेकिन जागरूक नागरिकों की सजगता से समय रहते विभाग को अवगत करा दिया गया, और काफी मशक्कत के बाद विभाग के कार्मिकों को करंट दौडने की मुख्य वजह का पता चल पाया। जिसके चलते भीतरी शहर में लंबे समय तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। जबकि बारिश के पूर्व कई बार रखरखाव के नाम पर विद्युत आपूर्तिया बंद की गई थी। लेकिन इसके बावजूद भी व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ। नागरिकों ने भीतरी शहर में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को चाक चौबंद करने की मांग की है। ताकि होने वाले हादसों से बचाया जा सके।

कार्यशाला का आयोजन

राजसमंद, (निसं)। जिले के राउमावि बोरज में उप प्राचार्य नारायणसिंह राव की अध्यक्षता में मतदाता क्लस्टर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें अहर्ता दिनांक तक 18 वर्ष की आयु करने वाले लोगों को जागरूक करने एवं मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने के लिए प्रेरित किया गया। सुपरवाइजर राकेश कुमार सेन ने 17 से 18 वर्ष या 18 वर्ष पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों को मतदाता सूची में नाम जुडवाने की प्रक्रिया से अवगत कराया एवं विद्यार्थियों को कहा कि आप स्वयं एवं अपने परिवार एवं मोहल्ले में जो लोग इस आयु को प्राप्त कर चुके हैं उनके नाम मतदाता सूची में अवश्य जुडवाने का प्रयास करें। उप प्राचार्य नारायणसिंह राव ने निर्वाचन साक्षरता क्लब की जानकारी देते हुए लोकतंत्र में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला।

लोहारिया हाईवे से हटेंगे अतिक्रमण

बांसवाड़ा, (निसं)। सम्भागीय आयुक्त डॉ. नीरज के. पवन ने लोहारिया गांव से निकलने वाले हाईवे पर अतिक्रमण के विरुद्ध कार्यवाही के लिये अधिकारियों को निर्देश दिए। उक्त क्षेत्र में अतिक्रमण की वजह से यातायात में बाधा उत्पन्न होती है जिसके बारे में आयुक्त को सूचना मिली थी जिस पर शनिवार को डॉ. पवन ने मौके का जायजा लेते हुए अतिक्रमण हटाने के लिये सम्बंधित अधिकारियो को निर्देश दिये।

सांवलिया सेठ के भंडार से निकले 6 करोड़ 11 लाख रुपए

मंडफिया, (निसं)। मेवाड अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में दो दिवसीय हरियाली अमावस्या का मेला प्रारंभ हो गया है। मेले के प्रथम दिन चतुर्दशी शनिवार को मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भेरूलाल गुर्जर एवं भदेसर उपखंड अधिकारी विजयेश कुमार पांडेय की उपस्थिति में भगवान सांवलिया जी सेठ का विशाल भंडार खोला गया। मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर ने बताया कि चतुर्दशी को खोले गए भंडार से 06 करोड 11 लाख रुपए नगद प्राप्त हुए।

उन्होंने ने बताया कि भंडार से बची

- शेष राशि एवं भंडार से निकले सोने चांदी का तोल होना बाकी

भंडार गिनती में उपस्थित मंदिर बोर्ड अध्यक्ष गुर्जर, एसडीएम पांडेय एवं पदाधिकारी।

राशि एवं भंडार से निकले सोने चांदी का तोल होना बाकी है। मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर ने बताया कि मंदिर कार्यालय में विभिन्न भक्तों द्वारा भेंट किए गए सोने चांदी का तोल एवं भक्तों द्वारा भेंट रुपयों की गिनती होना शेष है। इस मौके पर मंदिर मंडल की ओर से यात्रियों की सुविधाओं के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई। भंडार गिनती में भदेसर तहसीलदार हेमेंद्र मीणा, कपासन प्रधान एवं मंदिर बोर्ड सदस्य भेरूलाल जाट, संजय कुमार मंडोवरा, भेरूलाल सोनी, अशोक शर्मा, भादसोड़ा सरपंच एवं मंदिर बोर्ड सदस्य शंभू लाल सुथार, श्रीलाल पाटीदार, कांठोस युवा नेता सुरेश चंद्र गुर्जर, प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर, लेखाधिकारी राघव शर्मा, मंदिर प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह राजपूत, लेहरी लाल गाडरी, मनोहर लाल चौबीसा सहित मंदिर एवं बैंक कर्मचारी उपस्थित थे। इसी प्रकार समीपवर्ती नरबदिया गांव स्थित अनगढ़ बावजी तीर्थ स्थल का भंडार भी खोला गया।

11 हजार कावड़िये करेंगे महादेव का अभिषेक

उदयपुर (कासं)। शिव महोत्सव समिति की ओर से आगामी 9 अगस्त को गंगा के चौथे पाये गंगु कुंड से उभयेश्वर महादेव तक की निकाली जाने वाली 19वीं विशाल कावड यात्रा के हर वर्ग की भागीदारी को लेकर आयोजित सात दिवसीय समारोह के तीसरे दिन शनिवार को गंगु कुंड परिसर में बने नगर निगम सामुदायिक भवन में महादेव धर्मोत्सव समिति की ओर से दो दिवसीय अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन किया जायेगा। पंडित पवन शर्मा, देवेन्द्र शर्मा, एडवोकेट उदय सिंह देवडा की टीम द्वारा 24 घंटे तक विधि विधान एवं मंत्रोच्चारण के साथ संगीतमय रामायण पाठ किया जायेगा।

इस अवसर पर अध्यक्ष यज्ञ नारायण शर्मा, सात दिवसीय समारोह संयोजक एडवोकेट रामकृपा शर्मा, क्षेत्रीय पार्षद एवं गैराज समिति अध्यक्ष मनोहर चौधरी, विजय वैष्णव, मानसिंह हाडा, सुरेश रावत, महेश भावसार, भागीदारथ सिंह, सुरेश साहू, संतोष शर्मा, गोपाल रावल, पुष्कर दवे, शेखर रावल, कर्ण सिंह शक्तावत आदि मौजूद रहे।

मंगल भवन अमंगल हारी से गुंजा गंगोद भव कुंड परिसर।

दशामाता का 10 दिवसीय व्रत अनुष्ठान आज से

डूंगरपुर, (निसं)। शहर सहित जिले के विभिन्न गांवो एवं कस्बों में रविवार से हरियाली अमावस्या के साथ ही वागड अंचल में प्रारम्भ होने वाले सुख एवं सौभाग्य की कामना के दस दिवसीय दशामाता पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। श्रद्धालु बाजार में व्यापारियों द्वारा लाई गई माताराणी की कलात्मक प्रतिमाओं के साथ ही पूजन सामग्री की खरीददारी करने बाजार में पहुंच रहे है। श्रावण शुक्ला प्रतिपदा को श्रद्धालु शुभ मुहुर्त में ढोल नगाडों के साथ अपने घरों में माताराणी की प्रतिमा को स्थापित करेंगे। 10 दिवसीय पर्व पर रोजाना अलग-अलग दशा माता का श्रृंगार, साज सज्जा एवं प्रसाद का भोग धराया जाएगा। वहीं प्रतिदिन सुबह एवं शाम को पूजा अर्चना के साथ आरती की जाएगी।

पोस्टर प्रतियोगिता में एल्बिन प्रथम

उदयपुर, (कासं)। गीतांजलि कॉलेज एवं स्कूल आफ नर्सिंग मे चाइल्ड हेल्थ नर्सिंग एवं गायनेकोलॉजी नर्सिंग विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह 2024 के उपलक्ष में तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ डीन डॉ. विजया अजमेरा के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया।

कार्यक्रम में प्रिंसिपल प्रो. डॉ.

- गर्भवती महिलाओं व माताओ को स्तनपान के लाभ, महत्वता के बारे में बताया

विश्व स्तनपान सप्ताह 2024 के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित हुआ।

योगेश्वर पूरी गोस्वामी, प्रिंसिपल प्रो. दिनेश कुमार शर्मा, एकेडेमिक ऑफिसर प्रो. कमलेश जोशी सभी विभागाध्यक्ष, शिक्षक गण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन इंद्रजीत सिंह शक्तावत विभागाध्यक्ष चाइल्ड हेल्थ नर्सिंग एवं माधुरी व्यास असिस्टेंट प्रोफेसर गायनेकोलॉजी नर्सिंग द्वारा किया गया।विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत स्तनपान की विशेषता, महत्वता एवं अनिवार्यता पर जानकारी शिक्षकों द्वारा विभिन्न सत्रों के रूप में दी गयी कार्यक्रम में शैक्षिणक सत्र, हेल्थ एजुकेशन, पोस्टर, प्रश्नोत्तरी, रैली, स्किट, स्पीच आदि प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया जिसमे बी.एससी. नर्सिंग तृतीय वर्ष एवं जी. एन.एम. तृतीय वर्ष के छात्रों ने बढ चढकर हिस्सा लिया, जिसमे पोस्टर में प्रथम एल्बिन, टेस्सी द्वितीय केविन, नैंसी एवं प्रश्नोत्तरी में राजवीर, रेवती, वर्षा, प्रवीण, आयुष, रेखा, तुषिता, एवं स्पीच में प्रथम शीतल चनवाल, द्वितीय एल्बिन सीबी आदि छात्रों ने स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत गीतांजलि हॉस्पिटल की गायनिक ओपीडी में माताओ को पोस्टर एग्जिबिशन कर हेल्थ एजुकेशन दी गयी, इसका शुभारंभ गीतांजलि हॉस्पिटल उदयपुर के मेडिकल सुपरीटेंडेंट डॉ. हरप्रीत सिंह जी के द्वारा किया गया।

स्तनपान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए कॉलेज छात्रों द्वारा रैली, हेल्थ एजुकेशन एवं नाटक मंचन विजय सिंह पथिक नगर कच्ची बसती सवीना उदयपुर में किया गया, इसमें 50 से अधिक गर्भवती महिलाओं एवं माताओ को स्तनपान के लाभ, अनिवार्यता, महत्वता के बारे में बताया गया।

सार-समाचार

प्रतिनिधि मंडल ने सौंपा ज्ञापन

राजसमंद, (निसं)। लघु उद्योग भारती राजसमंद का प्रतिनिधि मंडल अखिल भारतीय संगठन मंत्री लघु उद्योग भारती प्रकाशचंद्र के निर्देशानुसार जयपुर जाकर उपमुख्य मंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी से मिला। प्रतिनिधि मंडल द्वारा निवर्तमान राजसमंद सांसद को वर्तमान राजस्थान सरकार में उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री के दायित्व के लिए समस्त लघु उद्योग भारती राजसमंद परिवार की ओर से शुभकामनाएं दी। साथ ही वर्तमान बजट में जिले को मार्बल मंडी की सौगात दिये जाने के लिए आभार ज्ञापित किया गया। राजसमंद क्षेत्र के औद्योगिक एवं सर्वांगीण विकास एवं मृत प्राय: हुए मार्बल व्यवसाय को संजीवनी प्रदान करने के लिए प्रतिनिधि मंडल द्वारा ज्ञापन सौंपते हुए अध्यक्ष संदीप सामसुखा ने विस्तृत रूप से स्वदेशी (घरेलू) मार्बल एवं ग्रेनाइट पर जीएसटी कम करने, राजसमंद क्षेत्र को औद्योगिक गैस पाइप लाइन से जोडने एवं सिरेमिक क्लस्टर की घोषणा, डीएमएफटी कोष द्वारा क्षेत्र के विकास में कन्वेंशन एवं फैसिलिटेशन सेंटर, एक्सपोर्ट प्रमोशन कौंसिल सेंटर, अनुसंधान एवं विकास केन्द्र, माइनिंग एवं औद्योगिक क्षेत्रों में सडक परिवहन सुदृढीकरण, प्रदूषण मुक्ति के लिए माइनिंग क्षेत्र से निकलने वाले वाहनों की वाटर स्प्रिंकलर से धुलाई, बेहतर अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा, सीडीओएस द्वारा एशिया के सबसे बडे मार्बल के उत्पादन एवं प्रसंस्करण केंद्र राजसमंद पर प्रदर्शनी के आयोजन करने, इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक कॉरिडोर कनेक्टिविटी एवं मार्बल ग्रेनाइट पर रॉयल्टी दरें कम करने के विषय साझा किए। विषयों को संज्ञान में लेते हुए उपमुख्य मंत्री द्वारा वित्त सचिवालय, माइनिंग विभाग, जिला कलेक्ट्रेट पर संवाद कर आवश्यक निर्देश दिए एवं सकारात्मक गतिशील निर्णयों का आश्वासन देते हुए सचिवालय में वित्त सचिव एवं संबंधित अधिकारियों से मिलना एवं ज्ञापन की प्रतिलिपि देना सुनिश्चित किया। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल में महामंत्री हेमंत सहलोत, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य बाबूलाल कोठारी, हर्षलाल नवलखा, उपाध्यक्ष उत्तम कावडिया, जेतपुरा इकाई अध्यक्ष रमेश बियानी, रवींद्र मेडतिया, सचिव कुलदीप व्यास एवं प्रकाश हिंगर, कार्यकारिणी सदस्य संजय व्यास मौजूद थे।

भजन संध्या का आयोजन

बांसवाड़ा, (निसं)। श्री पीताम्बरा आश्रम में श्री हनुमत चरित्र प्रचार समिति की ओर से ख्यात कथावाचक पं. देवकीनन्दन जोशी की तेरहवीं पुण्यतिथि पर एक शाम नन्दन के नाम भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें भजन गायकों ने संगीत गुरु पं. देवकीनन्दन जोशी द्वारा रचित एवं दशकों तक लोकप्रिय रहे उनके भजनों की लोकवाद्यों की संगत पर माधुर्यपूर्ण प्रस्तुतियों से भावपूर्ण श्रद्धान्जलि अर्पित की। भजन संध्या में किंकर कपिल जोशी, अमृतलाल सनाढ्य, गजेन्द्र पंड्या, माधव जोशी, नन्दकिशोर वैष्णव, सुशील त्रिवेदी, चन्द्रकान्त कंसारा, अशोक पालीवाल, विष्णु कंसारा, हितेश वैष्णव, हरीश पंचाल, संजय सेठिया एवं लोकेन्द्र पुरोहित ने गुरुजी द्वारा रचित भजनों का गायन कर गुरु के प्रति कृतज्ञता अंजलि अर्पित की। इस दौरान कन्हैयालाल राव ने ढोलक, राजेन्द्र वैष्णव ने मंजीरे व अनुज कुमार तिवारी ने करताल पर संगत दी। इससे पूर्व भजन गायकों ने हनुमान विठाह की पूजा-अर्चना के उपरान्त आध्यात्मिक विभूति संत स्वामी हरिहरस्वरूप ब्रह्मचारी महाराज एवं संगीतकार पं. देवकीनन्दन जोशी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर भजन संध्या का शुभारंभ किया। भजन संध्या के उपरान्त श्री हनुमत चरित्र प्रचार समिति के संचालक किंकर कपिल जोशी ने हनुमान आरती विधान पूर्ण किया।

ग्रीन डे श्रावण उत्सव मनाया

राजसमंद,०(निसं)। जिला मुख्यालय स्थित संस्कार सेकेंडरी स्कूल कमल तलाई में श्रावण मास और हरियाली अमावस के उपलक्ष में शनिवार को ग्रीन डे मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानाध्यापक बृजेश कुमार माली द्वारा मां वीणापाणि के सम्मुख दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके बाद कक्षा नर्सरी से सेकंड तक के बालक-बालिकाओं के द्वारा सरस्वती वंदना की गई। इसके बाद बालकों ने हरे रंग की ड्रेस पहन कर पास में स्थित फार्म हाउस पर भ्रमण करते हुए प्रकृति की हरियाली से अवगत हुए तथा पेड पौधों से परिचय प्राप्त किया। इसी के साथ सेव ट्री पर अध्या प्रभारी सुनीता शर्मा, ललित कुमावत आदि ने पेडों का महत्व समझाया। इसके बाद प्रभारी सुमित्रा पालीवाल, प्रिया माली, हेमलता श्रीमाली ने बालकों ने विद्यालय के खेल मैदान पर छाता रेस, रेनी डांस, फैंसी ड्रेस तथा सब्जियों फलों व पेड की प्रति तथा मॉडल बनाकर गतिविधि करवाई। इसी क्रम में छाता रेस में प्रथम व द्वितीय कक्षा के युवराज कुमावत प्रथम, द्वितीय स्थान पर मनीषसिंह जाट व तृतीय स्थान पर निकुंज कुमावत व केजी ग्रुप में प्रथम अजय सालवी, द्वितीय प्रियांशु पुर्बिया, तृतीय कुणाल देवडा व वेदांशी कुमावत रही। यह जानकारी मिडिया प्रभारी सुमित्रा पालीवाल ने दी।

स्वर्ण प्राशन शिविर आज

राजसमंद, ०(निसं)। राजकीय जिला आयुर्वेद चिकित्सालय द्वारा हर पुष्य नक्षत्र को आयोजित होने वाला इस सत्र का पांचवा स्वर्ण प्राशन शिविर रविवार को होगा। शिविर प्रभारी डॉ परसराम योगी ने बताया कि शिविर में जन्म से लेकर 16 वर्ष तक के सभी बच्चों को नि:शुल्क स्वर्ण प्राशन ड्रॉप्स पिलायी जाएगी। पूर्व में चारों शिविर में स्वर्ण प्राशन ड्राप्स पीने वाले बच्चें भी नियमित रूप से दवा का सेवन करने शिविर में आएं। शिविर का समय प्रात: 9 बजे से 12 बजे तक राजकीय जिला आयुर्वेद चिकित्सालय गणेश नगर रहेगा।

शॉर्ट फिल्म में दिखेगी डूंगरपुर की प्राकृतिक व सांस्कृतिक विरासत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में पर्यटन की दृष्टि से उपलब्ध प्रचुर संभावनाओं, जिले की समृध्द ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक विरासत को देश और राज्य के पर्यटन मानचित्र पर पहचान दिलाने के लिए एक शार्ट फिल्म तैयार करवाई जा रही है। दो दिन तक शार्ट फिल्म की शूटिंग उदयविलास, गैप सागर, बेणेश्वर धाम, देवसोमनाथ आदि स्थानों पर की जाएगी।

जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह के संरक्षण और पीआरओ विपुल शर्मा के मार्गदर्शन में डूंगरपुर जिले में पर्यटन

- पहले दिन उदय विलास पैलेस, जूना महल, हजारेश्वर महादेव पर फिल्माए गए सीन
- जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने किया शॉर्ट फिल्म का मुहूर्त

जिला कलक्टर सिंह के साथ शूटिंग यूनिट।

को बढावा देने के लिए भरत कंसारा के निर्देशन में डूंगरपुर जिले के ऐतिहासिक और प्राकृतिक रमणीय स्थानों को दर्शाया जाएगा। फिल्म के निर्देशक सुदीश खनुजिया और फिल्म की हीरोइन उर्वशी शर्मा है, जिन्होंने लावास्ते फिल्म के साथ ही बडे बजट की कई विज्ञापन फिल्मों में काम किया है। बादल महल, गेपसागर,उदय बिलास पैलेस, देवसोमनाथ, हजारेश्वर महादेव, जूनागढ पैलेस, फतहेगढी, नवलक्खा बावडी, बेणेश्वर धाम पर शूट होंगे।

पहले दिन उदय विलास पैलेस, जूना महल, हजारेश्वर महादेव आदि स्थानों पर फिल्म के ओपनिंग सीन फिल्माए गए। सीन की शुरुआत कुछ इस तरह हुई- मैं घुमक्कडी हूं। अमरीका, यूरोप, कनाडा... 80 से ज्यादा देश देख चुकी हूं। कहते हैं यात्राएं आपको वो सिखाती हैं जो कोई नहीं सिखा सकता... हर यात्रा एक नोवल पढने के बराबर है... घुमक्कडी एक कस्टमाइज्ड बस में उदयपुर की ओर जा रही है और बाहर देख रही है। बस कहीं रुकती है और उसका बैग दूसरे यात्री से बदल जाता है। यात्री बस से उतरता है, अचानक उसे पता चलता है कि उसका बैग बदल गया है, वो जोर से चिल्लाती है और उसका पीछा करती है लेकिन वो एक कस्टमाइज्ड बाइक से फरार हो जाता है... वो उदास हो जाती है। उसके बैग में मैकबुक एयर है। वो तुरंत अपना फोन निकालती है और ट्रैक माई डिवाइस ऐप खोलती है... इसके बाद फिल्म में कई दिलचस्प मोड आते हैं। दर्शक मेरा डूंगरपुर, मेरा राजस्थान... थीम पर आधारित इस फिल्म में डूंगरपुर की खूबसूरती का अनुभव करेंगे।

राउमावि नगर में ब्लॉक स्तरीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण का शुभारंभ

बांसवाड़ा, नगर उच्च माध्यमिक विद्यालय में सात दिवसीय ब्लॉक स्तरीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ सीबीईओ रेखा रोत की अध्यक्षता एवं एसीबीईओ हितेश स्वर्णकार के सानिध्य में किया गया। द्वितीय दिवस सत्र में बेटियां हैं अनमोल उन्हें अच्छी परवरिश कैसे दी जाए विषय पर मुख्य अतिथि बेटी बचाओ बेटी पढाओ अभियान की ब्रांड एम्बेसडर डॉ. रक्षा सराफ ने प्रशिक्षणार्थियों के साथ चर्चा की गई। सराफ ने कहा कि माता-पिता परिवार के पश्चात शिक्षक ही है जो स्नेह और आत्मीयता के साथ बच्चो में अनुशासन और संस्कारों का बीजारोपण करता है। नियमित संवाद, हाव भाव, मनरूस्थिति आदि को पहचानकर बेटियों की भावना को समझे और उनमें आत्मविश्वास पैदा करे तभी वे सशक्त होकर अपने स्वयं के लिए निडरता से खडी हो पाएगी। बेटियों की परवरिश में उन सभी बातों का ध्यान रखना आवश्यक है जिससे वे न केवल आत्मनिर्भर बन सकें बल्कि समाज में अपनी पहचान भी बना सकें। उन्हें प्यार, सम्मान और समर्थन प्रदान करना महत्वपूर्ण है ताकि वे एक स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकें।

संभागीय आयुक्त के. पवन ने बच्चों को दिए टिप्स

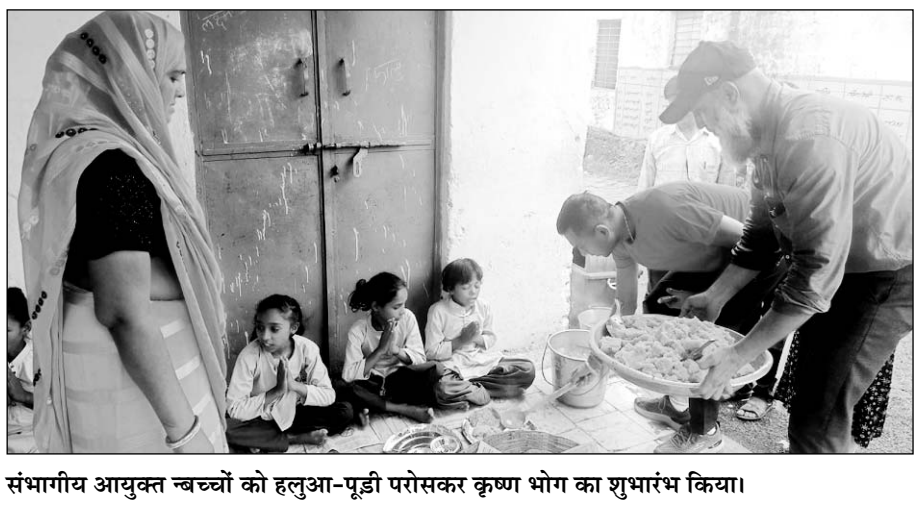

संभागीय आयुक्त न्बच्चों को हलुआ-पूड़ी परोसकर कृष्ण भोग का शुभारंभ किया।

बांसवाड़ा, (निसं)। संभागीय आयुक्त डॉ. नीरज के. पवन ने शहर के समीप लक्ष्मणगढ़ झरी स्थित राउमावि का आकस्मिक निरीक्षण करते हुए शिक्षण सहित विभिन्न विद्यालयी प्रबन्धों और गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया। संभागीय आयुक्त ने विद्यालय की विभिन्न कक्षाओं के बच्चों से संवाद करते हुए उनके मन की कल्पनाओं, भविष्य के सपनों, घर-परिवार की स्थिति, स्कूली व्यवस्थाओं, आवश्यकताओं, खेलकूद आदि के बारे में बातचीत करते हुए सुनहरे भविष्य को पाने के लिए टिप्स दिए वहीं उन्होंने बच्चों से सूचना के अधिकार सहित ग्रामीण विकास गतिविधियों के साथ ही सामान्य ज्ञान एवं परिवेश पर विभिन्न प्रश्न भी पूछे। जिस पर सहजतापूर्वक सभी प्रश्नों के संतोषजनक जवाब देने पर संभागीय आयुक्त ने विद्यार्थियों की प्रशंसा की। संभागीय आयुक्त डॉ. पवन ने भामाशाह प्रेरणा उपाध्याय की ओर से आयोजित कृष्ण भोग का शुभारंभ विद्यार्थियों को हलवा-पूड़ी खिला कर किया। साथ ही विद्यार्थियों को स्टेशनरी भी प्रदान की। सरकारी स्कूल में इस तरह के आयोजन को संभागीय आयुक्त ने सराहते हुए जिले के भामाशाहों से भी आगे आकर गांवों में रहने वाले बच्चों को प्रोत्साहित करने का आव्हान किया।संभागीय आयुक्त डॉ. पवन ने इस दौरान उप प्रधानाचार्य कीर्ति श्रीमाल, प्रीति जैन आदि मौजूद रहे।

चौथा स्थान हासिल करना निश्चित रूप से बहुत अच्छा नहीं लगता लेकिन अगली बार निश्चित तौर पर परिणाम मेरे अनुकूल होगा। अब मेरे पास दो पदक हैं और अगली बार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए ढेर सारी प्रेरणा है। **- मनु भाकर**

भारतीय निशानेबाज, पेरिस ओलंपिक में अपने प्रदर्शन को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

कुमार संगकारा

श्रीलंका के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार संगकारा इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम के हेड कोच बनेंगे या नहीं? इसे लेकर जमकर अटकलें लग रही हैं। संगकारा ने अब अटकलों पर खुद चुप्पी तोड़ी है। संगकारा का कहना है कि इंग्लैंड का कोच बनना किसे के लिए भी रोमांचक होगा लेकिन उन्हें अभी तक औपचारिक तौर पर अप्रोच नहीं किया गया है। बता दें कि मैथ्यू मॉट ने हाल ही में व्हाइट-बॉल हेड कोच के पद से इस्तीफा दे दिया। मॉट का चार साल का अनुबंध था लेकिन दो साल में ही उनकी राहें अलग हो गईं।

क्या आप जानते हैं ?... भारत की ओर से डब्लूटीए टूर्नामेंट जीतने वाली पहली खिलाड़ी सानिया मिर्जा है। सानिया ने फरवरी, 2005 में हैदराबाद टूर्नामेंट जीतते हुए यह उफलब्धि हासिल की।

शूटिंग : अनंत जीत सिंह नरूका पुरुषों की स्कीट फाइनल से चूके

पेरिस, 3 अगस्त। भारतीय निशानेबाज अनंत जीत सिंह नरूका शनिवार को पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों के स्कीट क्वालिफिकेशन राउंड में 24वें स्थान पर रहे। चेटेउरौक्स में, नरूका ने पांच राउंड में कुल 116 का स्कोर बनाया, लेकिन उनका यह प्रदर्शन उन्हें ओलंपिक डेब्यू पर फाइनल में ले जाने के लिए काफी नहीं रहा। केवल शीर्ष छह निशानेबाज आज बाद में पुरुषों के स्कीट फाइनल में हिस्सा लेंगे। भारत ने ओलंपिक में निशानेबाजी में सात पदक जीते हैं। हालांकि, भारतीय निशानेबाज अभी तक ग्रीष्मकालीन खेलों की स्कीट स्पर्धा में पदक नहीं जीत पाए हैं।

नौकायन : विष्णु सरवनन 23वें स्थान पर खिसके

पेरिस, 3 अगस्त। भारत के विष्णु सरवनन शनिवार को पेरिस 2024 ओलंपिक में पुरुषों की डिंगी इवेंट में रेस 5 में 21वें और रेस 6 में 13वें स्थान पर रहे। सभी नावें शुरुआती सीरीज में 10 रेस में हिस्सा लेंगी। सीरीज के बाद शीर्ष 10 नेट स्कोर वाली नौकाएं मेडल रेस में शामिल होंगी। रेस 6 के बाद, एशियन गेम्स के कांस्य पदक विजेता सरवनन 83 नेट स्कोर (कुल 117 अंक) के साथ 23वें स्थान पर हैं। वह कल अपने प्रदर्शन से एक स्थान नीचे खिसक गए हैं। रेस 7 और रेस 8 कल यानी चार अगस्त को आयोजित की जाएंगी।

दिल्ली में शुरू होगी सब जूनियर पुरुष और महिला अकादमी चैम्पियनशिप

नई दिल्ली, 3 अगस्त। दूसरी हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरुष और महिला अकादमी चैंपियनशिप 2024 जोन ए और बी रविवार से नई दिल्ली में पुरुष वर्ग के मैचों के साथ शुरू होगी। इसके बाद पांच अगस्त से महिला वर्ग के मैच शुरू होंगे। पुरुष और महिला दोनों फ़ाइनल 11 अगस्त को होंगे। पुरुष वर्ग के मैच मेजर ध्यानचंद हॉकी ग्राउंड, घुम्मनहेड़ा, दिल्ली में होंगे, वहीं महिला वर्ग के मैच झिलमिल हॉकी सेंटर, नई दिल्ली में खेले जाएंगे। अकादमी चैम्पियनशिप के पुरुष वर्ग में भाग लेने वाली टीमें पूल ए में राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी, चीमा हॉकी अकादमी और रितु रानी हॉकी अकादमी हैं। पूल बी में घुम्मनहेड़ा राइजर अकादमी, जय भारत हॉकी अकादमी और आर के रॉय हॉकी अकादमी शामिल हैं। पूल सी राजा करण हॉकी अकादमी, नामधारी स्पोर्ट्स अकादमी और तिरुमावलवन हॉकी अकादमी से बना है।

जय शाह ने दिखाई नई नेशनल क्रिकेट एकेडमी की पहली झलक, जल्द उद्घाटन

नई दिल्ली, 3 अगस्त। बेंगलुरु में जल्द ही एक नई नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) का उद्घाटन होने वाला है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने नए एनसीए की पहली झलक दिखाई है। उन्होंने चार तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें एनसीए का नजारा देखा जा सकता है। बीसीसीआई सचिव ने साथ ही बताया कि यहां क्या-क्या सुविधाएं होंगी? उन्होंने कहा कि नए एनसीए में तीन विश्व स्तरीय खेल मैदान के साथ 45 प्रैक्टिस पिच होंगी। यहां ओलंपिक साइज का स्विमिंग पूल भी होगा। जय शाह ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि बीसीसीआई की नई नेशनल क्रिकेट एकेडमी लगभग पूरी हो गई है और जल्द ही बेंगलुरुमें खुलेगी। नए एनसीए में तीन वर्ल्ड क्लास खेल मैदान, 45 प्रैक्टिस पिच, इनडोर क्रिकेट पिच, ओलंपिक साइज स्विमिंग पूल और अत्याधुनिक ट्रेनिंग, रिकवरी और खेल विज्ञान सुविधाएं होंगी। इस पहल से हमारे देश के वर्तमान और भविष्य के क्रिकेटरों को सर्वोत्तम संभव माहौल में अपना कौशल विकसित करने में मदद मिलेगी। बीसीसीआई सचिव की पोस्ट पर क्रिकेट फैंस के जमकर रिएक्शन आ रहे हैं। एक यूजर ने कहा, युवाओं के लिए बेहतर अभ्यास करने का यह सबसे अच्छा अवसर होगा। दूसरे ने कमेंट किया, सभी युवा खिलाड़ियों के लिए अच्छी खबर। रिकवरी प्रोसेस और भी आसान होगा। तीसरे ने कहा, अच्छी सुविधाओं से ही खिलाड़ियों को अच्छी प्रैक्टिस मिलेगी। अन्य ने लिखा, देश में क्रिकेट की बेहतरी के लिए इसी तरह से पैसे का निवेश किया जाना चाहिए।

मान ने सिंह को अगले मुकाबलों के लिए दी शुभकामनायें

चंड़ीगढ़, 3 अगस्त। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शनिवार को भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को फोन करके पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल मैच के लिये शुभकामनायें दीं। मान ने टेलीफोन पर बातचीत के दौरान अफसोस जताया कि वह पेरिस जाकर भारतीय हॉकी टीम का हौसला बढ़ाना चाहते थे, लेकिन दुर्भाग्यवश केंद्र सरकार ने इसकी अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को अच्छी तरह पता होने के बावजूद, राजनीतिक कारणों से मंजूरी देने से इनकार कर दिया गया। श्री मान ने कहा कि वह मैच के दौरान भारतीय हॉकी टीम के साथ रहना चाहते थे, लेकिन अब उन्हें टीवी स्क्रीन पर मैच का सीधा प्रसारण देखना पड़ेगा। उन्होंने कहा, भले ही मुझे अनुमति देने से इनकार किया गया है, लेकिन पूरा देश और खास तौर पर पंजाब इस मैच के दौरान हॉकी के नायकों के साथ होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक में देश के लिये स्वर्ण पदक जीतकर सफलता की नयी कहानी लिखेगी। उन्होंने कहा कि पूरा देश इस पल का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। पदक लेकर घर लौटने वाली हॉकी टीम का भव्य स्वागत किया जायेगा। मान ने खेल के कुछ तकनीकी पहलुओं को सांझा करते हुये हरमनप्रीत को सलाह दी कि वे टीम के सेंटर में स्थित उन जगहों पर ध्यान दें, जहां से हाल ही के मैचों में ऑस्ट्रेलिया की टीम द्वारा अधिक पास दिये गये थे। उन्होंने कहा कि यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि भारत ने 52 साल के लंबे अंतराल के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम को हराया।

बैडमिंटन में भारत को स्वर्ण की उम्मीद

लक्ष्य सेन पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, 3 अगस्त। पिछले दो ओलंपिक खेलों में चीनी दबदबा वाले समझे जाने वाले बैडमिंटन में भारतीय महिला खिलाड़ियों ने काफी बेहतर प्रदर्शन किया है। बैडमिंटन दो खिलाड़ियों या युगल टीमों द्वारा कोर्ट पर खेला जाने वाला एक रैकेट और शटल के साथ खेला जाने वाला गेम बैडमिंटन कहलाता है।

इस खेल का नाम इंग्लिश काउंटी ग्लोस्टरशायर में ड्यूक ऑफ़ ब्यूफोर्ट के घर बैडमिंटन हाउस से लिया गया है। वर्तमान में बैडमिंटन मैच बेस्ट ऑफ 3 गेम के लिए खेले जाते हैं, जिसके अनुसार पहले जो भी खिलाड़ी 2 सेट अपने नाम कर लेता है वह विजेता घोषित कर दिया जाता है। बैडमिंटन का प्रत्येक राउंड 21-21 पॉइंट का होता है। इस खेल में इस्तेमाल होने वाले कोर्ट की लंबाई 13.4 मीटर होती है। तो वहीं, सिंगल्स के लिए कोर्ट की चौड़ाई 5.8 मीटर और डबल्स के लिए 6.01 मीटर होती है। खेल में प्रयुक्त नेट की निर्धारित ऊंचाई 1.2 ही मीटर रखी जाती है। मैदान के चारों ओर प्रयुक्त डबल लाइन और सिंगल लाइन भी बनी होती है, जिसे सिंगल्स और डबल्स स्पर्धाओं में अलग-अलग तरह से उपयोग में लाया जाता है।

बैडमिंटन का ओलंपिक में डेब्यू 1992 में हुआ था। तो वहीं, मिश्रित युगल स्पर्धा की शुरुआत 1996 के अटलांटा ओलंपिक गेम्स में हुई थी। 2024 के पेरिस ओलंपिक खेलों में भारत को लक्ष्य सेन से स्वर्ण पदक की पूरी-पूरी उम्मीद है। जो सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर चुके हैं। तो वहीं, पिछले दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु इस बार क्वार्टरफाइनल में हारकर टूर्नामेंट से पहले ही बाहर हो चुकी हैं।

12 साल बाद धोनी से मिले टी-20 वर्ल्ड कप 2007 फाइनल के हीरो जोगिंदर शर्मा

नई दिल्ली, 3 अगस्त। 2007 टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल के हीरो जोगिंदर शर्मा की हाल ही में मुलाकात पूर्व कप्तान एमएस धोनी से हुई। जोगिंदर पूरे 12 साल बाद माही से मिले और वह इस दौरान काफी खुश नजर आएं। जोगिंदर शर्मा ने इस मुलाकात की कुछ झलकियां अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है। धोनी से हुई मुलाकात की झलकियां शेयर कीं और कहा कि वह 12 साल बाद धोनी से मिलकर वाकई बहुत खुश हैं। जोगिंदर ने ऐ यार सुन यारी तेरी नाम का एक पुराना हिंदी गाना इस्तेमाल किया और पोस्ट को कैप्शन दिया, "बहुत लंबे समय के बाद धोनी से मिलकर अच्छा लगा। लगभग 12 साल बाद आपसे मिलने का मजा आज अलग था।"जोगिंदर शर्मा ने भारत को 2007 टी20 वर्ल्ड कप का चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। धोनी ने फाइनल का आखिरी ओवर जोगिंदर शर्मा को देकर एक जुआ खेला था और जोगिंदर उनकी उम्मीदों पर खरे उतरे थे। माही का जोगिंदर को आखिरी ओवर देना एक निर्णायक फैसला साबित हुआ, मिस्बाह उल हक का विकेट लेकर जोगिंदर शर्मा ने भारत को पहला टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीताया था।

भारत की तीरंदाजी में पदक का 52 साल का इंतजार और लंबा हुआ

पेरिस, 3 अगस्त। ओलंपिक में तीरंदाजी पदक के लिए भारत का 52 साल पुराना इंतजार शनिवार को यहां चार बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी के बाहर होने के साथ और भी लंबा हो गया। भारतीय मिश्रित टीम के चौथे स्थान पर रहने के एक दिन बाद शनिवार को 30 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने प्री-क्वार्टर फाइनल में जर्मनी की ओलंपिक रजत पदक विजेता मिशेल क्रोपेन को 6-4 (27-24, 27-27, 27-29, 27-27) से हराकर अच्छी शुरुआत की लेकिन वह क्वार्टर फाइनल में 19 वर्षीय कोरियाई खिलाड़ी नाम सुहयोन से 6-4 (26-28, 28-25, 28-29, 29-27, 29-27) से हार गयीं। अपने चौथे ओलंपिक में भाग ले रही अनुभवी भारतीय खिलाड़ी ने धैर्य के साथ संघर्ष किया, दूसरे सेट में अंक बांटे और तीसरे सेट में सात का स्कोर करने के बाद भी अपनी बढ़त 5-1 कर ली।

ब्रिटेन से भिड़ेगी भारतीय हॉकी टीम

नई दिल्ली, 3 अगस्त। भारतीय हॉकी टीम का पेरिस ओलंपिक 2024 में अभी तक का प्रदर्शन काबिले तारीफ रहा है। ग्रुप स्टेज में ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और आयरलैंड को हराने वाली भारतीय टीम की अगली भिड़ंत तय हो गई है। दरअसल, भारत का अगला मुकाबला ग्रेट ब्रिटेन से है। ब्रिटेन अपने ग्रुप ए में तीसरे स्थान पर है, जबकि भारत ग्रुप बी में दूसरे पर काबिज है। वहीं बता दें कि, टोक्यो ओलंपिक में भारत ने क्वार्टर फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन को ही हराया था।

भारतीय हॉकी ने अपने पिछले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को हराकर इतिहास रच दिया था। भारत ने ओलंपिक्स में कंगारू टीम को 52 साल बाद हराया है। लेकिन भारत को ऑस्ट्रेलिया से पहले बेल्जियम के हाथों हार झेलनी पड़ी। वहीं अर्जेंटीना से भारत ने ड्रॉ खेला था। वहीं ब्रिटेन की बात करें तो उसे अपने आखिरी ग्रुप मुकाबले में जर्मनी के खिलाफ 1-2 से हार झेलनी पड़ी। भारत और ब्रिटेन के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला 4 अगस्त रविवार को खेला जाएगा। वहीं ये मुकाबला भारतीय समयानुसार दोपहर 1.30 बजे से शुरू होगा।

सात्विक-चिराग के कोच मैथियास बो ने किया संन्यास का ऐलान

पेरिस, 3 अगस्त। भारतीय पुरुष युगल बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी के कोच मैथियास बो ने पेरिस ओलंपिक 2024 खेलों के बाद अपने संन्यास की घोषणा की है। बो ने सोशल मीडिया पर कहा, मेरे लिए मेरे कोचिंग के दिन समाप्त होते हैं, मैं कम से कम अभी के लिए भारत या कहीं और कोचिंग जारी नहीं रखूंगा। मैंने बैडमिंटन हॉल में बहुत अधिक समय बिताया है और कोच बनना भी काफी तनावपूर्ण है। बो के सानिध्य में भारतीय जोड़ी सात्विक-चिराग ने कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स में खिताब जीते जबकि विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी जीता। उन्होंने अपनी पोस्ट में सात्विक-चिराग की प्रशंसा की। उन्होंने अपने पेरिस 2024 अभियान के बाद कहा, मुझे पता है कि आप लोग निराश हैं, मुझे पता है कि आप भारत के लिए पदक वापस लाना चाहते थे, लेकिन इस बार ऐसा नहीं होना था। बो ने आगे कहा, लेकिन आपके पास गर्व करने के लिए सबकुछ है, आपने इस ओलंपिक कैंप में कितनी मेहनत की है। आपने पिछले वर्षों में बहुत कुछ जीता है और आप भविष्य में भी बहुत कुछ जीतने जा रहे हैं।

हर हॉकी अकादमी, आर्मी बॉयज स्पोर्ट्स कंपनी रिपब्लिकन स्पोर्ट्स क्लब और अश्विनी स्पोर्ट्स अकादमी को पूल-डी में रखा गया

नई दिल्ली, 3 अगस्त। महिला वर्ग में दो पूल हैं। पूल ए में हर हॉकी अकादमी, खालसा हॉकी अकादमी (अमृतसर), अनंतपुर स्पोर्ट्स अकादमी और रितु रानी हॉकी अकादमी शामिल हैं। पूल बी में जय भारत हॉकी अकादमी, सिटीजन हॉकी इलेवन, राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी और आर के रॉय हॉकी अकादमी शामिल हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, खिलाड़ियों के पूर्ण विकास को सुनिश्चित करने के लिए हमें युवाओं को उनके करियर के शुरुआती चरण में पर्याप्त मैच अनुभव प्रदान करना चाहिए। सब जूनियर अकादमी चैंपियनशिप युवाओं को वर्षों से की गई कड़ी मेहनत के परिणामों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच देगी।

अनवर ने बिना उचित कारण के मोहन बागान से तोड़ा नाता : एआईएफएफ

कोलकाता, 3 अगस्त। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने शनिवार को कहा कि डिफेंडर अनवर अली (23) द्वारा अपने क्लब मोहन बागान सुपर जायंट के साथ खिलाड़ी ऋण समझौते से संबंधित समाप्ति बिना किसी उचित कारण के की गई। एआईएफएफ की प्लेयर्स स्टेटस कमेटी ने अपने अंतरिम आदेश में अनवर अली द्वारा अपने क्लब मोहन बागान सुपर जायंट के साथ खिलाड़ी ऋण समझौते से संबंधित बर्खास्तगी को बिना किसी उचित कारण के पाया। समिति ने दो अगस्त 2024 को आयोजित अपनी बैठक में विवाद के दोनों पक्षों को सुना और निष्कर्ष निकाला कि खिलाड़ी द्वारा बिना किसी उचित कारण के अनुबंध समाप्त करने के लिए प्रतिवादी क्लब के लिए उपाय केवल क्षितपूर्ति/मुआवजा और संबंधित विनियमों से उत्पन्न होने वाले अन्य संबंधित परिणामों में निहित है। समिति ने दिल्ली एफसी और ईस्ट बंगाल एफसी को प्रभावित पक्ष पाया और उन्हें अपना लिखित जवाब प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया, साथ ही खिलाड़ी और क्लब को आठ अगस्त, 2024 तक मुआवजे और इस तरह की समाप्ति से उत्पन्न होने वाले किसी भी अन्य परिणाम तक सीमित एक और जवाब प्रस्तुत करने की अनुमति दी गई है। समिति सभी उत्तरों की प्राप्ति पर मुआवजे के मुद्दे और या बिना किसी उचित कारण के ऋण अनुबंध की समाप्ति से उत्पन्न होने वाले किसी भी अन्य परिणाम पर निर्णय लेने के लिए अगली सुनवाई की तारीख तय करेगी।

मनु भाकर पदकों की हैट्रिक लगाने से चूकी

नई दिल्ली, 3 अगस्त। भारतीय निशानेबाज मनु भाकर पेरिस ओलंपिक खेलों की 25 मीटर महिला स्पोर्ट्स पिस्टल निशानेबाजी स्पर्धा में शनिवार को यहां चौथे स्थान पर रहते हुए पदक से चूक गयी। बाइस साल मनु ने आठ महिलाओं के फाइनल में 28 का स्कोर किया और इस खेलों में पदकों की हैट्रिक पूरी करने से चूक गईं। वह शूट-ऑफ में हंगरी की कांस्य पदक विजेता वेरोनिका मेजर से हार गईं। इससे पहले उन्होंने गुरुवार को प्रिसिजन में 294 और रेपिड में 296 अंक के साथ कुल 590 अंक जुटाकर क्वालीफिकेशन में दूसरा स्थान हासिल करते हुए फाइनल में प्रवेश किया था। मनु भाकर ने व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीतने के बाद सरबजोत सिंह के साथ मिलकर मिश्रित टीम वर्ग में भी कांस्य पदक जीता। वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं।

मीराबाई चानू से इस बार गोल्ड मेडल की आस

नई दिल्ली, 3 अगस्त। टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतने वाली स्टार वेटलिफ्टर सेखोम मीराबाई चानू से देश को इस बार गोल्ड मेडल की आस है। 49 किलो भारवर्ग में वजन उठाकर गोल्ड मेडल का जोर लगाने के लिए मीराबाई पूरी जोरों शोरों से तैयारी कर रही हैं। साथ ही दिलचस्प बात ये है कि भारत की तरफ से इस इवेंट में मीराबाई एकलौती एथलीट हैं जो पेरिस में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

वहीं 49 किग्रा की कैटेगरी में क्वॉलीफाई कर चुके बाकी एथलीट्स को देखें तो फिलहाल पूरी दुनिया में सिर्फ एक ही वेटलिफ्टर हैं जिसने मीराबाई से ज्यादा वजन उठाया है। मीराबाई ने 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में भी गोल्ड अपने नाम किया था। उन्होंने वर्लड चैंपियनशिप में भी सिल्वर मेडल जीता था। हालांकि, वह 2022 एशियाई खेलों में अपना जलवा नहीं दिखा पाई थीं।

भारतीय फैंस इस बार उनके स्नैच, क्लीन और जर्क राउंड में बेहतरीन तालमेल को देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मीराबाई ने कॉमनवेल्थ गेम्स में कुल 201 किलो वजन उठाकर सोने का तमगा अपने नाम किया था, तब उनके मुकाबले में उनके आसपास भी कोई नहीं थी। इन खेलों में सिल्वर मेडल अपने नाम करने वाली उनकी प्रतिद्वंद्वी ने सिर्फ 172 किलो भार ही उठाया था। चानू का टारगेट इस बार अपने दोनों राउंड की वेटलिफ्टिंग में ज्यादा से ज्यादा 115 किलो का वजन उठाने पर होगा।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी थे

आरसीए का एंपायर व स्कोरर (पुरुष व महिला) फ्रेशर सेमीनार शुरू

जयपुर, 3 अगस्त। आरसीए के 3 दिवसीय आरसीए एम्पायर व स्कोरर (पुरुष व महिला) फ्रेशर सेमिनार व परीक्षा का उद्घाटन आज दिनांक 3 अगस्त 2024 को प्रात: 11 बजे होटल विएना, गाँधी पथ वैशाली नगर में हुआ। सेमिनार के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी थे साथ इस इस अवसर पर आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य रतन सिंह शेखावत, धर्मवीर सिंह शेखावत व हरीश चंद्र सिंह, सेमिनार के सह संयोजक सतीश व्यास, पूर्व अंतर्राष्ट्रीय खिलाडी पंकज सिंह, राजस्थान के पूर्व रणजी कप्तान रोहित झालानी, विनीत सक्सेना, आरसीए क्यूरेटर तापोश चटर्जी सहित आरसीए ऑफिशियल मौजूद थे। सेमिनार के उद्घाटन आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक श्री जयदीप बिहाणी जी ने कहा की जब से एडहॉक कमेटी का गठन हुआ है उनका व सभी सदस्यों का पूरा प्रयास रहा है की राज्य के युवा खिलाडियों के लिए हर स्तर पर उचित खेल का वातावरण व सहायता उपलब्ध कराई जाये जिससे उन्हें आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र में न केवल खेलने का मौका मिले साथ ही उन्हें उच्च स्तरीय विकेट , मैदान व प्रशिक्षित मैच ऑफिशल्स उपलब्ध हो सके।

मनु आपने कम उम्र में स्थापित की उल्लेखनीय विरासत : बिंद्रा

नई दिल्ली, 3 अगस्त। बीजिंग ओलंपिक 2008 के स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने भारतीय महिला शूटर मनु भाकर का उत्साहवर्धन करते हुये कहा कि उन्होने मात्र 22 साल की उम्र में एक उल्लेखनीय विरासत स्थापित कर ली है। मनु ने पेरिस ओलंपिक 2024 में 10 मीटर पिस्टल की व्यक्तिगत और मिश्रित स्पर्धा में कांस्य पदक जीत कर देश को गौरवान्वित किया है हालांकि शनिवार को वह 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में हैट्रिक पदक पर निशाना लगाने से चूक गयी और उन्हे चौथे स्थान पर संतोष करना पड़ा। बिंद्रा ने मनु के प्रयास की सराहना करते हुये एक्स पर पोस्ट किया मनु, आपने पूरे देश को अपनी अविश्वसनीय उपलब्धि की सराहना करने के लिए मजबूर कर दिया है। तीसरा ओलंपिक पदक जीतना एक असाधारण उपलब्धि होती, लेकिन आपने पेरिस में जो हासिल किया वह वास्तव में स्मारकीय है। आपकी यात्रा अथक परिश्रम और समर्पण का प्रमाण है। मात्र 22 साल की उम्र में, आपने पहले ही एक उल्लेखनीय विरासत स्थापित कर ली है, और यह केवल शुरुआत है। मनु भाकर ऐसी चौथी भारतीय निशानेबाज है जो मामूली अंतर से हार कर ओलंपिक में चौथी पायदान पर आयी हैं। इससे पहले मौजूदा ओलंपिक में भारतीय पुरुष शूटर अर्जुन बाबूता 10 मीटर एयर राइफल में चौथे स्थान पर आये थे जबकि 2012 के लंदन ओलंपिक में जॉयदीप कर्माकर को पुरुषों की 50 मीटर राइफल प्रोन में चौथे स्थान पर संतोष करना पड़ा था। 2008 के ओलंपिक गोल्ड मैडेलिस्ट अभिनव बिंद्रा रियो ओलंपिक 2016 में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में पदक जीतने से चूके थे।

भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाजपा मुख्यालय में शनिवार को कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी मौजूद थीं।

"बन्ना म्हारो केशरियो हजारी गुल रो फूल...", मदन राठौड़ ने कार्यकर्ताओं का आव्हान किया

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा, भाजपा की सरकार ने सत्ता संभालते हुए एस.आई.टी. गठित की और 7 माह में 115 पेपर माफियाओं को सलाखों के पीछे पहुंचाया

- नए प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी ने कहा, केंद्रीय नेतृत्व ने सहज, सरल और जमीन से जुड़े हुए कार्यकर्ता को प्रदेश की कमान सौंपी।
- इस अवसर पर वसुंधरा राजे ने कहा, राजनीति में पद, मद और कद महत्वपूर्ण है। जनता के प्यार और विश्वास से अर्जित करें स्थाई कद।

जयपुर, 3 अगस्त, (का.सं.)। भाजपा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने पदभार ग्रहण करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यक्रर्ताओं के सम्मान और स्वाभिमान के लिए खून पसीना एक कर दूंगा। उन्होंने कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए हजारों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति को देखकर भावविभोर होकर कहा कि जो स्नेह और सम्मान मुझे दिया गया है, उसका मैं ऋणी हूं। जो मार्गदर्शन मुझे मिला है, उसके अनुसार संगठन और सत्ता के मध्य सेतु बनकर शीर्ष नेतृत्व द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरा करूंगा। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता जिस मोहल्ले में रहते हैं, वो वहां सरकार के प्रतिनिधि हैं। आज राज कार्यकर्ताओं का है, सरकार कार्यकर्ताओं की है और सरकार के द्वारा किए गए कार्यों को जनता तक ले जाने की जिम्मेदारी भी कार्यकर्ताओं की है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने राजस्थानी गीत का उदाहरण देते हुए कहा, विवाह में दूल्हे के लिए परिजन महिलाएं गीत गाती हैं कि "बन्ना म्हारो केशरियो हजारी गुल रो फूल..."। वैसे ही देश का नेतृत्व करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राजस्थान का नेतृत्व करने वाले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हम सबके दूल्हा हैं। राठौड़ ने कहा कि मेरे पूर्ववर्ती नेतृत्वकर्ताओं ने संगठन को मजबूती देने का और आगे बढ़ाने का काम बड़ी शिद्दत से किया है। मैं उनसे प्रेरणा लेकर और उनके मार्गदर्शन में जो विश्वास केन्द्रीय नेतृत्व ने जताया है और जो भरोसा कार्यकर्ताओं ने किया है, उस पर खरा उतरने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ूंगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का अभिनंदन करते हुए कहा कि मदन राठौड़ के नेतृत्व में हम सब भाजपा के विचार की इस यात्रा को आगे बढ़ाएंगे। हमारे कार्यकर्ताओं ने विचार और संस्कार के लिए संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कुशासन में जनता परेशान थी, पेपरलीक हो रहे थे। भाजपा की सरकार बनने के साथ ही एस.आई.टी. का गठन कर पेपर माफियाओं की कमर तोड़ने का काम किया गया। आज 115 से ज्यादा पेपर माफिया जेल की सलाखों के पीछे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के नेता कहते हैं कि अभी तो मछलियां पकड़ी गई हैं, मगरमच्छ बाहर हैं, मैंने उनको भी कहा है और आपको विश्वास दिलाता हूं कि जल्द ही मगरमच्छ भी शिंकजे में होंगे।

भाजपा के निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस जाति और मजहब के नाम पर देश को बांटने का षडयंत्र कर रही है। उसे रोजे में रोजेदारों के लिए अलग से व्यवस्थाएं करना अच्छा लगता है लेकिन श्रावण के पवित्र माह में कावड़ियों की आस्था का सम्मान करना नागवार गुजरता है।

उन्होंने कहा, केन्द्रीय नेतृत्व ने मदन राठौड़ जैसे सहज, सरल और जमीन से जुड़े हुए कार्यकर्ता को प्रदेश की कमान सौंपी है। इसके लिए शीर्ष नेतृत्व का आभार, और हम सब मिलकर उनके नेतृत्व में काम करेंगे।

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने इस अवसर पर कहा कि राजनीति में उतार-चढाव आते रहते हैं, हर किसी को इस दौर से गुजरना पड़ता है। राजनीति में तीन चीजें महत्वपूर्ण हैं, पद, मद और कद। पद और मद तो आते जाते हैं लेकिन, जो व्यक्ति अपने काम से कद को बना लेता हैं, यही उसकी पूंजी है। जनता के प्यार और विश्वास से अर्जित कद स्थाई है, जिसे कोई छीन नहीं सकता। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल पार्टी नहीं है, एक परिवार है और इस परिवार की सदस्य होकर मैं अपने आप को गौरवान्वित महसूस करती हूं।

भाजपा प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर ने कहा कि वसुंधरा जी की पूर्ववर्ती सरकार हो या वर्तमान की हमारी भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार, हमारे लिए लोक कल्याण सर्वोपरि है। उन्होंने कहा, हम सबका पूरा विश्वास है कि अपने अनुभव से संगठन की ऊर्जा का उपयोग करते हुए मदन राठौड़ भाजपा को एक नए मुकाम पर ले जाएंगे।

इस अवसर पर मंच संचालन भाजपा प्रदेश महामंत्री जितेन्द्र गोठवाल ने किया और प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने आभार व्यक्त किया। मंच पर राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, सतीश पूनिया व अरुण चतुर्वेदी सहित अनेक वरिष्ठ नेता व पदाधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम के बाद भाजपा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों के साथ बैठक की।

कार्यक्रम में संत शक्ति का मिला आशीर्वाद

कार्यक्रम में अलग से बने एक मंच पर प्रदेश के प्रख्यात साधू-संत उपस्थित थे। नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को संतजनों ने अपना आशीर्वाद दिया। वे मंच पर पहुंचते ही सबसे पहले संत शक्ति के मंच पर पहुंचे और आशीर्वाद लिया।

जयपुर एयरपोर्ट से प्रदेश मुख्यालय तक जोरदार स्वागत

भाजपा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के राजधानी दिल्ली से जयपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने भाव-भीना स्वागत किया। इसके बाद युवा मोर्चा के नेतृत्व में बाइक रैली एयरपोर्ट से भाजपा प्रदेश मुख्यालय तक निकालकर नए प्रदेश अध्यक्ष की अगवानी की गई। इस दौरान रास्ते में भाजपा के विभिन्न मोर्चा, प्रकोष्ठों और सामाजिक संगठनों की ओर से पुष्पवर्षा एवं ढोल-नगाड़ों के साथ नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया।

विधि विधान पूर्वक संभाली जिम्मेदारी

भाजपा प्रदेश मुख्यालय पहुंचने पर वैदिक पूजा अर्चना के बाद नव नियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी से प्रदेश के नए अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभाली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, संगठन सह प्रभारी विजया राहटकर, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, प्रदेश महामंत्री दामोदर अग्रवाल, पूर्व मंत्री कैलाश चौधरी, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक सहित प्रमुखजन उपस्थित थे।

प्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र में चार संयुक्त उपक्रमों की स्थापना को मंजूरी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में निर्णय लिया गया

- इन उपक्रमों से 1 लाख 34 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा।
- इन संयुक्त उपक्रमों से प्रदेश में मेट्रो परियोजनाओं को गति मिलेगी।

जयपुर, 3 अगस्त (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को हुई राज्य मंत्रिमण्डल की बैठक में ऊर्जा क्षेत्र में चार संयुक्त उपक्रमों की स्थापना को मंजूरी दी गई। इन उपक्रमों से प्रदेश में 1 लाख 34 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा। इसके अलावा जॉइंट वैंचर (जे.वी.) कंपनी से प्रदेश में मेट्रो परियोजनाओं का संचालन होगा। वहीं संस्कृत शिक्षा विभाग में पदनाम परिवर्तन, इसी के साथ चिकित्सा शिक्षा विभाग में सुपर स्पैशिएलिटी शिक्षकों की कमी दूर करने से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए मंत्रिमंडल में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मेट्रो रेल नीति 2017 के अनुसार, केंद्र सरकार और राज्य के बीच संयुक्त उद्यम (जे.वी.) कंपनी के गठन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। यह संयुक्त उद्यम राजस्थान में वर्तमान में चल रही एवं भविष्य की मेट्रो रेल परियोजनाओं के विकास, परिचालन एवं क्रियान्वयन के लिए होगा। मेट्रो रेल नीति-2017 के अनुसार इस जे.वी. को भारत सरकार से मेट्रो परियोजना लागत में वित्तीय सहयोग (अंशपूंजी एवं ऋण के रूप में) प्राप्त हो सकेगा। साथ ही, राज्य की मेट्रो परियोजनाओं के लिए तकनीकी एवं प्रशासनिक सहयोग प्राप्त हो सकेगा।

मंत्री ने बताया कि प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से गत 10 मार्च को राज्य सरकार और विभिन्न केन्द्रीय पब्लिक सेक्टर यूनिट (पी.एस.यू.) के बीच हुए एम.ओ.यू. की अनुपालना में मंत्रिमंडल की बैठक में भारत सरकार की विभिन्न पी.एस.यू. के साथ जॉइंट वैंचर कंपनियों के गठन के प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इन परियोजनाओं में राज्य सरकार की कंपनियों की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत और केन्द्रीय पी.एस.यू. कंपनियों की हिस्सेदारी 74 प्रतिशत रहेगी।

उन्होंने बताया कि कोल इंडिया लिमिटेड और राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड (आर.वी.यू.एन.एल.) के बीच दो अलग अलग जॉइंट वैंचर की स्थापना की जाएगी। इसमें एक तापीय परियोजना एवं दूसरी अक्षय ऊर्जा परियोजना होगी। इन जेवी से बिजली की बेस लोड और पीक लोड डिमांड पूरी होगी। साथ ही बिजली उत्पादन में प्रदेश के वित्तीय भार में कमी आएगी। पहली परियोजना के अंतर्गत कालीसिंध तापीय परियोजना झालावाड़ परिसर में 800 मेगावाट की इकाई या किसी अन्य पीटहैड ग्रीनफील्ड कोयला परियोजना की स्थापना की जाएगी। दूसरी जेवी के तहत दो हजार से ढाई हजार मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना, पंप स्टोरेज परियोजना और पवन ऊर्जा परियोजना की स्थापना की जाएगी। इन परियोजनाओं से 17 हजार 200 करोड़ से 24 हजार 400 करोड़ रूपये का प्रदेश में निवेश होगा।

मंत्री ने बताया कि अक्षय ऊर्जा परियोजना की स्थापना के लिए एन.टी.पी.सी. ग्रीन एनर्जी एवं आर.वी.यू.एन.एल. के मध्य जॉइंट वैंचर होगा। यह उपक्रम 25 हजार मेगावाट की सोलर/विंड/हाइब्रिड एनर्जी सहित नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना करेगा। इसके माध्यम से प्रदेश में एक लाख करोड़ रूपये का निवेश होगा।

उन्होंने बताया कि विद्युत प्रसारण परियोजनाओं की स्थापना के लिए पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड एवं राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम के मध्य जॉइंट वैंचर कंपनी की स्थापना की जाएगी। इससे राजस्थान में बढ़ती विद्युत लोड की मांग की पूर्ति के लिए ट्रांसमिशन प्रणाली का विकास हो सकेगा। यह जे.वी. (निर्माण, स्वामित्व, संचालन एवं रखरखाव) आधार पर ट्रांसमिशन सिस्टम का संचालन करेगी और अपने द्वारा बनाई गई संपूर्ण ट्रांसमिशन क्षमता राजस्थान डिस्कॉम को उपलब्ध करवाएगी। इस जे.वी. के माध्यम से प्रदेश में 10 हजार करोड़ का निवेश होगा।

मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2024-25 के लेखानुदान में प्रसारण निगम में केन्द्र सरकार के ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (इनविट) लाने की घोषणा की गई है। इसकी अनुपालना में राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड इनविट का गठन करेगा तथा इसे सेबी में पंजीकृत किया जाएगा। आर.वी.पी.एन. को इनविट के माध्यम से अपनी परिचालन ट्रांसमिशन परिसंपति के मुद्रीकरण के लिए अधिकृत करने का प्रस्ताव आज अनुमोदित किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वर्गीकृत कर दें तथा यह कारण बता दें कि उन लोगों के पास तो नौकरी हैं। लेकिन यह एक अन्याय होगा क्योंकि स्वीपर का काम करने वाली जातियों के साथ बहुत अधिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक भेदभाव होता आ रहा है। संविधान-निर्माताओं ने, एस.सी./एस.टी. के सजातीय वर्गों के प्रति "ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक भेदभाव के आधार पर, उनको आरक्षण दिया था। इस विचार की दलील है कि आरक्षित कोटा के अन्दर उपश्रेणी बना देने से संविधान की भावना ही पीछे छूट जायेगी। चिराग पासवान ने कहा "एस.सी./एस.टी. कोटा में क्रीमी लेयर निर्धारित करने की अनुमति हरगिज़ नहीं दी जा सकती। एस.सी./एस.टी. कोटा के अन्दर उपश्रेणियाँ बनाने से उस सामाजिक रूप से उपेक्षित तबके के उत्थान का उद्देश्य ही पूरा नहीं होगा, जो छुआछूत का शिकार रहा है।

यह भी सम्भव है कि शीर्ष अदालत का यह निर्णय दलित राजनैतिक के नए ब्रान्ड के उभरने का कारण बन जाये, क्योंकि दलित और आदिवासी वर्गों के विभिन्न श्रेणियों या उप-श्रेणियों का प्रतिनिधित्व करने वाले नेता तथा राजनैतिक दल उभर कर आ सकते हैं।

इसके साथ ही, राष्ट्रीय जातिगत जनगणना की माँग भी सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले के बाद जोर पकड़ सकती है क्योंकि राज्य सरकारों को उन जातियों की उप-श्रेणियों के सामाजिक-आर्थिक पैटर्न से सम्बन्धित आँकड़ों की जरूरत पड़ेगी।

पश्चिमी देशों में भारतीय मूल के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नीतियों, खासकर आतंक समन्वय को रोकने में इन्टरनेट सेवाओं को निलम्बित करने को लेकर की गई उनकी आलोचना ने भारतीय हितों को नुकसान पहुंचाया।

भारतीय मूल की होने और भारत के साथ पारिवारिक रिश्ते होने के बावजूद जयपाल ने अमेरिकी कांग्रेस में भारत के खिलाफ एक भ्रामक प्रस्ताव पेश किया, जिसका उद्देश्य प्रकट रूप से अमेरिका की सरकार को प्रभावित करना था, लेकिन विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने इस मामले में एक सटीक फटकार लगाई, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि ऐसी राजनीतिक शोशेबाजी के बावजूद भारत के पास अपने हितों की रक्षा करने की सामर्थ्य है।

निक्की हैली, प्रीत भरारा, बॉबी जिन्दल और सुएला ब्रेवरमैन जैसे भारतीय मूल के अन्य राजनेता ऐसी ही मनोवृत्तियों का प्रदर्शन करते हैं। अग्रणी रिपब्लिकन एवं संयुक्त राष्ट्रसंघ में अमेरिका की पूर्व राजदूत रह चुकीं हेली ने प्रायः ऐसा स्टैण्ड लिया, जो उनकी पार्टी की नीतियों से तो मेल खाता था किन्तु भारतीय हितों के विपरीत था। इस बात का एक उदाहरण यह है कि जलवायु परिवर्तन को लेकर हुई चर्चा में उन्होंने भारत और चीन को "दो प्रदूषक" देश बताया था। यह भाषण अमेरिका में तो राजनीतिक दृष्टिकोण से लाभप्रद है किन्तु भारत की विकासात्मक चुनौतियों और ऊर्जा के सतत प्रयासों की अनदेखी करता है।

अमेरिका के दक्षिणी जिले में यू.एस.अटॉर्नी रह चुकी प्रीत भरारा ने भारतीय कूटनीतिक देवयानी खोब्रागडे के कथित वीज़ा घोटाले के लिए हुए अभियोजन में प्रमुख भूमिका निभाई थी। इस मुद्दे पर भारत और अमेरिका के बीच एक बड़ी कूटनीतिक जंग भी चली। खोब्रागड़े को अपने कपड़ों की तलाशी न लिए जाने की कूटनीतिक छूट प्राप्त थी, लेकिन इस मामले में भरारा का कहना था कि यह एक नियमित प्रक्रिया है, और इससे भारतीय नाराज़ हो गए थे। भरारा का रुख प्रायः इन धारणाओं को जन्म देता है कि वह अपनी खुद की नस्ल के लोगों को ही निशाना बनाती हैं।

यू.के. की पूर्व गृहमंत्री सुएला ब्रेवरमैन को अपने "प्रवासी-रोधी" रुख के लिए जाना जाता था। उन्होंने प्रवासन को आंधी-तूफान की संज्ञा दी थी। विडम्बना यह है कि ब्रेवरमैन के स्वयं के माता-पिता ने 1960 के दशक में यू.के. में भारत के साथ एक व्यापार समझौते की यह कहकर आलोचना की थी कि भारतीय अपनी वीज़ा अवधि खत्म होने के बावजूद यू.के. में जमे रहते हैं।

अमेरिकी इतिहास में पहले भारतीय-अमेरिकी गवर्नर बने बॉबी जिन्दल ने स्वयं को भारतीय वंशक्रम से हटाकर ईसाई धर्म ग्रहण कर अपनी अमेरिकी पहचान स्थापित की। इससे उन्हें रिपब्लिकन राजनीति में आगे बढ़ने में मदद मिली।

लेकिन इन दबावों के बावजूद भारतीय मूल के सभी नेताओं ने अपनी जड़ों को पूर्णतया नहीं त्यागा है, यद्यपि विदेशों में उनके राजनीतिक अभ्युदय की परिणति भारत के लिए वास्तविक लाभों में नहीं होती। उदाहरण के लिए यू.के. के प्रधानमंत्री के रूप में ऋषि सुनक के कार्यकाल में, उनके भारतीय मूल और हिन्दू पहचान के बावजूद भारत-यू.के. व्यापार समझौते में थोड़ी-बहुत प्रगति हुई।

2023 में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के आरम्भ में एक अग्रणी ग्लोबल इन्वैस्टमैंट माइग्रेशन एडवायज़री फर्म ने खुलासा किया था कि गत तीन वर्षों में 17,000 से ज्यादा करोड़पतियों, जिनमें प्रत्येक की नैटवर्थ एक मिलियन डॉलर से अधिक थी, ने भारत छोड़ दिया है। उच्च नैटवर्थ और कुशल भारतीयों के भारत छोड़ने का कारण अपारदर्शी कर नीतियों और मनमाने का प्रशासन का परिणाम हो सकता है, इसके अलावा गत एक दशक से भारत में भय का माहौल है। उन्होंने कहा कि ये लोग सिंगापुर, यू.ए.ई., यू.के. और अन्य जगहों को पसंद कर रहे हैं। यह एक ऐसी आर्थिक स्थिति जो हमारे राजस्व के आधार को भारी नुकसान पहुंचाएगा।

कांग्रेस ने भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने यह भी कहा कि अंतिम मतदान आंकड़े जारी करने में चुनाव आयोग को इतना अधिक समय क्यों लगा, जबकि तकनीकी आधुनिक तकनीकी प्रक्रिया हर दो घंटे में आंकड़े अपडेट होते हैं। उन्होंने कहा, पहले चरण के मतदान के लिए फाइनल आंकड़े जारी करने में चुनाव आयोग को ग्यारह दिन लग गए, दूसरे चरण के लिए उसने 6 दिन लिए तथा बाद के चरणों के लिए 4 से 5 दिन।

दीक्षित ने कहा, इससे ना केवल भारतीय चुनाव आयोग, की विश्वसनीयता परा सवाल खड़े हुए हैं, बल्कि समस्त चुनाव प्रक्रिया को लेकर संदेह पैदा हो गया है। दीक्षित चुनाव आयोग के इस स्पष्टीकरण से सहमत नहीं थे कि मतदान के फाइनल आंकड़े देर से जारी करने के पीछे संचार व इन्टरनैट मुख्य कारण थे। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट टैक्नोलॉजी की उपलब्धता के कारण प्रारंभिक तथा अंतिम आंकड़ों में अधिक अंतर नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सन् 2019 में, प्रारंभिक तथा अंतिम मतदान आंकड़ों में करीब एक प्रतिशत का अंतर था और पांच सालों के बाद औसत अंतर बढ़कर 4.7 प्रतिशत हो गया है। दीक्षित ने कहा, अगर चुनाव आयोग संतोषजनक जवाब नहीं दे सका तो कांग्रेस इस मामले में जाँच के लिए उच्चस्तर पर संपर्क करेगी।

21 साल से कम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वित्त सचिव, कर्मचारी चयन बोर्ड और राजकोष निदेशक के साथ राजस्व मंडल के रजिस्ट्रार को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश संदीप व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने 20 जून, 2023 को कनिष्ठ लेखाकार और तहसील राजस्व लेखाकार के पदों पर भर्ती निकाली थी, जिसमें अभ्यर्थी की उम्र न्यूनतम 21 साल रखी गई थी। इसके अलावा आरक्षित वर्ग के अलावा अन्य अभ्यर्थी के भर्ती की लिखित परीक्षा में कम से कम चालीस फीसदी अंक होने चाहिए थे।

याचिका में कहा गया कि भर्ती विज्ञापन की इन दोनों शर्तो की अवहेलना हुई है। कर्मचारी चयन बोर्ड ने बड़ी संख्या में ऐसे अभ्यर्थियों का चयन कर लिया है, जिनके पास भर्ती की लिखित परीक्षा में चालीस फीसदी अंक नहीं हैं। इसके साथ ही कई अभ्यर्थियों को 21 साल की उम्र पूरी नहीं होने के बावजूद चुन लिया गया है, जिसके चलते दूसरे पात्र अभ्यर्थी चयन से वंचित हो गए हैं। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए भर्ती विज्ञापन की इन दोनों शर्त पूरी नहीं करने वाले अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने पर रोक लगा दी है।

महाराष्ट्र के चुनाव की गहमा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ए.एन.आई. की खबर के अनुसार, शाह ने कहा था कि "महा विकास अघाड़ी गठबंधन औरंगजेब फैन क्लब है। यह औरंगजेब फैन क्लब भारत की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता है। उद्धव ठाकरे इस औरंगजेब फैन क्लब के मुखिया हैं। यह फैन क्लब महाराष्ट्र व भारत की सुरक्षा नहीं कर सकता है। यह तो सिर्फ भाजपा ही है जो सबकी सुरक्षा व रक्षा कर सकती है।"

शाह ने यह भी आरोप लगाया कि "उद्धव ठाकरे ने कसाब के साथ संलप्ति लोगों के साथ बैठकर खाना खाया था और वो पी.एफ.आई. का समर्थन करते हैं और ठाकरे, औरंगाबाद का नाम बदलकर "संभाजी नगर" रखने वालों के खिलाफ हैं।

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, जब शाह ने शिव सेना (यू.बी.टी.) के अध्यक्ष पर सार्वजनिक रुप से हमला बोला है। उन्होंने ठाकरे पर लोकसभा चुनावों के दौरान भी सत्ता के लिए अपनी विचारधारा छोड़ने का आरोप लगाया था।

उद्धव ठाकरे को जून 2022 उस समय मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा था, जब एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिव सेना में बगावत हुई थी। इसके फलस्वरुप, उनकी सरकार गिर गई थी। फरवरी 2023 में भारतीय निर्वाचन आयोग ने शिंदे के नेतृत्व वाले धड़े को असली शिव सेना के रुप में मान्यता प्रदान की थी। 288 सीटों वाली महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव इस वर्ष के आखिर में होने की संभावना है।

'मृत कर्मचारियों ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता जितेन्द्र के पिता करौली जिले की स्कूल में प्रबोधक पद पर तैनात थे।

इस दौरान नवंबर, 2014 में उनकी मौत हो गई। इस पर याचिकाकर्ता की मां ने अपनी अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया, लेकिन काफी दिनों तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। इसके लिए विभाग के उच्चाधिकारियों ने संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण भी मांगा, लेकिन तय समय पर उसे अनुकंपा नियुक्ति नहीं दी गई।

वहीं, याचिकाकर्ता के वयस्क होने पर विभागीय अधिकारियों ने याचिकाकर्ता की मां के आवेदन को निरस्त कर याचिकाकर्ता से आवेदन ले लिया। इसके बाद उसे नियुक्ति देने की कार्रवाई भी शुरू कर समस्त औपचारिकताएं पूरी कर लीं, लेकिन उसे नियुक्ति नहीं दी। वहीं, 5 फरवरी 2024 को उसका अनुकंपा नियुक्ति का आवेदन यह कहते हुए खारिज कर दिया कि कर्मचारी की मौत के इतने सालों बाद उसे अनुकंपा नियुक्ति नहीं दी जा सकती है।

इसी प्रकार दूसरे याचिकाकर्ता राहुल गुप्ता का आवेदन भी देरी के आधार पर खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता के पिता वरिष्ठ लिपिक के पद पर करौली जिले में कार्यरत थे। उनका जून 2018 में असामयिक निधन हो गया था। उनके स्थान पर याचिकाकर्ता ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया था, लेकिन 24 नवंबर 2023 को इसका आवेदन भी देरी के आधार पर खारिज कर दिया गया। याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

हिमाचल में 47 लापता लोगों का अब तक सुराग नहीं मिला

शिमला, 03 अगस्त। हिमाचल प्रदेश में बादल फटने की तीन घटनाओं में लापता हुए 47 लोगों का अभी भी पता नहीं चला है, इन सभी की तलाश की जा रही है। बुधवार रात को मंडी, शिमला व कुल्लू में बादल फटने की घटनाओं से भारी तबाही हुई है। शिमला के समेज में 33 लोग लापता हैं जिनका अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। इसके अलावा कुल्लू में नौ और मंडी में पांच लोग लापता हैं। अभी तक छः लोगों के शव बरामद किए गए हैं। जिनमें पांच मंडी के और एक कुल्लू का है। फिलहाल सेना, एन.डी.आर.एफ. और स्थानीय प्रशासन के 400 लोग तलाशी अभियान में जुटे हुए हैं।

'कोचिंग इन्स्टिट्यूट्स ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस महासचिव सूचना-प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि आंकड़े राज्यसभा को उपलब्ध कराए गए हैं उनसे पता चलता है कि वर्ष 2019 से 2024 के द्वारा कोचिंग संस्थानों से प्राप्त जी.एस.टी. की राशि में तीव्र गति से वृद्धि हुई है और यह राशि 2,241 करोड़ रुपये से बढ़कर 5,517 करोड़ पहुंच गई है।

कांग्रेस की इस मांग को बढ़ते हुए कोचिंग उद्योग के परिप्रेक्ष्य में देखने की आवश्यकता है जिसे टाला नहीं जा सकता है क्योंकि यह आवश्यकता आधारित मांग है, अतः इसके समाधान की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि इन संस्थानों से जी.एस.टी. के संग्रहण में 146 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि हुई है, इसके कुछ हिस्से का उपयोग इसे अच्छे तरीके से लागू करने में लगाया जाना चाहिए परन्तु इसका हिस्सा उभरते हुए इसके बाजार के आकार में होना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि बेशुमार बढ़ते हुए कोचिंग संस्थानों की समस्या से निपटने के लिए भारत में एक समग्र समाधान नीति लाने की जरूरत है। पाठ्यक्रम को भी संशोधित किए जाने की आवश्यकता है और इसे स्कूलों की अन्य गतिविधियों के साथ लाना चाहिए, सभी परीक्षा-आयोजकों को और अधिक संसाधन उपलब्ध कराए जाने की जरूरत है इसके साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि के लिए और अधिक निवेश किए जाने की जरूरत है।

झारखंड सरकार महिलाओं को प्रतिवर्ष 12,000 रुपए देगी

रांची, 03 अगस्त। हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड मुक्ति मोर्चा (जे.एम.एम.) सरकार ने महिलाओं के कल्याण के लिए नई योजना की घोषणा की है। इस योजना के तहत राज्य सरकार 21 से 50 साल की महिलाओं को हर साल 12 हजार रुपये देगी। इस योजना को मईया सम्मान योजना नाम दिया गया है। झारखंड में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होंगे। माना जा रहा है कि महिला मतदाताओं को ध्यान में रखते हुए हेमंत सोरेन सरकार यह योजना लेकर आई है।

झारखंड सरकार ने इस योजना के ऐलान के साथ ही इसे अमल में लाने के लिए जोरशोर से काम शुरू कर दिया है। राज्य का महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग पात्र महिलाओं को इससे जोड़ने के लिए शिविरों का आयोजन कर रहा है। राज्य के सभी जिलों के संबंधित अधिकारियों को इस योजना को सफल बनाने के लिए जरूरी निर्देश दिए गए हैं।

झारखंड एजेंसी फॉर प्रमोशन ऑफ इन्फॉर्मेशन टैक्नॉलजी ने इस योजना का पोर्टल तैयार किया है। इस पोर्टल के जरिए ही आवेदनों का सत्यापन होगा। महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के सचिव मनोज कुमार का दावा है कि पोर्टल पर एक घंटे में ही 36 हजार हिट हुए और एक दिन में करीब 15 लाख हिट हो गए। उन्होंने भरोसा जताया कि मईया योजना राज्य की महिलाओं के उत्थान में कारगर साबित होगी।

वित्तीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद ट्रम्प ने दावा किया कि आज के विपरीत उन्होंने अमेरिकन बंदियों को जल्दी छुड़वाया था और रुस को कोई छूट नहीं दी गई थी। लेकिन जानकार सूत्रों का कहना है कि तब भी रुस के बंदियों की रिहाई का सौदा हुआ था। अमेरिकन मध्यस्थों ने एक फाइनैंशियल अखबार "वॉलस्ट्रीट जर्नल" के पत्रकार की रिहाई सुनिश्चित करवाई थी। वर्तमान सौदे में अमेरिकन नेवी के कर्मियों की रिहाई करवाने की बात भी चल रही है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908